जबलपुर गुरुवार 4 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष 31 अंक 335 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान 39.8°C
न्यूनतम तापमान 27.4°C

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

सूर्योदय - 5.24 | सूर्यास्त - 6.53

उमरिया के अभिशील जायसवाल बने आईपीएस मिला ⏩ 4

इक़बाल खान को नीले मेकअप में देखकर गंभीर रहना ⏩ 7

स्लीमनाबाद पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग बालिका को ⏩ 9

चिमनी बना होटल: 21 लोगों की मौत

मरने वालों में 11 विदेशी नागरिक, अभी भी 8 वेंटिलेटर पर

नई दिल्ली

दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 11 विदेशी नागरिक हैं। इनमें 9 अफ्रीकी और 2 तुर्कमेनिस्तान के हैं। पहले ये आंकड़ा 17 बताया गया था। मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक 10 भारतीयों में से 8 आपस में रिश्तेदार थे। इनमें 3 राजस्थान के और 5 हरियाणा के रहने वाले थे। हादसे में कुल 35 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 19 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। 15 लोग आईसीयू में एडमिट हैं, इनमें से 8 वेंटिलेटर पर हैं। जिनकी हालत गंभीर है। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग

लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। चीफ फायर ऑफिसर अभिलाष मलिक ने कहा, फायर टीम ने यहां से 37 लोगों को बाहर निकाला। बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं। होटल से 40 लोगों का रेस्क्यू भी किया गया है। आग कैसे लगी ये अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन 21 लोगों की मौत के पीछे जो 'लापरवाही' सामने आ रही है वह आम नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है। यही इस अग्निकांड के साथ-साथ 21 लोगों की मौत का कारण भी बना। दिल्ली एलजी ने फायर सेफ्टी का पालन न करने वाली जगहों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई का आदेश दिया है। यहां हाई लेवल मीटिंग में उन्होंने अधिकारियों को ये आदेश दिए। बैठक के बाद अधिकारियों ने यह जानकारी दी। होटल, नर्सिंग होम,कोचिंग क्लासेस की जांच के लिए अभियान चलाया जाएगा। दिल्ली आग हादसे की जिम्मेदारी तय करने के लिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए। उधर, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आग लगने की घटना की डिटेल्ड रिपोर्ट मांगी है। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई चूक पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फायर एनओसी भी नहीं था

मालवीय नगर हादसे में जिस होटल-रेस्टोरेंट में आग लगी उस रेस्टोरेंट के पास फायर का एनओसी भी नहीं था। दिल्ली सरकार के गृहमंत्री फायर विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। उसमें अधिकारी साफ बता रहे हैं कि बिल्डिंग में फायर एनओसी नहीं ली गई थी।

चैनल में ताला बंद था

इस होटल-रेस्टोरेंट के बेसमेंट में भी काफी लोग फंसे थे। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट नीचे बेसमेंट में ही चलाया जा रहा था। इससे बाहर आने वाले रास्ते पर लगे चैनल गेट पर ताला लगा था। इसके कारण आग लगने पर लोग निकल ही नहीं पाए और फंस कर रह गए।

6 की जगह बनाए 25 कमरे

अग्निकांड में एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि होटल को दिल्ली सरकार की ओर से बेड एंड ब्रेकफास्ट कॉन्सेप्ट के तहत लाइसेंस जारी किया गया था। जिसके तहत केवल 6 कमरों के संचालन की अनुमति थी। हालांकि, होटल में 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इतना ही नहीं, कुछ कमरे बेसमेंट में भी बनाए गए थे, जिससे सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

एंबुलेंस देर से पहुंची

हादसे की सूचना मिलने के लगभग 10 मिनट बाद फायर फाइटर्स पहुंचे, लेकिन एंबुलेंस पहुंचने में देरी हुई। इसके कारण जिन लोगों ने किसी तरह जान बचाई या गंभीर जली हुई अवस्था में जिनका रेस्क्यू किया गया, उन्हें तुरंत मेडिकल सुविधा नहीं मिल सकी। लिहाजा इलाज में देरी के कारण भी कई मौतें हुई। स्थानीय लोगों ने ही किसी तरह गंभीर घायलों को बाहर निकाला और कुछ को अस्पताल भी पहुंचाया।

होटल-रेस्टोरेंट की परमिशन नहीं

इस होटल को बनाने में एक और गंभीर बात सामने आई है कि इसके लिए स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग-अधिकारियों से परमिशन भी नहीं ली गई थी। फायर सेफ्टी उपकरण भी यहां नहीं थे। जिसके कारण आग लगने की गंभीर स्थिति में उससे बचाव का कदम उठा पाना भी नामुमकिन हो गया।

डबल इंजन सरकार में विकास की गति भी दोगुनी : मुख्यमंत्री

केंद्र ने 4,415 करोड़ की दो सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी

भोपाल (स्वतंत्र मत)

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की आर्थिक मामलों की समिति ने मध्य प्रदेश में 4,415 करोड़ रुपये की लागत वाली दो सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इससे जनजातीय बहुल बैतूल, खंडवा, खरगोन और बड़वानी जिलों के विकास को गति तो मिलेगी ही हजारों स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री के प्रति आभार जताया। बुधवार को नई दिल्ली में हुई केंद्रीय मंत्रिपरिषद की समिति की बैठक में एनएच-347बी के हिवरखेड़ी-रोशनी-आशापुर-रुधी खंड पर मौजूदा इंटरमीडिएट लेन को पक्के शोल्डर स्टैंडर्ड के साथ टू-लेन की सड़क (125.01 किलोमीटर) में अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनएच-347बी के देशगांव-जुलवानिया खंड (108.643 किलोमीटर) को हाइब्रिड एन्युटी मोड में टू-लेन से फोर-लेन सड़क में विस्तारित करने की मंजूरी दी गई। इस परियोजना में खरगोन जिले में 16.20 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड बाईपास भी विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस निर्णय पर कहा कि मध्य प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, इसलिए यहां विकास की गति भी दोगुनी है। इन परियोजनाओं से जनजातीय बहुल क्षेत्रों में विकास को गति मिलेगी।

मोदी कैबिनेट का फैसला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में कई बड़े फैसले लिए गए। सरकार ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चलने वाले पुराने ट्रकों और बसों को बदलने के लिए एक नई योजना को मंजूरी दी है। इसके लिए 9,585 करोड़ का बजट रखा गया है और यह योजना 2 साल के लिए लागू होगी। बिहार, ओडिशा, तेलंगाना और मध्य प्रदेश को हाईवे का तोहफा मिला है।

कांग्रेस को 2028 की जंग जीतने देनी होगी कुर्बानी: अजय सिंह

हरदा। प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने बुधवार को हरदा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। आगामी विधानसभा चुनाव 2028 के लिए एकजुटता का मंत्र देते हुए उन्होंने कहा कि यह चुनाव कांग्रेस के लिए आखिरी मौका होगा। जीत दर्ज करने के लिए पार्टी के सभी नेताओं को अपना अहम छोड़कर थोड़ी कुर्बानी देनी होगी। पार्टी की अंदरूनी खींचतान पर बेबाकी से बोलते हुए अजय सिंह ने कहा कि चुनाव आते ही कांग्रेस का हर नेता दावेदार बन जाता है या किसी का पट्ठा बन जाता है। इसी वजह से कांग्रेस भाजपा से नहीं, बल्कि अपनों से ही चुनाव हार जाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थानीय और ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने

चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कांग्रेस 2028 का चुनाव नहीं जीती, तो केवल आगे की पंक्तियों में बैठे लोग ही दिखाई देंगे। इसके बाद पीछे की लाइन हमेशा के लिए खाली हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को लेकर दिए गए बयान की अजय सिंह ने कड़ी आलोचना की।

मप्र के हर जिले में बनेंगे फीडर सेंटर

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश के हर जिले में स्पोर्ट्स फीडर सेंटर बनेंगे। इससे खेल नेटवर्क भी बढ़ जाएगा। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने बुधवार को प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की खोज और संवर्धन को नई गति देने के उद्देश्य से संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में टैलेंट सर्च अभियान की समीक्षा की। बैठक में कई बिंदुओं पर निर्देश भी दिए।

अभिषेक बनर्जी को ईडी का समन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय की एक टीम कोलकाता में अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची। ईडी के अधिकारियों ने उन्हें प्राइमरी टीचर भर्ती घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में समन दिया है। अधिकारियों ने बताया कि अभिषेक बनर्जी को 15 जून को जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। इस दिन उन्हें जांच एजेंसी के सामने पेश होकर सवालों के जवाब देने होंगे। यह पूरा मामला प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में हुई कथित गड़बड़ियों और अवैध लेनदेन से जुड़ा है।

महिला हेड कॉन्स्टेबल ने खुद को लगाई आग

छिंदवाड़ा (स्वतंत्र मत)। पुलिस लाइन में पदस्थ लेडी हेड कॉन्स्टेबल दीपा नेगी ने बुधवार को आत्महत्या कर ली। जांच में सामने आया है कि वह डिप्रेशन की शिकार थी और उसका नागपुर में इलाज चल रहा था। दीपा सुबह अपनी मां के घर से यह कहकर निकली थी कि गाड़ी में पेट्रोल डलवाने जा रही हूं। इसके बाद वह करीब 500 मीटर दूर स्थित अपने खुद के सूने घर पहुंची। यहां कमरे के अंदर जाकर आग लगा ली। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दीपा को पति के निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। पुलिस ने सभी संभावित पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।

कर्नाटक के नए 'बॉस' बने डीके शिवकुमार

जी. परमेश्वर को डिप्टी सीएम की कमान

बेंगलुरू। आठ बार विधायक रहे और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने आज लोकभवन में कर्नाटक के 34वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दरमैया से नेतृत्व का वह हस्तांतरण पूरा हो गया, जो पिछले सप्ताह शुरू हुआ था। कर्नाटक के मनोनीत मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने आज लोक भवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह से पहले, अपनी मां गौरम्मा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी समेत पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री बुधवार को बेंगलुरु में डीके शिवकुमार के शाम 4.05 बजे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल रहे। डीके शिवकुमार के साथ, 13 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

इनमें जी. परमेश्वर को उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने का फैसला किया है। वहीं अन्य नामों में यतींद्र सिद्धारमैया, यू.टी. खादर, एम.बी. पाटिल, के.जे. जॉर्ज, के.एच. मुनियप्पा, सतीश जारकीहोली, रामलिंगा रेड्डी, कृष्णा बायरेगौड़ा, प्रियंका खड़गे, ईश्वर खंड्रे, बायराथी सुरेश और शरण प्रकाश पाटिल शामिल हैं।

सोनिया गांधी ने फोन पर दीं शुभकामनाएं

कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने उन्हें फोन पर शुभकामनाएं दी हैं। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने सोनिया गांधी को भरोसा दिलाया है कि वह सभी को साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा, सोनिया गांधी ने मुझे फोन किया। शुरू से ही उन्हें मुझ पर बहुत भरोसा रहा है। उन्होंने मुझे राज्य में पार्टी का अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने मुझे शुभकामनाएं दीं और सभी को साथ लेकर चलने को कहा। उन्हें मुझ पर विश्वास है। मैंने उन्हें आश्वासन दिया है कि मैं सभी को साथ लेकर चलूंगा।

58 विधायकों ने की बगावत, ममता की टीएमसी में आफत

अलग गुट बनाकर ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना

कोलकाता

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस में 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर टूट सामने आई है। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी विधानसभा स्पीकर और ममता बनर्जी का कोई बयान नहीं

आया है। ममता के पास अब 22 विधायकों का समर्थन है। टीएमसी ने 294 सीटों में से 80 सीटें जीती थीं। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब नेता विपक्ष चुनने के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप लगाने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच सीनियर लीडर कुणाल घोष ने बताया कि टीएमसी विधायक फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। इस बीच पार्टी के बागी गुट ने बड़ा बयान दिया है। टीएमसी के कई विधायकों ने साफ कहा है कि पार्टी में कोई टूट नहीं हो रही है और वे अब भी ममता बनर्जी को ही अपना नेता मानते हैं।

रूस ने भारत के लिए भेजा 'सुदर्शन चक्र'

नई दिल्ली। जिस 'सुदर्शन चक्र' ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के दांत खट्टे कर दिए, उसी एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम का चौथी स्क्वाड्रन रूस ने भेज दिया है। भारतीय सेना और रक्षा विशेषज्ञों के बीच इस शक्तिशाली सिस्टम को सुदर्शन नाम दिया गया है, जो भगवान कृष्ण के सुदर्शन चक्र की तरह ही अचूक और विनाशकारी है। इस चौथे स्क्वाड्रन के भारत आने से हमारी लंबी दूरी की हवाई सुरक्षा क्षमताओं को एक अभूतपूर्व मजबूती मिली है। रक्षा सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, रूस से यह आधुनिक मिसाइल प्रणाली एक समुद्री जहाज के जरिए सुरक्षित रूप से भारत के तट पर पहुंची है। अब इसे बेहद कम समय के भीतर ऑपरेशनल एरिया में तैनात किया जाएगा।

दुनियाभर में 3 माह तक सूखे की आशंका

केंद्र का निर्देश- राज्य तुरंत एक्शन प्लान लागू करें

नई दिल्ली

इस साल में भारत समेत दुनियाभर में सूखे की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने मंगलवार देर रात वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र की इस मौसम एजेंसी के मुताबिक, प्रशांत महासागर में तेजी से गर्म हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80 प्रतिशत है। नवंबर तक इसके 90 प्रतिशत या उससे ज्यादा बने रहने की आशंका है। इन सबके बावजूद भारत में 2 एक्टिव सिस्टम यानी इंडियन ओशन डायपोल और मैडेन-जूलियन ऑस्सिलेशन से मानसून बच

सकता है। ये बादलों और हवाओं का एक ऐसा वैश्विक सिस्टम है तो मूमध्य रेखा पर घूमता रहता है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरता है, तो कमजोर मानसून में भी भारी बारिश के स्पेल (दौर) लेकर आता है। मौसम विभाग के मुताबिक देश में मानसून के दौरान सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी लेट है। इसके 4 जून को केरलम पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है। अल नीनो आगे चलकर और मजबूत हो सकता है। इससे भारत समेत दुनियाभर में सूखा, बाढ़, समुद्री-स्थलीय हीटवेव और मौसम के खतरनाक रूप देखने को मिल सकते हैं। इस बीच कृषि मंत्रालय ने राज्यों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि सामान्य से कम मानसून और अल नीनो की आशंका को देखते हुए जिलास्तर पर प्लान लागू करें। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि साथ ही किसानों तक जल्दी जानकारी पहुंचाने के लिए डिजिटल और कॉल सेंटर सेवाओं को मजबूत करें।

समुद्र का पानी 6 डिग्री ज्यादा गर्म हुआ

वैज्ञानिकों के मुताबिक, प्रशांत महासागर की सतह के नीचे का पानी सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा गर्म मिला है। यह चिंताजनक है। समुद्र में जमा यही अतिरिक्त ऊष्मा सतह को गर्म कर रही है, जिससे अलनीनो को रफ्तार मिल रही है।

प्रभावित देशों को तैयार रहने को कहा

संगठन ने गंभीर सूखे की आशंका जताई है। उसने भारत समेत सभी प्रभावित देशों की सरकारों, कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा विभागों को युद्ध स्तर पर तैयार रहने को कहा है। समय पर मिली सटीक चेतावनी और पूर्व-तैयारी से ही लाखों जानें बच सकती हैं।

सूरज-बादलों की आंखमिचौली से तापमान में आई नरमी

नौतपा खत्म होते ही बदला मौसम का मिजाज, 48 घंटों में तेज हवाओं के साथ बारिश के आसार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नौतपा की समाप्ति के बाद संस्कारधानी के मौसम में बदलाव का दौर लगातार जारी है। बुधवार को शहर के आसमान पर सूरज और बादलों के बीच दिनभर आंखमिचौली चलती रही। कभी तीखी धूप तो कभी बादलों की छांव के इस उतार-चढ़ाव ने फिजाओं में घुली प्रचंड तपन को काफी हद तक नियंत्रित रखा। इस बदले मिजाज के कारण पिछले दिनों की तुलना में बुधवार का मौसम थोड़ा ठंडा और सहूलियत भरा बना रहा, हालांकि छांव होने के बावजूद तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री

दर्ज किया गया। दोपहर के वक्त जब भी बादलों ने सूर्यदेव को अपनी आगोश में लिया, तो राहगीरों और कामकाजी लोगों को तेज धूप से फौरन निजात मिली। हालांकि, बादलों के हटते ही हल्की उमस का अहसास भी हुआ, लेकिन कुल मिलाकर दिन का तापमान नियंत्रण में ही रहा। गर्मी के इस उतार-चढ़ाव भरे माहौल के बीच अब समूचे अंचल को झुलसाने वाली तपन से स्थायी रूप से मुक्ति पाने के लिए नियमित मानसून का बेसब्री से इंतजार है। ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों से लेकर शहरी आबादी तक, सभी लोग अब आसमान की तरफ टकटकी लगाकर बादलों की उस घनी खेप का इंतजार कर रहे हैं, जो झमाझम बारिश के साथ धरती की प्यास बुझा सके।

मानसून का है इंतजार

इसी बीच मौसम विभाग से राहत भरी जानकारी सामने आई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अरब सागर से आ रही नमी और स्थानीय स्तर पर विकसित हो रहे कम दबाव के क्षेत्र के चलते आगामी 24 से 48 घंटों में प्री-मानसून की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। जिले के कुछ चुनिंदा शहरी और ग्रामीण इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने और पानी की बौछारें पड़ने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि यदि यह बौछारें समय पर गिरती हैं, तो जून के पहले हफ्ते में ही जबलपुर वासियों को इस उमस भरी तपिश से पूरी तरह राहत मिल जाएगी और मानसून के आगमन का रास्ता भी साफ होगा।

फरार वारंटियों की गिरफ्तारी पर ईनाम घोषित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

एसपी संपत उपाध्याय ने फरार वारंटियों की गिरफ्तारी पर ईनाम की घोषणा की है। जिसके तहत वीरेन्द्र पिता सुक्कू काछी निवासी झण्डा चौक हनुमान मंदिर रांझी, सोनू सिंह पिता गुड्डा सिंह ठाकुर उम्र 19 वर्ष निवासी नई बस्ती सुभाष नगर रांझी राहुल पिता रामगिरी गोस्वामी उम्र 22 वर्ष निवासी ग्रीन सिटी शिवाजी चौक माढ़ोताल व मनीष पिता श्रीराम गिरी गोस्वामी उम्र 25 वर्ष पर तीन-तीन हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की गई है। इसके अलावा कमलेश जैसवाल पिता फूलचंद जैसवाल निवासी झण्डा चौक मेन रोड शहपुरा व राजा राम सिह पिता भगवान सिंह निवासी ग्राम मनकेड़ी की गिरफ्तारी पर दो-दो हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया है।

महाकौशल कॉलेज जबलपुर में गूंजी साहित्य की गूंज

रचनाकार राधाकृष्ण पाण्डेय की दो कृतियों का भव्य विमोचन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल महाविद्यालय में पूर्व छात्र संघ के सहयोग से एक भव्य साहित्यिक समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में प्रसिद्ध रचनाकार राधाकृष्ण पाण्डेय के दो नवीन काव्य संग्रहों-'गीता दोहावली' तथा 'नमो काव्य मंजरी' का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैंट विधायक अशोक रोहाणी उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने की। सारस्वत अतिथि के रूप में प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. इला घोष, प्रो. अरुण शुक्ल और डॉ. शिवकुमार सिंह ठाकुर मंच पर विराजमान रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक अशोक रोहाणी ने लेखक के साहित्यिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि 'गीता दोहावली' नई पीढ़ी को भारतीय जीवन मूल्यों और हमारी समृद्ध संस्कृति से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। ऐसी कालजयी कृतियाँ समाज को हमेशा एक सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'नमो काव्य मंजरी' जैसी रचनाएँ राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों को सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान करती हैं। उन्होंने लेखक को शुभकामनाएं देते हुए साहित्य सृजन को समाज निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम बताया।

पुस्तकों की विस्तृत समीक्षा

समारोह के दौरान दोनों पुस्तकों की गहरी साहित्यिक समीक्षा भी प्रस्तुत की गई। डॉ. इला घोष ने 'गीता दोहावली' की दार्शनिक व साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डाला। वहीं, डॉ. शिवकुमार सिंह ठाकुर ने 'नमो काव्य मंजरी' की कविताओं में निहित रस, भाव और उसके शिल्प सौंदर्य का बारीकी से विश्लेषण किया। इस भव्य आयोजन का कुशल संचालन विवेक पाठक ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. मनीष दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र की कई जानी-मानी हस्तियों सहित बड़ी संख्या में कॉलेज के पूर्व छात्र-डॉ. प्रशांत मिश्रा, आदित्य मिश्रा, मृदुल मिश्रा, डॉ. रश्मि टंडन, मनीष पांडे, मनोज परोहा,सुरेंद्र सेन, उमा श्रीवास्तव, तरुण रोहितास,प्रेम शुक्ला के साथ-साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गोसलपुर फीडर दो भागों में विभाजित

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी डिवीजन सिहोरा के अंतर्गत आने वाली डीसी गोसलपुर के तहत गोसलपुर टाउन की विद्युत व्यवस्था का विघुत फीडर दो भागों में विभक्त किया गया है, उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए बड़े लंबे समय से जनप्रतिनिधियों द्वारा विद्युत मंडल के अधिकारियों से गोसलपुर टाउन के फीडर को दो भागों में विभाजित करने की मांग चली आ रही थी।

मुख्य अभियंता की सार्थक पहल से गोसलपुर सबस्टेशन के अंतर्गत गोसलपुर फीडर के उपभोक्ताओ को राहत देते हुए गोसलपुर फीडर को दो भागों में परिवर्तित किया गया । जिसमें में गोसलपुर और कछपुरा को एक फीडर बना दिया गया है और दूसर बरनू ,किवलारी ,धरमपुरा, सम्मेदगिरि जैन मंदिर ,रेल्वे स्टेशन तिराह ,हृदयनगर रोड को अलग फीडर प्रदान किया गया है।

जिससे आने वाले समय में उपभोक्ताओं को बिजली समस्याओ से राहत प्रदान होगी साथ ही ट्रिपिंग की समस्या मे अत्यंत कमी हो जाएगी एवं वोल्टेज की समस्या से भी निजात मिलेगी।

शराब के लिये रुपये न देने पर की मारपीट

जबलपुर। गोरखपुर पुलिस ने बताया कि रामपुर छापर निवासी 34 वर्षीय संजय मिश्रा गिट्टी रेत का काम करता है। सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह जोगिनी माता मंदिर के पास खड़ा था। उसी समय मोहल्ले का मयंक सोनकर पहुंचा और उससे शराब पीने के लिये रुपये मांगने लगा। संजय ने रुपये देने से मना किया तो आरोपी मयंक ने मारपीट करते हुए किसी नुकीली चीज से हमला कर उसके हाथ की कलाई में चोट पहुंचा दी।

निजी बैंक कर्मियों ने फर्जीवाड़ा कर हड़पे साढ़े सात लाख रुपए

ब्रांच मैनेजर ने शहपुरा थाने में दर्ज करायी शिकायत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारत फाइनेंसियल इनक्लूजन लिमिटेड के अंतर्गत कार्य करने वाली इंडसइंड बैंक के दो कर्मियों ने महिलाओं से लोन की किश्त लेकर उसे बैंक में जमा न करते हुए राशि हड़प ली। दोनों आरोपी संगम मैनेजर के पद पर कार्यरत् थे, जो कि लोन देने व उसकी वसूली का कार्य करते थे, इस तरह आरोपियों ने करीब साढ़े सात लाख रुपये की राशि गबन कर ली। जिसकी शिकायत पर शहपुरा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि बीएफईएल के ब्रांच मैनेजर राजा यादव ने शिकायत दर्ज करायी। जिसमें उन्होंने बताया कि भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत एक निगमित कंपनी है। जिसका हेड ऑफिस हैदराबाद तेलंगाना एवं रजिस्टर्ड ऑफिस मुम्बई तथा रीजनल ऑफिस विजय नगर जबलपुर में है। इंडसइंड बैंक लिमिटेड बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 के तहत एक बैंकिंग कंपनी

है और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के अनुमोदन के साथ भारत में बैंकिंग कारोबार (इंडसइंड बैंक) कर रही है। उक्त कंपनी के संगम मैनेजर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को समूह लोन देने व उनकी किश्तों के कलेक्शन का कार्य करते हैं। उसकी ब्रांच में संगम मैनेजर के पद पर कार्यरत दीपक गौंड़ निवासी हरदुआ, सिंगोरगढ़, जवेरा, जिला दमोह एवं मोतीलाल यादव निवासी-ग्राम जमुनिया, चिखली पडरई, जिला सागर ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए महिलाओं से उनके लोन की किश्तों को बैंक की शहपुरा ब्रान्च में जमा करने का विश्वास देकर महिलाओं से लोन की किश्तों एवं प्री पेमेन्ट लेकर कंपनी में जमा न करते हुए राशि हड़प ली। इस तरह आरोपी दीपक गोड़ 4, 71, 514 एवं मोती लाल यादव 2, 63, 946 की क्षति पहुंचाई है।

युवा कांग्रेस ने किया सद्‌बुद्धि यज्ञ

सीएम डॉ. मोहन यादव के बयान पर भड़का आक्रोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ कथित रूप से की गई अमर्यादित टिप्पणी को लेकर युवा कांग्रेस ने बुधवार को अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस ने हनुमानताल परिसर में सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन कर मुख्यमंत्री को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की और उनके बयान के खिलाफ नाराजगी जताई। आयोजन में विधिवत हवन-पूजन किया गया और धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच मुख्यमंत्री के नाम की आहुतियां दी

गईं।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोनू कुकरेले और अभ्युत बाजपेयी ने कहा कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक और गरिमामयी पद पर बैठे व्यक्ति को अपनी भाषा और व्यवहार में मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ अभद्र और अशोभनीय भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और युवा कांग्रेस इसे स्वीकार नहीं करेगी। यदि भाजपा नेताओं द्वारा विपक्ष के प्रति इस तरह की अमर्यादित भाषा और व्यवहार जारी रहा, तो युवा कांग्रेस आने वाले दिनों में जिलेभर में व्यापक आंदोलन करेगी। इस अवसर पर भानु यादव, राजा रैकवार, मोंटी वंशकार, कपिल भोजक, नितिन सिंह, सौरभ यादव, शिशांत सिंह ठाकुर, गौरव ठाकुर, प्रवीण चौधरी, राजेश केसरवानी, शिवम् यादव, सागर भारद्वाज, आयुष नेमा, रोहित पसेरिया, नयन गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांग यात्रियों के लिए मात्र दो महीनों में जारी किए रियायत कार्ड

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । भारतीय रेलवे द्वारा समाज के हर वर्ग को सुगम और सम्मानजनक यात्रा अनुभव कराने के प्रयासों के बीच पमरे के जबलपुर रेल मंडल ने सराहनीय उपलब्धि हासिल की चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के शुरुआती दो महीनों 1 अप्रैल से 31 मई के भीतर ही मंडल द्वारा कुल 303 रेलवे दिव्यांग रियायत कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इस रियायत कार्ड के जरिए पात्र दिव्यांग यात्रियों को न सिर्फ रेल किराए में नियमानुसार भारी छूट मिलती है, बल्कि उनके साथ यात्रा करने वाले एक परिचारक को भी रियायती दरों पर सफर करने की सुविधा मिलती है। जबलपुर मंडल की इस त्वरित पहल का मुख्य उद्देश्य शासन द्वारा मिलने वाली सुविधाओं को बिना किसी देरी के सीधे जरूरतमंद यात्रियों तक पहुंचाना है। कार्ड जारी होने के बाद इसकी जानकारी रेलवे के मुख्य आरक्षण सॉफ्टवेयर में अपडेट कर दी जाती है, जिससे यात्री काउंटर के साथ-साथ घर बैठे ई-टिकट बुकिंग के दौरान भी किराए में मिलने वाली छूट का सीधा लाभ उठा सकते हैं। रेलवे प्रशासन ने इस पूरी व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बना दिया है। रियायत कार्ड प्राप्त करने के इच्छुक यात्री रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वेबसाइट पर अपलोड किए गए सभी दस्तावेजों के सफल ऑनलाइन सत्यापन के तुरंत बाद रियायत कार्ड जारी कर दिया जाता है।

चाकू लेकर जिला न्यायालय पहुंचा युवक गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । जिला न्यायालय परिसर में बुधवार को वक्त हड़कंप मच गया, जब मुख्य गेट पर सुरक्षा जांच के दौरान पुलिस ने एक युवक को धारदार बटनदार चाकू के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी को तुरंत ओमती थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, आज सुबह कोर्ट खुलने के बाद मुख्य प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षाकर्मी हर आने-जाने वाले की सघन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान बाई का बगीचा (घमापुर) निवासी युवक बाबू सोनकर कोर्ट परिसर में दाखिल होने लगा। गेट पर तैनात मुस्तैद आरक्षक ओम उपाध्याय ने जब उसे रोककर उसकी जेब की तलाशी लेनी चाही, तो युवक

घबरा गया। वह पुलिसकर्मी को गुमराह कर वहां से खिसकने की कोशिश करने लगा, लेकिन आरक्षक की सतर्कता के कारण वह भाग नहीं सका। पुलिस कर्मियों ने जब युवक को रोककर उसकी सख्ती से तलाशी ली, तो उसकी जेब से एक प्रतिबंधित बटनदार चाकू बरामद हुआ। न्यायालय परिसर जैसी संवेदनशील जगह पर युवक के पास चाकू मिलने की खबर से वहां मौजूद वकीलों और पक्षकारों में हड़कंप मच गया। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए इसकी सूचना ओमती थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी बाबू सोनकर को हिरासत में ले लिया और उसे थाने ले आई, जहां उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

तीन जुआरी पकड़ाए, 33 सौ की नगदी बरामद

जबलपुर। लार्डगंज पुलिस ने शताब्दीपुरम जेडीए कालोनी में दबिश देकर तीन जुआरियों को पकड़ा। जिनके पास से ताश के 52 पत्तें व 33 सौ रुपये की नगदी जब्त की गई। पुलिस ने मौके से मल्लू कोल निवासी बड़ी उखरी विजयनगर, प्रभू चड़ार निवासी उपरैनगंज कोतवाली, अंकुर गुप्ता निवासी होटल साई कृपा आगा चौक को हिरासत में लिया है।

युवाओं और इन्फ्लुएंसर्स को संगठन से जोड़ने की कवायद

एमपी कांग्रेस ने लॉन्च किया सोशल मीडिया वॉरियर्स प्रतिभा एक खोज अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग द्वारा संगठन सशक्तिकरण के तहत एक अनूठे अभियान सोशल मीडिया वॉरियर्स प्रतिभा एक खोज का विधिवत शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के जरिए पार्टी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे युवाओं, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, लेखकों, ब्लॉगर्स, मोटिवेशनल स्पीकर्स, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा कला एवं मनोरंजन जगत से जुड़ी प्रतिभाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ेगी। पार्टी का मानना है कि इन जागरूक आवाज़ों के माध्यम से जनहित, संविधान और लोकतंत्र की लड़ाई को और अधिक मजबूती मिलेगी।

अभियान के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित विशेष बैठक में वक्ताओं ने वर्तमान राजनैतिक और सामाजिक परिदृश्य पर अपनी बात रखी। वक्ताओं ने कहा कि

वर्तमान समय में लोकतांत्रिक संस्थाओं, संविधान और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक एवं रचनात्मक युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। कांग्रेस पार्टी ऐसे प्रतिभावान युवाओं को आगे लाकर उनकी ऊर्जा का उपयोग जनहित के मुद्दों को उठाने में करना चाहती है। पदाधिकारियों ने साफ किया कि यह अभियान केवल पारंपरिक सदस्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नई सोच और नई ऊर्जा को संगठन की मुख्यधारा में शामिल करने का एक बड़ा मंच है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की रही मौजूदगी

इस महत्वपूर्ण बैठक और अभियान के शुभारंभ के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष संजय यादव, प्रभारी सीताराम सिलावट, जिला कांग्रेस महासचिव सुकीर्थ त्रिपाठी और प्रवक्ता विवेक यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इसके साथ ही आईटी सेल के महासचिव विवेक भोसले, सचिव राजेश पटेल, जिला अध्यक्ष अभिषेक (रिंकू) शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष सिहोरा जितेन्द्र पटेल, विधानसभा अध्यक्ष पाटन आयुष राजपूत, विधानसभा अध्यक्ष पनागर रत्नेश पटेल एवं अरविंद मिश्रा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने इस अभियान को बूथ और विधानसभा स्तर पर सफल बनाने तथा अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ने का संकल्प लिया।

एक दर्जन किसानों के खेतों से केबल पार

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । गोसलपुर गांधीग्राम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तामर, कोटखाले और माल्हा हार में चोरों के हौसले बुलंद हैं। यहाँ बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर लगभग एक दर्जन किसानों के बोरवेल की विद्युत लाईन केबल चोरी कर ली। इस अप्रत्याशित चोरी से पूरे क्षेत्र के किसानों में हड़कंप मच गया है। बिजली केबल चोरी होने के कारण किसानों के सिंचाई के मुख्य स्रोत पूरी तरह से बिजली विहीन हो गए। पानी की आपूर्ति बंद होने से खेतों में खड़ी मूंग की फसल और क्षेत्र के प्रसिद्ध पान बरेजे सूखने की कगार पर पहुँच गए हैं। पीड़ित किसानों का कहना है कि भीषण गर्मी के इस मौसम में यदि समय पर सिंचाई नहीं हुई, तो उनकी मेहनत से तैयार की गई पान और मूंग की फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। इस घटना को लेकर पीड़ित किसानों में भारी आक्रोश है। प्रभावित किसानों ने एकजुट होकर इस संबंध में स्थानीय गोसलपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

पेट्रोल पंप पहुंचने से पहले ही टैंकर में लग रही थी सेंध

क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

क्राइम ब्रांच और भेड़ाघाट थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान एक बड़ी कार्रवाई करते हुए इंडियन ऑयल कंपनी के टैंकर से ईंधन चुराते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में टैंकर का मुख्य चालक (ड्राइवर) भी शामिल है, जो रास्ते में गाड़ी रोककर अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा था। भेड़ाघाट थाना प्रभारी कमलेश चौरिया ने बताया कि 3 जून 2026 को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पडुआ में मुन्ना पटेल के घर के पीछे रास्ते में एक इंडियन ऑयल का टैंकर क्रमांक एमपी 13 जेडजे 0908 और एमपी 20 जेड जे 0908 संदिग्ध हालत में खड़ा है।

टैंकर के ऊपर चढ़ा एक व्यक्ति ढक्कन खोलकर पाइप के जरिए ईंधन निकाल रहा है, जबकि नीचे खड़ा दूसरा व्यक्ति उसे गैलनों में भर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को मौके पर ही दबोच लिया।

पूछताछ में टैंकर के ऊपर खड़े शख्स ने अपना नाम राजेश यादव (35 वर्ष, निवासी सिरमौर, जिला रीवा) बताया, जो कि उस टैंकर का ड्राइवर है। नीचे खड़े उसके साथी की पहचान मुकेश सेन (34 वर्ष, निवासी सुहागी, अधारताल) के रूप में हुई है। ड्राइवर राजेश ने कबूला कि वह भिटौनी शहपुरा डिपो से 10 हजार लीटर पेट्रोल और 4 हजार लीटर डीजल भरकर स्वरूप ऑटोमोबाइल्स (राईट टाउन, रानीताल चौक) पेट्रोल पंप के लिए रवाना हुआ था। लेकिन रास्ते में ही नियत बिगड़ने पर वह गाड़ी को ग्राम पडुआ ले गया।

औजारों से खोली सील, 135 लीटर ईंधन बरामद

आरोपियों ने मुन्ना पटेल के घर के पीछे टैंकर खड़ा कर हथौड़ी, पेचकस और रिपिट खोलने की मशीन की मदद से टैंकर के ढक्कन की सील (रिपिट) तोड़ी। इसके बाद प्लास्टिक के पाइप (सटक) के जरिए पेट्रोल और डीजल निकालना शुरू किया। पुलिस की छापेमारी तक आरोपी 5 गैलनों में कुल 135 लीटर ईंधन चुरा चुके थे, जिसमें 2 गैलन में 50 लीटर पेट्रोल और 3 गैलन में 85 लीटर डीजल शामिल था।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

बच्चों को विज्ञान कैसे पढ़ाएं

बच्चे स्वभाव से ही बहुत जिज्ञासु होते हैं और प्रयोग करना पसंद करते हैं, इसलिए बचपन के शुरुआती साल उन्हें सीखने और विशेष रूप से विज्ञान के प्रति प्रेम विकसित करने में मदद करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं।

अपने बच्चों को चीजों का प्रत्यक्ष अनुभव करने के भरपूर अवसर प्रदान करके, आप उनकी जिज्ञासा को प्रोत्साहित और बढ़ाएंगे और जल्द ही उनके सामने आने वाली हर चीज एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जांच बन जाएगी! यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि बच्चे निरंतर सीखते रहते हैं। आप इस तथ्य का लाभ उठाकर अपने बच्चों को अपने दैनिक कार्यों और दिनचर्या में यथासंभव शामिल कर सकते हैं। इस प्रकार की तात्कालिक शिक्षा निरंतर जारी रह सकती है और व्यस्त दिनचर्या में भी इसे आसानी से शामिल किया जा सकता है।

बच्चे की जिज्ञासा

बच्चे अपनी जिज्ञासा से उपजने वाले अनेक प्रश्नों के उत्तर ढूंढकर भी सीखते हैं, जो उनकी विचार प्रक्रिया का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। सवाल पूछने से बच्चों को अपने अनुभवों के बीच संबंध स्थापित करने में मदद मिलती है। हो सकता है कि आप अपने बच्चों द्वारा रोजाना पूछे जाने वाले 'कौन, क्या, कब, कहाँ, क्यों और कैसे' जैसे सवालों के जवाब देते-देते थक जाएँ, और कई बार वे ऐसे सवाल भी पूछ सकते हैं जिनके जवाब आपके पास न हों।

कुछ सवाल पूछें

उन्हें उन सवालों के जवाब ढूंढने में मदद करना अपना लक्ष्य बनाएं, या फिर उन्हें वे संसाधन उपलब्ध कराएं जिनकी मदद से वे खुद जवाब खोज सकें। आप बच्चों को सोचने के लिए प्रेरित करने के लिए उनसे कुछ सवाल पूछ सकते हैं और उन्हें अपने जवाब समझाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। यह जानने का भी एक शानदार तरीका है कि आपके बच्चे किसी विषय के बारे में पहले से कितना जानते हैं।

अल्बर्ट आइंस्टीनः प्रतिभा, रहस्य और अनोखी कहानियां

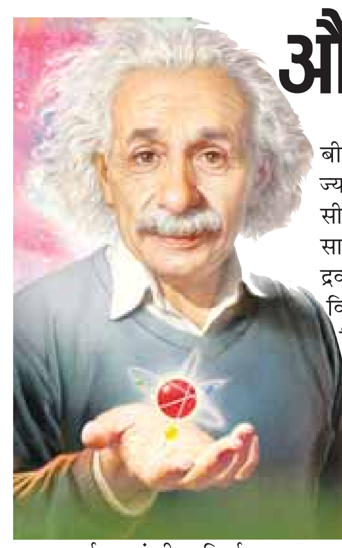

अल्बर्ट आइंस्टीन सिर्फ एक वैज्ञानिक नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रतिभा थे, जिनकी सोच ने पूरी दुनिया को बदल दिया। उनका जीवन विज्ञान, संगीत और मानवता का अद्भुत मिश्रण था। उनका जन्म 14 मार्च, 1879 को हुआ था। 12 साल की उम्र तक उन्होनें बीजगणित और यूक्लिडियन ज्यामिति खुद से ही एक समर सीजन के दौरान सीख ली थी। उन्हें सापेक्षता के सिद्धांत और द्रव्यमान-ऊर्जा तुल्यता सूत्र को विकसित करने के लिए भी याद किया जाता है। आइंस्टीन ने सैद्धांतिक भौतिकी के लिए अपनी सेवाओं और कानून की खोज के लिए भौतिकी में 1921 का नोबेल पुरस्कार जीता था। उन्होंने स्वतंत्र रूप से पाइथागोरस प्रमेय के अपने स्वयं के मूल प्रमाण की खोज की। जब उन्होंने इसकी खोज की उस वक्त उनकी उम्र केवल 12 वर्ष थी। वहीं, जब वे 14 वर्ष के थे, तब तक उन्होंने इंटीग्रल और डिफरेंशियल कैलकुलस में महारत हासिल कर ली थी। अपने जीवनकाल में उन्होंने 150 से अधिक गैर-वैज्ञानिकों के साथ 300 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित किए।

1905 चमत्कारों का वर्ष

वर्ष 1905 को आइंस्टीन के जीवन का महत्वपूर्ण वर्ष माना जाता है। 1905 में उन्होंने भौतिकी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इसी वर्ष उन्होनें चार बड़े शोध पत्र प्रकाशित किए। उन्होंने फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव, ब्राउनियन गति, विशेष सापेक्षता, द्रव्यमान और ऊर्जा की समानता पर पत्र प्रकाशित किए। इस कार्य के लिए उन्हें पूरी दुनिया जानती है। 1921 में उन्हें भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिया गया। यह पुरस्कार उन्हें सापेक्षता नहीं, बल्कि फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव की खोज के लिए मिला था।

नया सत्र, नई शुरुआतः अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

हर वर्ष विद्यालय में नया शैक्षणिक सत्र केवल कक्षाओं का आरंभ नहीं होता, बल्कि यह बच्चों के जीवन में नए सपनों, नई संभावनाओं और नए संकल्पों का भी प्रारंभ होता है। विद्यालय, शिक्षक और अभिभावक-इन तीनों के समन्वय से ही बच्चे का सर्वांगीण विकास संभव होता है। इसलिए नए सत्र के आरंभ में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आज का युग तीव्र प्रतिस्पर्धा का है। ऐसे समय में बच्चों पर केवल अधिक अंक प्राप्त करने का दबाव बनाने के स्थान पर उनके व्यक्तित्व, संस्कार, व्यवहार और आत्मविश्वास के विकास पर ध्यान देना आवश्यक है। प्रत्येक बालक की अपनी रुचि, क्षमता और सीखने की गति होती है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों की तुलना दूसरों से न करें, बल्कि उनकी विशेषताओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। नए सत्र के साथ बच्चों के लिए एक नियमित दिनचर्या बनाना भी आवश्यक है। समय पर विद्यालय जाना, गृहकार्य पूरा करना, पुस्तक पठन की आदत विकसित करना तथा खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना उनके संतुलित विकास के लिए आवश्यक है। अभिभावकों को बच्चों के साथ प्रतिदिन कुछ समय संवाद में बिताना चाहिए, जिससे वे उनकी समस्याओं, रुचियों और भावनाओं को समझ सकें।

विद्यालय और अभिभावकों के बीच सतत संवाद भी शिक्षा की सफलता का आधार है। अभिभावक-शिक्षक बैठकों में सहभागिता, विद्यालय की गतिविधियों में रुचि तथा बच्चों की प्रगति पर नियमित चर्चा बच्चों के विकास को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है। जब विद्यालय और परिवार एक समान उद्देश्य लेकर कार्य करते हैं, तब शिक्षा अधिक प्रभावी बनती है। वर्तमान समय में मोबाइल और डिजिटल माध्यमों का बढ़ता प्रभाव भी एक चुनौती है। अभिभावकों को बच्चों के स्क्रीन समय पर संतुलित नियंत्रण रखते हुए उन्हें रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना चाहिए। पुस्तकें, खेल, संगीत, योग और सामाजिक गतिविधियाँ बच्चों के व्यक्तित्व को समृद्ध बनाती हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संस्कारित, जिम्मेदार और राष्ट्रनिष्ठ नागरिक का निर्माण करना है। इसलिए अभिभावकों को बच्चों में सत्यनिष्ठा, अनुशासन, सेवा, संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण जैसे मूल्यों का विकास करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। नया सत्र एक सुनहरा अवसर है। आइए, हम सभी अभिभावक यह संकल्प लें कि बच्चों पर अपेक्षाओं का अनावश्यक बोझ न डालकर उन्हें प्रेम, प्रोत्साहन और उचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यही सहयोग उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा और उन्हें जीवन में सफल तथा संस्कारित नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर करेगा।

डॉ. नीलेश पाण्डेय
शिक्षाविद् एवं प्राचार्य
हितकारिणी महिला
महाविद्यालय, जबलपुर

1. **साधारण नमक का रासायनिक नाम क्या है?**
   उत्तर- सोडियम क्लोराइड
2. **मलेरिया रोग का वाहक कौन है?**
   उत्तर- मादा एनोफिलीज मच्छर
3. **स्टेनलेस स्टील किसका मिश्रण है?**
   उत्तर- लोहा, क्रोमियम और निकेल
4. **भविष्य का ईंधन किसे कहा जाता है?**
   उत्तर- हाइड्रोजन
5. **बायोगैस का मुख्य घटक क्या है?**
   उत्तर- मीथेन
6. **दूध की शुद्धता किस यंत्र से मापी जाती है?**
   उत्तर- लैक्टोमीटर
7. **एलपीजी में मुख्य रूप से कौन सी गैस होती है?**
   उत्तर- ब्यूटेन और प्रोपेन
8. **पेंसिल का लेड किसका बना होता है?**
   उत्तर- ग्रेफाइट
9. **पेनिसिलिन की खोज किसने की?**
   उत्तर- अलेक्जेंडर फ्लेमिंग
10. **विटामिन - सी का सर्वोत्तम स्त्रोत क्या है?**
    उत्तर- आँवला

बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के आसान तरीके

हर बच्चा स्वाभाविक तौर पर एक वैज्ञानिक होता है। बच्चों में, अपनी आस पास की दुनिया को समझने का, काफ़ी कौतूहल होता है। छोटे बच्चे हर चीज़ को छूना चाहते हैं, पकड़ना चाहते हैं, फेंकना चाहते हैं और कभी कभी तो हर चीज़ खाना भी चाहते हैं। ऐसी ही चंचल और शरारती तरीक़ों से वो इस दुनिया को समझते हैं। अगर आप ध्यान से सोचें तो प्रकृति को समझने का वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी यही है। बतौर अभिभावक, हम हमेशा यह चाहते हैं कि बच्चों का यह शरारती कौतुहल उन्हें कोई हानि ना पहुँचाये। इसके लिए हम अपने बच्चों को खिलौने देते हैं। खिलौनो से बच्चों का मन लगा रहता है और उनसे वे कई चीजें सीखते भी हैं। लेकिन क्रमशः इन्हीं खिलौनो की वजह से बच्चों का स्वाभाविक कौतूहल धीरे धीरे कम होने लगता है। इसके अलावा भारी-भरकम पाठ्य पुस्तकों से भरी हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को प्रकृति से और दूर ले जाती है। प्रकृति से जुड़ा न होना बच्चों में विज्ञान के प्रति भय होने का एक महत्वपूर्ण कारण है। बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि किसी भी उम्र में जगायी जा सकती है। इस लेख में, हम आपको बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के कुछ आसान तरीके बताएँगे।

क्यूँ और कैसे पूछने के लिए प्रोत्साहित करें

बच्चों में हर चीज़ के प्रति एक स्वाभाविक जिज्ञासा होती है। वे अपने आस पास की चीजों को देखतें हैं, अपने तरीके से उनका अध्ययन करते हैं और उन्हें समझते भी हैं। उनके बड़े होने के क्रम में इस स्वाभाविक कौतूहल को दबाएँ ना। यह सम्भव है कि उनके कई प्रश्नों के उत्तर आपके पास नहीं होंगे। ऐसी परिस्थिति में उनके प्रश्नों को ख़ारिज ना करें, बल्कि उन प्रश्नों के उत्तर ढूँढने में उनकी मदद करें। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि हम विद्युत आवेश को समझना चाहते हैं। इसका एक सरल तरीका यह है कि हम एक कंघी लें और उससे अपने बाल संवारें। अब इस कंघी को कागज के छोटे टुकड़ों के पास ले जाएँ। आप पायेंगे की कागज के टुकड़े कंघी से चिपक जाएँगे। इस सरल प्रयोग से आप अपने बच्चों को घर्षण और विद्युत आवेश की सृष्टि में सम्बंध समझा सकते हैं।

मॉर्निंग वॉक के वार्तालाप में विज्ञान को जोड़ें

कोविड-19 की वजह से हमारा घर से बाहर जाना काफ़ी कम हो गया है। लेकिन आप अपने मॉर्निंग वॉक को भी अपने बच्चों को विज्ञान से जोड़ने का एक ज़रिया बना सकते हैं। हमारे आस-पास, प्रकृति में, कई ऐसी चीजें हैं जिससे हम अपने बच्चों को विज्ञान के कुछ मूलभूत सिद्धांत सिखा सकते हैं। जैसे अगर सुबह आसमान बादलों से घिरा है, तो आप बच्चों को जल से भाप और भाप से बादल बनने की प्रक्रिया समझा सकते हैं। ऐसी छोटी-छोटी वार्तालापों से बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे स्कूली किताबों में पढ़ी हुई चीजों को प्रकृति से जोड़ भी पाएँगे।

विज्ञान के प्रयोग

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि विज्ञान के प्रयोग बच्चों को उत्साहित करने और उन्हें सीखने में शामिल करने का एक शानदार तरीका हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप घर में मौजूद कई आम चीजों का उपयोग करके कुछ अद्भुत विज्ञान प्रयोगों की योजना बना सकते हैं? बेकिंग सोडा, फूड कलरिंग और बर्तन धोने वाले लिक्विड से लेकर खाली टॉयलेट रोल और प्लास्टिक की बोतलों तक, इन सभी साधारण चीज़ों का इस्तेमाल ज्वालामुखी, लावा लैंप, इंद्रधनुष और बहुत कुछ बनाने के लिए किया जा सकता है। विज्ञान के प्रयोग सिर्फ मजेदार ही नहीं होते, बल्कि इनसे कई विषयों पर प्रभावी ज्ञान भी प्राप्त होता है।

हाथी टूथपेस्ट

यह प्रयोग बच्चों को ज़रूर प्रभावित करेगा ! यह एक रोमांचक प्रतिक्रिया है जिससे झागदार विस्फोट होता है जो टूथपेस्ट की एक विशाल धारा जैसा दिखता है। बच्चों को इसका नाटकीय प्रभाव बहुत पसंद आएगा, और यह उन्हें उत्प्रेरक, रासायनिक प्रतिक्रियाओं और ऑक्सीजन की शक्ति के बारे में सिखाने का एक शानदार तरीका है।

जरूरी सामग्री

सबसे महत्वपूर्ण बात, इस प्रयोग को बाहर करें! हाथी टूथपेस्ट प्रभाव उत्पन्न करने के लिए, आपको निम्नलिखित चीज़ों की आवश्यकता होगी:-

1. *हाइड्रोजन पेरोक्साइड (6 प्रतिशत घोल सबसे अच्छा काम करता है)।*
2. *पोटेशियम आयोडाइड का घोल या तरल डिश सोप*
3. *खाद्य रंग (वैकल्पिक)।*
4. *एक प्लास्टिक की बोतल या डिब्बा।*

कैसे शुरू करें

सबसे पहले बोतल में हाइड्रोजन पेरोक्साइड डालें, बोतल को लगभग आधा भरें। अगर आप इसे और आकर्षक बनाना चाहते हैं तो इसमें कुछ बूंदें खाने के रंग की मिला सकते हैं। फिर, धीरे-धीरे पोटेशियम आयोडाइड का घोल या बर्तन धोने का साबुन डालें। जब आप तैयार हों, तो इसे जल्दी से घुमाएँ। प्रतिक्रिया शुरू हो जाएगी और बोतल से झाग बाहर निकलने लगेगा।

यह किस प्रकार करता है काम

एलिफेंट टूथपेस्ट के पीछे का जादू हाइड्रोजन पेरोक्साइड के तीव्र विघटन में निहित है। हाइड्रोजन पेरोक्साइड के अणु पानी और ऑक्सीजन गैस में विघटित हो जाते हैं, जिससे ऊष्मा उत्पन्न होती है। जब पोटेशियम आयोडाइड या डिश सोप मिलाया जाता है, तो यह उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है और अभिक्रिया की गति को बढ़ा देता है। साबुन ऑक्सीजन के बुलबुलों को पकड़ लेता है, जिससे झाग बनता है। यह इस बात का एक रोचक उदाहरण है कि उत्प्रेरक रासायनिक अभिक्रियाओं की गति को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। आप यह भी देखेंगे कि बहुत अधिक मात्रा में झाग बहुत तेजी से उत्पन्न हो रहा है, जो गैस के विस्तार की अवधारणा को प्रदर्शित करने का एक अच्छा तरीका है।

अदृश्य स्याही

यह प्रयोग बच्चों को जासूस या गुप्त एजेंट जैसा महसूस कराता है! रोज़मर्रा की चीज़ों का इस्तेमाल करके बच्चे सीख सकते हैं कि अम्ल और ऊष्मा मिलकर छिपे हुए संदेशों को कैसे उजागर करते हैं। यह एक मज़ेदार गतिविधि है जो रसायन विज्ञान और तापमान के प्रभावों के बारे में भी जानकारी देती है।

जरूरी सामग्री

अदृश्य स्याही के लिए, आपको निम्नलिखित चीज़ों की आवश्यकता होगी:-

1. बेकिंग सोडा या नींबू का रस पानी में मिलाकर
2. एक रुई का फाहा
3. कागज
4. संदेश प्रकट करने के लिए एक दीपक या लोहा

कैसे शुरू करें

सबसे पहले, कॉटन बड को नींबू के रस या बेकिंग सोडा के मिश्रण में डुबोएं। कॉटन बड का उपयोग करके कागज के एक टुकड़े पर संदेश लिखें, ध्यान रहे कि लिखावट हल्की हो ताकि सूखने पर वह बिल्कुल अदृश्य हो जाए। स्याही सूख जाने पर, आप कागज को दीपक या कम तापमान पर रखे इस्त्री से गर्म करके छिपे हुए संदेश को पढ़ सकते हैं - ध्यान रहे कि गर्मी हल्की ही हो। इससे अदृश्य स्याही दिखने लगेगी और शब्द सामने आ जाएंगे।

यह किस प्रकार करता है काम

नींबू के रस में साइट्रिक एसिड होता है, और जब इसे कागज पर लगाया जाता है, तो यह कागज के रेशों के साथ प्रतिक्रिया करता है। कागज को गर्म करने पर, नींबू के रस में मौजूद एसिड उन जगहों पर कागज को तोड़ देता है, जिससे लिखावट भूरी हो जाती है। बेकिंग सोडा के साथ, प्रतिक्रिया थोड़ी अलग होती है लेकिन गर्म करने पर इसका प्रभाव लगभग समान होता है। यह प्रयोग दर्शाता है कि कैसे अम्ल और ऊष्मा पदार्थों में रासायनिक परिवर्तन ला सकते हैं, और यह बच्चों को रासायनिक प्रतिक्रियाओं की उस आकर्षक दुनिया से परिचित कराता है जो तुरंत दिखाई नहीं देती हैं।

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाना भाजपा की प्राथमिकता : अजय सुखदेवे

भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ कार्यकर्ता संवाद बैठक जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न, संगठन विस्तार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर हुआ मंथन

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ की जिला कार्यकर्ता संवाद बैठक बुधवार 3 जून को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला भाजपा कार्यालय बालाघाट में आयोजित की गई। बैठक में संगठन विस्तार,बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अजय कुमार सुखदेवे, भाजपा जिला महामंत्री संजय मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र मोहरे, भाजपा नेता डॉ. वेद प्रकाश लिल्हारे सहित जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और बूथ स्तर पर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का संदेश दिया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री संजय मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर कार्य कर रही है। पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर संगठन विस्तार, जनसंपर्क और सेवा कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही पार्टी लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अजय कुमार सुखदेवे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जनहितैषी एवं कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ गरीब, किसान, महिला, युवा एवं जरूरतमंद वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठन का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। श्री सुखदेवे ने कहा कि भाजपा का वास्तविक आधार उसके बूथ कार्यकर्ता हैं, जो जमीनी स्तर पर जनता के बीच रहकर संगठन और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि संगठन विस्तार, नियमित जनसंपर्क और सेवा कार्यों के माध्यम से भाजपा को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

भाजपा नेता डॉ. वेद प्रकाश लिल्हारे ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास और सुशासन का नया अध्याय लिखा गया है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है, जिससे गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है तथा प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया। बैठक में जिला एवं मंडल स्तर के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कम पेट्रोल के विवाद पर पेट्रोल पंप में बवाल, कर्मचारियों ने ग्राहकों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के आवलाझरी स्थित बजाज पेट्रोल पंप में 2 जून की देर रात पेट्रोल भराने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पेट्रोल पंप कर्मचारी ग्राहकों के साथ हाथापाई करते और उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में इस घटना की चर्चा हो रही है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 10 बजे कुछ ग्राहक पेट्रोल भराने के लिए पंप पहुंचे थे। इस दौरान ग्राहकों ने वाहन में कम पेट्रोल डाले जाने का आरोप लगाया, जिसको लेकर उनकी पंप कर्मचारियों से बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज होने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पंप कर्मचारियों ने ग्राहकों के साथ मारपीट शुरू कर दी। वायरल वीडियो में कर्मचारी दो युवकों पर लात-घूंसे बरसाते दिखाई दे रहे हैं। वहीं पेट्रोल पंप संचालक अशोक बजाज ने बताया कि संबंधित ग्राहक कथित रूप से शराब के नशे में थे और पेट्रोल भरवाने के बाद भुगतान नहीं कर रहे थे। उनका कहना है कि ग्राहकों ने तेल कम डालने का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू किया था। मामला बढ़ने पर तत्काल 112 डायल को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इस घटना ने एक बार फिर पेट्रोल पंपों पर कम पेट्रोल देने की शिकायतों और ग्राहकों के साथ होने वाले विवादों को चर्चा में ला दिया है। फिलहाल वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। अब लोगों की नजर भरवेली पुलिस की कार्रवाई पर टिकी है कि मारपीट के इस मामले में दोषियों के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।

शराब पीने के दौरान हुआ विवाद चाकू से युवक पर किया वार, मौत

बैहर थाना के वार्ड नंबर पांच कंपाउंडर टोला की घटना

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बैहर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर पांच कंपाउंडर टोला में मंगलवार की रात्रि चाकू बाजी की घटना सामने आई है। यहां शराब पीने गए एक युवक की शराब बेच रहे युवक ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया। मृतक की पहचान बैहर निवासी लखन पिता राजाराम धुर्वे 35 वर्ष वार्ड नंबर छह कंपाउंडर टोला के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार, लखन धुर्वे अक्सर शराब पीने वार्ड नंबर पांच कंपाउंडर टोला में जाया करता था। शराब पीने के दौरान मामूली विवाद पर शराब बेच रहे अमरसिंह पिता मानसिंह कनई राजपूत ने लखन के गर्दन और पेट में चाकू से पांच से छह बार हमला कर दिया। इस वारदात में गंभीर रूप से घायल लखन को सिविल अस्पताल बैहर सिविल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद से आरोपित फरार हो गया। उपनिरीक्षक कैलाश पटेल ने बताया कि लखन धुर्वे वार्ड नंबर पांच कंपाउंडर टोला में अमरसिंह पिता मानसिंह कनई राजपूत के घर शराब पीने गया था। दोनों साथ में शराब पी रहे थे तभी किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि युवक पर चाकू से वार कर दिए जाने से उसकी मौत हो गई।

एक माह बाद भी नहीं जागा बिजली विभाग

कटंगी(स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड कनिष्ठ अभियंता कार्यालय तिरोड़ी के अधीन आने वाले ग्राम देवरी के कन्हार टोला वार्ड क्रमांक 15 में एक बिजली का खंभा करीब एक माह से टूटा हुआ पड़ा है। ग्रामीणों ने कई बार बिजली विभाग के कर्मचारी यानी लाइनमैन से इसकी शिकायत करते हुए पोल को बदलने की मांग की, लेकिन अब तक कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। तीन दिन पहले पंचायत सरपंच नवीन चौकसे ने कनिष्ठ यंत्री से लेकर सहायक यंत्री से दूरभाष पर चर्चा कर इसकी शिकायत दर्ज कराई। इसके बावजूद भी सुधार कार्य नहीं हो पाया। सरपंच ने बताया कि बिजली के पोल से गुजरने वाले तार गांव के निवासी गोवर्धन राहंगडाले के घर की टीन की छत से होकर गुजर रहे हैं। जिस कारण अभी हाल ही में छत पर करंट दौड़ गया था, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। उनका कहना है कि बिजली विभाग की इस घोर लापरवाही से किसी भी दिन गांव में गंभीर दुर्घटना हो सकती है। गोवर्धन पटले के परिवार के लिए यह पोल बड़ा खतरा है। सरपंच का आरोप है कि बिजली विभाग के अधिकारी इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे है।

सड़क काटकर अवैध अतिक्रमण मामले में प्रशासन ने लिया एक्शन

कटंगी(स्वतंत्र मत)

तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत टेकाड़ी (म.) में सड़क काटकर कृषि भूमि तैयार करने और अवैध अतिक्रमण करने का मामला सामने आया है। इस घटना ने ग्रामीणों में आक्रोश और प्रशासनिक हलकों में चिंता पैदा कर दी है। सरपंच ओमप्रकाश उइके ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसील कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई और सीमांकन की मांग की। दरअसल, ग्राम टेकाड़ी से होकर भसियागढ़ महादेव खोली की ओर जाने वाली कच्ची सड़क को कुछ किसानों ने अवैध रूप से काटकर अपनी कृषि भूमि में शामिल कर लिया। यह रास्ता न केवल धार्मिक स्थल तक जाता है बल्कि गांव के तमाम किसान इसी मार्ग से अपने खेतों तक पहुंचते हैं। सड़क काटे जाने से ग्रामीणों को भविष्य में मिट्टी के अधिक कटाव की वजह से आवाजाही बाधित होने की संभावना थी और इसी को लेकर

गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। जैसे ही सरपंच ओमप्रकाश उइके को इस अवैध अतिक्रमण की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत तहसील कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क पर अतिक्रमण से ग्रामीणों को भारी असुविधा हो रही है और यह सार्वजनिक मार्ग है, जिस पर किसी भी प्रकार का निजी कब्जा असंवैधानिक है। तहसीलदार राकेश प्रजापति ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राजस्व निरीक्षक और पटवारी की टीम मौके पर भेजी। टीम ने सीमांकन कर जांच की और पाया कि सड़क को अवैध रूप से काटा गया है। सीमांकन रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि किसानों ने सड़क की भूमि को अपने खेतों में मिलाकर अतिक्रमण किया है। ग्रामीणों ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि यह मार्ग वर्षों से गांव की सार्वजनिक सुविधा का हिस्सा रहा है। अतिक्रमण से न केवल धार्मिक स्थल तक पहुंचना कठिन हो गया है बल्कि किसानों की दैनिक आवाजाही भी प्रभावित हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पार्क सफारी के दौरान नियम तोड़ने पर अब होगी दंडात्मक कार्रवाई

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटन संचालन के दौरान प्राप्त गंभीर शिकायतों और नियमों के उल्लंघन के मामलों को लेकर क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप संचालक योहान कटारा, पर्यटन प्रभारी अंकित सोनी, वन परिक्षेत्र अधिकारी ताला राहुल किरार, गाइड एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह सहित जिप्सी एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सफारी के दौरान अनावश्यक शोर-शराबा, वन्यजीवों का ध्यान आकर्षित करने के लिए आवाजें निकालना, सोशल मीडिया के लिए रील और वीडियो बनाने के उद्देश्य से वन्यजीवों को प्रभावित करना, वाहन संचालन नियमों की अनदेखी करना तथा वन्यजीवों के प्राकृतिक मार्ग को अवरुद्ध करने जैसी शिकायतों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कृत्यों से बांधवगढ़ की प्रतिष्ठा,पर्यटन व्यवस्था और वन्यजीव संरक्षण प्रयासों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी गाइड, वाहन चालक और नेचुरलिस्ट पर्यटन नियमों एवं आचार संहिता का अक्षरशः पालन करेंगे। पर्यटकों को वन्यजीवों को पुकारने,शोर मचाने या उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रेरित नहीं किया जाएगा। सफारी के दौरान वन्यजीवों को प्रभावित करने वाली किसी भी प्रकार की रील, वीडियो अथवा सोशल मीडिया सामग्री का निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। पार्क प्रबंधन ने चेतावनी दी कि नियम उल्लंघन की शिकायत या प्रमाण मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध पर्यटन नियमों और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उमरिया के अभिशील जायसवाल बने आईपीएस मिला बंगाल कैडर, जिले का नाम हुआ रोशन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के नौरोजाबाद निवासी अभिशील जायसवाल ने संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा परीक्षा 2024 में शानदार सफलता हासिल कर भारतीय पुलिस सेवा में चयन प्राप्त किया है। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एक जून को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार उन्हें बंगाल कैडर आवंटित किया गया है। विदित हो कि उन्होने पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त की है! इनके पिता राजेंश जयसवाल कोलइण्डिया एसईसीएल जोहिला में सीडीएस आपरेटर के पद पर है तथा माताजी गृहणी हैं। परिवार की इस उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी का माहौल है।जानकारी के अनुसार अभिशील को वर्ष 2022 में पहली बार सिविल सेवा परीक्षा में सफलता मिली थी, तब उनका चयन आईपीएस के रूप में हुआ था। इसके बाद उन्होंने दोबारा परीक्षा देकर वर्ष 2024 में 538 वीं बेहतर रैंक हासिल की,तथा मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी व फाउण्डेशन कोर्स हैदराबाद में सफलता पूर्व प्रशिक्षण लेने के बाद इसमे कुशाग्र बुद्धि के आधार पर उन्हें पश्चिम बंगाल कैडर प्रदान किया गया है वर्तमान में बंगाल में सत्ता परिवर्तन पर ग्रह मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण में अव्वल रहे प्रतिभागियों को ही बंगाल कैडर दिया गया है। अभिशील की सफलता से उमरिया जिले सहित पूरे प्रदेश व कोल इण्डिया का नाम रोशन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है, जो कठिन परिश्रम और लगन से अपने सपनों को साकार करने का संदेश देती है। अभिशील की प्रारम्भिक शिक्षा सेंट जोसेफ स्कूल पाली में हुई उन्होने बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी से किया है। अभिशील अपनी सफलता को स्वयं की मेहनत के पहले अपने गुरूजनों व माता पिता को देते है।शायोप्रस के समाजसेवी विजय कुमार ने कहा कि अभिशील पढाई के साथ समाज सेवा में भी योगदान देते थे उन्होने बताया कि मैं अपनी डयुटी पूरी ईमानदारी से कर उपेक्षित लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास करूंगा और पुलिस की छवि को मानवीय बनाने का प्रयास करूंगा।

रक्सा ग्राम पंचायत को मिलेगी सड़क की सौगात

रक्शा ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण कार्य का आज होगा भूमि-पूजन

मानपुर (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रक्शा में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। ग्राम पंचायत रक्शा द्वारा जारी आमंत्रण के अनुसार झदवा तिराहा से साहू मोहल्ला तक बनने वाली सीसी सड़क के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन आज 4 जून 2026, गुरुवार को दोपहर 2 बजे संपन्न होगा। कार्यक्रम में क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुश्री मीना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुजा पटेल करेंगी, जबकि जनपद पंचायत मानपुर अध्यक्ष श्रीमती ममता सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। भूमि-पूजन कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत रक्शा के अडुइया पाठ के पास किया जाएगा। ग्रामवासियों में इस विकास कार्य को लेकर उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोगों का मानना है कि सीसी सड़क निर्माण से आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और क्षेत्र के नागरिकों को वर्षभर सुगम मार्ग

उपलब्ध हो सकेगा। ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती अंजना सिंह ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भूमि-पूजन कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह सड़क निर्माण कार्य ग्राम के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। ग्राम पंचायत द्वारा जारी आमंत्रण पत्र में सभी नागरिकों से सादर उपस्थिति का आग्रह किया गया है, ताकि विकास कार्य के शुभारंभ के इस अवसर के साक्षी बनकर क्षेत्र के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें। मानपुर विधान सभा क्षेत्र में विकास की रफ्तार पुनह तेज हो चुकी है। विधानसभा क्षेत्र मानपुर के लोकप्रिय विधायक जी के सघन पहल से क्षेत्र में विकास का ग्राफ तेजी से ऊंचाइयों के तरफ बढ़ते दिख रहा है। कुछ दिन पहले मानपुर ब्लाक के परासी ग्राम पंचायत में 12 लाख रुपये से बनने वाले सीसी पक्की सड़क का भूमि पूजन सुश्री विधायक द्वारा किया जा चुका है। आज दिनांक 04 जून 2026 को यहां के रक्सा ग्राम पंचायत में भूमि पूजन का कार्यक्रम रखा गया है। मानपुर नगर में भी कई करोड़ों के निर्माण कार्य हो चुके हैं, वहीं करोड़ों के निर्माण कार्य संचालित हैं जिसके तहत नगर में कई बड़े सीसी एवं डामरीकरण सड़कों के निर्माण कार्य निर्मित हो रहे हैं।

5 जून तक संचालित होगा स्वच्छ गाँव. सुरक्षित जलवायु अभियान

उमरिया (स्वतंत्रमत)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में च्स्वच्छ गाँवदृसुरक्षित जलवायु अभियानज्ञ का संचालन 5 जून 2026 तक किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता विकसित करना तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करना है।कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि अभियान के दौरान जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें श्रमदान, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी जागरूकता कार्यक्रम, वृक्षारोपण, स्वच्छता शपथ, जन-जागरूकता रैलियां तथा स्वच्छता संवाद कार्यक्रम शामिल हैं।उन्होंने कहा कि अभियान के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन,कचरे के स्रोत स्तर पर पृथक्करण, वैज्ञानिक प्रसंस्करण तथा सुरक्षित निस्तारण को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण को बढ़ावा देने, प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण के लिए व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

मोहगांव सिंगारपुर और चाबी में काउंटर लगाकर बेखौफ खिला रहे सट्टा, अवैध कारोबार पर लगाम की उठ रही मांग

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिले की जागरूक जनपद में सुमार जनपद पंचायत मोहगांव में विगत कई वर्षो से सट्टा पट्टी का अवैध कारोबार काउंटर लगाकर संचालित किया जा रहा है। संरक्षण में भाजपा के एक नेता का नाम सामने आया है। खाईबाज अकसर इस नेता को संसाधन भी बैठक आदि के लिए उपलब्ध कराते हैं। यही नही थाना प्रभारी से लेकर छोटे मोटे बाद विवादों को भी उक्त नेता निपटाते हैं। आखिर उनका क्षेत्र से सट्टा का इतना लगाव क्यों है और क्यों वे इस अवैध काम को संरक्षण दे रहे हैं इसकी चर्चा जमकर चल रही है मोहगांव के अलावा सिंगारपुर और चाबी में भी सट्टे का बड़ा कारोबार किया जा रहा है। जिसको लेकर समय समय पर आवाजे उठती रही हैं। यहीं नही शिकायत और ज्ञापन भी थाना प्रभारी को सौंपे गए हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नही हो पाई हैं वहीं स्थानीय लोगों ने कहा कि नवागत पुलिस अधीक्षक से उम्मीद है कि इस अवैध काम को यहां से बंद कराए। जिले में अवैध सट्टा कारोबार अब केवल गली-मोहल्लों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह संगठित नेटवर्क का रूप

ले चुका है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक खुलेआम चल रहे सट्टे के इस काले धंधे ने युवाओं, मजदूरों और गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद सट्टा संचालकों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे कानून को खुली चुनौती देते नजर आ रहे हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतनी सख्ती के दावों के बाद भी जिले में सट्टा कारोबार पर पूरी तरह लगाम क्यों नहीं लग पा रही है। यहां शाम ढलते ही कई स्थानों पर मोबाइल फोन, पर्चियों और ऑनलाइन एप्स के जरिए लाखों रुपए का दांव लगाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह कारोबार अब केवल पुराने तरीकों तक सीमित नहीं है बल्कि डिजिटल माध्यमों के जरिए भी तेजी से फैल रहा है। व्हाट्सएप ग्रुप, ऑनलाइन भुगतान और फर्जी आईडी के माध्यम से सट्टे का नेटवर्क लगातार मजबूत होता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सट्टा माफिया गरीब और बेरोजगार युवाओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं। एक छोटी रकम से शुरू होने वाला यह खेल धीरे-धीरे लोगों को कर्ज और अपराध की दुनिया में धकेल देता है। कई परिवार ऐसे हैं जिनकी जमा पूंजी सट्टे में बर्बाद हो चुकी है। मजदूरी करने वाले लोग दिनभर की कमाई रात में सट्टे में हार जाते हैं जिससे परिवारों में तनाव और विवाद बढ़ रहे हैं। महिलाओं का कहना है कि घर चलाना मुश्किल हो गया है लेकिन सट्टे की लत लोगों को बर्बादी की ओर ले जा रही है। जानकारों का कहना है कि मोहगांव में चल रहा सट्टा कारोबार केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं है। इसके तार दूसरे जिलों और बड़े नेटवर्क से भी जुड़े हो सकते हैं। छोटे एजेंट गांव-गांव में सक्रिय हैं जो लोगों से रकम लेकर बड़े संचालकों तक पहुंचाते हैं। कई बार कार्रवाई में केवल छोटे खिलाड़ी पकड़ में आते हैं जबकि असली मास्टरमाइंड कानून की पकड़ से बाहर रह जाते हैं। यही वजह है कि कार्रवाई के बाद भी कारोबार बंद नहीं होता। सबसे गंभीर बात यह है कि सट्टा कारोबार का असर अब किशोरों और युवाओं पर तेजी से पड़ रहा है। आसान कमाई का लालच देकर युवाओं को इस दलदल में धकेला जा रहा है। मोबाइल पर चल रहे ऑनलाइन सट्टे ने स्थिति को और भयावह बना दिया है। स्कूल-कॉलेज के छात्र तक इस जाल में फंसते जा रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की आदतों में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। कई युवक पढ़ाई छोड़कर रातभर मोबाइल पर सट्टा खेलने में लगे रहते हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे जिले के लिए गंभीर खतरा बताया है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में अपराध और सामाजिक विघटन की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। सट्टे से जुड़े लोग अक्सर चोरी, लूट और अवैध वसूली जैसे अपराधों में भी शामिल हो जाते हैं। आर्थिक नुकसान के साथ-साथ यह समाज की नैतिक व्यवस्था को भी खोखला कर रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई क्षेत्रों में सट्टा कारोबार खुलेआम चल रहा है लेकिन कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित रहती है। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस लगातार निगरानी रखे और बड़े संचालकों तक पहुंचे तभी इस अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लग सकती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सट्टा माफियाओं की संपत्ति की जांच हो और उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

रैली में महिलाओं ने लिया हिस्सा

मण्डला (स्वतंत्रमत)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंडला तथा मध्यप्रदेश एमेच्योर साइक्लिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को पुलिस लाइन मैदान में अस्मिता लीग साइक्लिंग प्रतियोगिता एवं विश्व साइकिल दिवस का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला खिलाड़ियों, साइक्लिंग प्रेमियों, अधिकारियों एवं खेल प्रशिक्षकों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। आयोजन के माध्यम से स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह संपूर्ण आयोजन जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी विकास खराड़कर के मार्गदर्शन तथा अस्मिता लीग प्रभारी डॉ. आकाश खत्री एवं ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के प्रशिक्षकों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बस स्टैंड क्षेत्र से हटाया अतिक्रमण

मण्डला/घुघरी (स्वतंत्रमत)।

तहसील मुख्यालय घुघरी में आमजन की जान-माल की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सचिन जैन ने अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की गई है। बस स्टैंड क्षेत्र एवं डिवाइडर पर अवैध रूप से संचालित दुकानों को हटाने के लिए प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की। इस दौरान बस स्टैंड परिसर एवं डिवाइडरों पर लगी दुकानों को हटाकर उन्हें निर्धारित नए हाट-बाजार स्थल में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन का कहना है कि बस स्टैंड क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था तथा दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती थी। आम नागरिकों और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्यवाही की गई है। एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में किसी भी प्रकार का नया अतिक्रमण न होने पाए। इसके लिए ग्राम पंचायत घुघरी के सचिव एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवश्यक निगरानी एवं कार्यवाही के निर्देश जारी किए गए हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि बस स्टैंड क्षेत्र में लंबे समय से अतिक्रमण की समस्या बनी हुई थी जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी। प्रशासन की कार्रवाई से अब यातायात व्यवस्था बेहतर होने और दुर्घटनाओं की संभावना कम होने की उम्मीद है।

माय भारत साइकिल रैली हुई आयोजित

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

विश्व साइकिल दिवस के विशेष अवसर पर माय भारत संगठन द्वारा जिले में एक विशाल साइकिल रैली का गरिमामय आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नेशन फर्स्ट की भावना जागृत करना पर्यावरण का संरक्षण करना तथा शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना था। रैली का शुभारंभ स्थानीय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती महाविद्यालय से हुआ। हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई यह रैली शहर के प्रमुख चिलमन चौक मार्ग से होते हुए देशभक्ति और पर्यावरण चेतना के नारों के साथ आगे बढ़ी। मार्ग में नागरिकों को स्वास्थ्य और साइकिलिंग के लाभ बताते हुए

रैली पुनः महाविद्यालय परिसर में आकर सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिला युवा अधिकारी भुवन सिंह सोलंकी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि साइकिल न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर रखती है, बल्कि पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने में भी सबसे बड़ा योगदान देती है।

उन्होंने युवाओं का माय भारत मोबाइल ऐप से नेशन फर्स्ट कार्यक्रम में जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मेरा युवा भारत को आरडी कॉलेज के प्राचार्य अनिल गुप्ता का सहयोग तथा लेफ्टिनेंट राजेश धुर्वे का समर्थन प्राप्त हुआ।

समान कार्य समान वेतन को लेकर हड़ताल

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले के संविदा स्वास्थ्य कर्मी अपनी लंबित मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। जिससे जिले में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो गई है फील्ड से लेकर अस्पताल और कार्यालय तक कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो गए है। बुधवार को पूर्व विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने आकर कर्मियों को अपना समर्थन दिया। जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि शासन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कि मिशन के अधिकारियो द्वारा लगातार हड़ताल खत्म करने दबाव बनाया जा रहा है लेकिन कर्मचारी झुकेंगे नहीं। मंगलवार से शुरू हुई बेमियादी हड़ताल में जिले भर से कर्मचारी दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में धरना स्थल पर मौजूद रहे। बताया कि गया कि संविदा कर्मियों की मुख्य मांग मुख्यमंत्री द्वारा 30 जनवरी को दशहरा मैदान भोपाल में की गई घोषणा पूरी करते हुए नियमितीकरण करने, 2023 की नीति के तहत एनपीएस, स्वास्थ्य बीमा, 10 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि, नियमित की तरह मंहगाई भत्ता, सीएचओ के वेतन में पीबीआई का समायोजन, वेतन विसंगति दूर करने, नियमित कर्मचारियों की तरह अवकाश की पात्रता, समान कार्य समान वेतन व अन्य सुविधा लागू करने के साथ सार्थक एप बंद करना शामिल है।

माहिष्मति घाट में सात दिवसीय रामधुन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। माहिष्मति घाट में बुधवार से सात दिवसीय रामधुन का आयोजन आरंभ किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांसकार ने बताया कि रामधुन के प्रथम दिवस राम दरबार बाबा भोलेनाथ व बांके बिहारी लाल की विधिविधान से पूजनअर्चन किया गया। यहां पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, स्वामी रामदास जी महाराज, सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश कछवाहा, पर्यावरण प्रेमी राजेश क्षत्री, सामाजिक कार्यकर्ता विजय अग्रवाल, ने विधिविधान से पूजनअर्चन करते हुए रामधुन आरंभ कराया। इस दौरान माहिष्मति घाट के सेवादार एवं पंडित मुख्य रूप से उपस्थित

रहे। सात दिवसीय रामधुन फट्टी वाले बाबा के शिष्य अंजनिया वाले गुरू जी के मार्गदर्शन में की जा रही है। संगीतमय इस रामधुन में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी पहुंच रहे हैं जिसका समापन 10 जून दिन बुधवार मंगल भवन अमंगल हारी। द्रवउ सो दशरथ अजिर बिहारी पुरुषोत्तम मास में मंगल भवन श्रीराम धुन माहिष्मती घाट मंडला मां नर्मदा के पावन तट पर करेंगे। कलियुग केवल नाम अधारा सुमिरि सुमिरि नर उतरहिं पारा पुरुषोत्तम मास में मास में 1 नाम 1 करोड़ नाम का फल है मंगल भवन अमंगल हारी। द्रवउ सो दशरथ अजिर बिहारी पुरुषोत्तम मास में मंगल भवन श्री राम धुन माहिष्मती घाट मंडला मां नर्मदा के पावन तट पर करेंगे धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई है।

एक्सपोजर विजिट स्टडी टूर

मण्डला (स्वतंत्र मत)। रामनगर महल में बालिकाओं के लिए ऐतिहासिक स्थल एक्सपोजर विजिट स्टडी टूर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने बालिकाओं को रामनगर महल के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि रामनगर का इतिहास 17वीं शताब्दी के गोंड साम्राज्य से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पीएलवी श्रीमती शिखा श्रीवास्तव, बहुउद्देशीय कार्यकर्ता आरती वरकड़े एवं हरिशंकर कछवाहा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन तथा प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा मंडला वृत्त अंतर्गत अवैध शराब के निर्माण भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध विशेष दबिश अभियान चलाया गया। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत के आधार पर आबकारी दल ने मंडला शहर से लगे ग्राम जंतीपुर कुदई टोला में कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों की उपस्थिति में अवैध मदिरा विक्रेताओं के ठिकानों की तलाशी ली। इस दौरान तीन अलग-अलग स्थलों की विधिवत तलाशी में कुल 22 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जब्त की गई तथा संबंधित आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए गए। इसी क्रम में मंडला शहर के झूला पुल, सकवाह पुरवा क्षेत्र में की गई दबिश कार्रवाई के दौरान एक महिला के घर से 12 नग विदेशी मदिरा एवं 8 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई।

जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

इच्छुक सभी पात्र उम्मीदवार 30 जून 2026 तक कर सकते हैं ऑनलाइन पंजीयन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नरसिंहपुर ने बताया कि जिले की समस्त शासकीय आईटीआई नरसिंहपुर, गाडरवारा, गोटेगांव, तेंदूखेड़ा, बाबई चीचली में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। आईटीआई में प्रवेश के इच्छुक सभी पात्र उम्मीदवारों को निर्धारित समयावधि में पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी डी.एस.सी. ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर 30 जून 2026 तक पंजीयन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कर च्वाइस फिलिंग करने वाले उम्मीदवारों को ही सीट आवंटन प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाएगा। पोर्टल पर 30 जून 2026 तक पंजीयन के साथ-साथ आवश्यक त्रुटि सुधार तथा च्वाइस फिलिंग भी अनिवार्य रूप से करना सुनिश्चित करें। इसके लिए उम्मीदवार को निर्धारित पोर्टल शुल्क का भुगतान किया जाएगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपनी नजदीकी शासकीय आईटीआई और केन्द्रीय जेल के सामने न्यू बस स्टेंड के पास नरसिहपुर स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में सम्पर्क किया जा सकता है।

शिलादित्य जयंती पर निकली शोभायात्रा

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मां चंडिका बैस क्षत्रिय फाउंडेशन के तत्वाधान में सूर्यवंश की बैस शाखा के गौरव कन्नौज के अधिपति एवं महाराजाधिराज राजपुत्र शिलादित्य हर्षवर्धन बैस की 1436वीं जन्म जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश के भोपाल तथा शहडोल जिले के बुढ़वा क्षेत्र में शोभायात्रा एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में बैस राजपूत समाज के वरिष्ठजन, बुद्धिजीवी एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर समाज की एकता संगठन एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। शोभायात्रा के दौरान समाज के उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर

चर्चा की गई जिनमें शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार सामाजिक समरसता एवं युवा सशक्तिकरण प्रमुख रहे भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में गोमतीशरण सिंह, रामायण सिंह, आरके सिंह, केके सिंह, नागेंद्र सिंह, राहुल सिंह, शिवप्रसाद सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाज के युवा उपस्थित रहे। वक्ताओं ने समाज को संगठित करने तथा नई पीढ़ी को शिक्षा एवं संस्कारों से जोड़ने पर विशेष बल दिया वहीं शहडोल जिले के बुढ़वा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व समाज के वरिष्ठ अधिवक्ता केपी सिंह ने किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र सिंह, कमलनारायण सिंह, कमलजीत सिंह, डॉ. राजेश सिंह, सुरेंद्र सिंह, रजनीश सिंह, विवेक सिंह सहित बड़ी संख्या में राजपूत युवाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

छात्र नामांकन दर्ज करने निर्देश

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी बरकड़े ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जिले के सभी संकुल प्राचार्यों एवं शासकीय-अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुखों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों का नामांकन शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशानुसार सभी विद्यालयों को विद्यार्थियों के नामांकन की प्रविष्टि एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर अनिवार्य रूप से 5 जून तक दर्ज करनी होगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि निर्धारित समय-सीमा में नामांकन संबंधी कार्य पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें।

नारायणगंज में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नारायणगंज द्वारा आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में निवास विधानसभा क्षेत्र के विधायक चैनसिंह वरकड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

सम्मेलन में विधायक चैनसिंह वरकड़े ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के अथक

परिश्रम और एकजुटता से ही पार्टी को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी राजेश तिवारी एवं जगदीश सैनी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों एवं जनहितकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का आग्रह किया। सम्मेलन की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी ने की। इस अवसर पर महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती प्यारी बाई, निवास विधानसभा अध्यक्ष रीतेश ट्विंकल सोनी, वरिष्ठ कार्यकर्ता मांगन सोनी, रघुनंदन विश्वकर्मा, संदीप सोनी, बल्लू साहू, श्रीमती रीना परते, रतन वरकड़े, गुलाब परस्ते सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता

जिले में अब तक 97151 खसरों का क्षेत्रफल 88614.607 हेक्टेयर पर गिरदावरी का कार्य हुआ पूर्ण

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में गिरदावरी का कार्य तेजी के साथ राजस्व विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक 97151 खसरों का क्षेत्रफल 88614.607 हेक?टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण हो चुका है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के द्वारा गिरदावरी कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। साथ ही सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों व तहसीलदारों को भी गिरदावरी कार्य की दैनिक रूप से समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व विभाग के पटवारी और राजस्व निरीक्षक लगातार खेतों में पहुंचकर सर्वे का कार्य कर रहे हैं।

कार्यालय नगर परिषद् निवास, जिला मण्डला (म.प्र.)

प.क्रमांक 182/ई-टेण्डर/2026-27 निवास, दिनांक 27/05/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण बेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा का आमंत्रण क्रमांक	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	प्रथम आमंत्रण	2026_UAD_510964_1 28/05/2026	वार्ड क्रमांक 15 में आंगनवाड़ी निर्माण कार्य	06 माह 957337.00	2000.00 9580.00	15.06.2026
2	द्वितीय आमंत्रण	2026_UAD_501934_2 28/05/2026	वार्ड क्रमांक 01 से 13 तक पेयजल पाइप लाईन सुधार एवं बदलने का कार्य	06 माह 1777090.00	2000.00 13330.00	15.06.2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक के समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास, जिला मंडला

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रूपल माखीजा पति कमल कुमार माखीजा आयु 41 वर्ष निवासी लाला लाजपत राय कॉलोनी दुर्गा चौक अशोका गार्डन भोपाल मध्यप्रदेश की स्थायी निवासी हूँ यह कि विवाह के पूर्व मेरा नाम SEEMA SACHDEV सीमा सचदेव था यह है कि मेरे द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय मंडला से पॉलिसी नंबर 355973848 SEEMA SACHDEV के नाम से ली गई थी जबकि विवाह उपरांत मेरा नाम पूर्व से बदलकर ROOPAL MAKHIJA रूपल माखीजा हो गया है। मेरे सभी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड पेनकार्ड, पासबुक आदि में यही नाम वर्णित है। उपरोक्त यह दोनो नाम SEEMA SACHDEV सीमा सचदेव एवं ROOPAL MAKHIJA रूपल माखीजा मेरे ही हैं जो सही हैं मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाता है। वहीं शपथ पत्र के माध्यम से भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय मंडला से पॉलिसी नंबर 355973848 में मेरा नाम SEEMA SACHDEV सीमा सचदेव से बदलकर ROOPAL MAKHIJA रूपल माखीजा किया जाए इस बात की मैं शपथ पत्र प्रस्तुत करती हूं।

शपथकर्ता :- रूपल माखीजा
पति कमल कुमार माखीजा
निवासी लाला लाजपत राय कॉलोनी
दुर्गा चौक अशोका गार्डन भोपाल

संपादकीय

नियंत्रण की 'लाल लकीर'

लोकसभा सांसद एवं तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने ऐसा हमला किया कि लोकतंत्र पर सवाल उठने लगे। अभिषेक पर अंडे फेंके गए, पत्थर मारे गए, लात-थप्पड़ तक चले, उनकी कमीज फाड़ दी गई, उन्हें 'चोर-चोर' कहा गया, उनका चश्मा भी तोड़ दिया गया। सांसद को हेलमेट पहनाकर, किसी तरह, वहां से निकाला गया। वह अब भी अस्पताल में भर्ती बताए जाते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की 15 लंबे सालों की सत्ता के बाद करारी पराजय हुई है। मुख्यमंत्री रहीं एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी तक हार गईं। अभिषेक ममता के ही सगे भतीजे हैं। बंगाल की जनता ने जनादेश के जरिए अपना गुस्सा, असंतोष, तृणमूल सरकार के प्रति नाराजगी और अस्वीकृति जता दी है। लोकतंत्र का बुनियादी अध्याय यहीं समाप्त हो जाना चाहिए। अभिषेक पर भ्रष्टाचार, कटमनी, अवैध संपत्तियों, कोयला घोटाला, शिक्षा भर्ती घोटाला और धनशोधन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियां और अदालत अपना काम कर रही हैं। अभिषेक दक्षिण 24, परगना के सोनारपुर इलाके में चुनावी हिंसा के शिकार पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने तथा सहानुभूति जताने जा रहे थे। संभव है कि उस इलाके में सड़कों, बिजली, पानी, नालियों का रखरखाव और उनकी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, लिहाजा लोगों का उत्तेजित होना, हारे हुए नेता के खिलाफ नारेबाजी करना, सीमित विरोध-प्रदर्शन करना स्वाभाविक है, लेकिन वह सब कुछ कानून-व्यवस्था के दायरे में किया जाना चाहिए। संयम और नियंत्रण की 'लाल लकीर' पार नहीं की जानी चाहिए। भीड़ कानून नहीं बना सकती। भीड़ सजा नहीं सुना सकती और न ही सजा दे सकती है। भीड़ का ऐसा व्यवहार पूरी तरह कानूनहीनता है। चुनाव तो देश की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी, कई मुख्यमंत्री और मंत्री तक हारे हैं। भीड़ शारीरिक हिंसा पर आमादा नहीं हो सकती। भारत में भीड़ अक्सर निरंकुश और हिंसक रही है। यह देश के कई हिस्सों में दंगों के दौरान देखा गया है। भीड़ पथराव करती है, लाठियां-तलवारें चमकाती है और पेट्रोल बम तक भी फेंकती है। क्या फिर भी हम 'महान लोकतंत्र' हैं? क्या इन आपराधिक हरकतों को 'लोकतंत्र' माना जा सकता है? तीन बार के निर्वाचित सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ भीड़ ने जो किया है, वह निश्चित तौर पर अराजकता, सड़किया गुंडई, बेलगाम हिंसा, उन्माद, उच्छृंखलता के अलावा कुछ भी नहीं है। भीड़ का एक चेहरा देश के रक्षा-कृषि मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद शरद पवार को थप्पड़ रसीद कर देता है, केंद्रीय वित्त-गृह मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम पर जूता उछाला जाता है, दिल्ली के 10 साल मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल के चेहरे पर कई बार कालिख पोती गई। बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पथराव किया गया। पिछले चुनाव में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के तत्कालीन प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय पर भी हमले किए गए। यह कैसा लोकतंत्र है? ये हरकतें क्या दर्शाती हैं? जिस भीड़ ने अभिषेक पर हमला किया, उसमें से 'जय सिया राम' की आवाजें भी बुलंद थीं। धर्म चाहिए अथवा बुनियादी ढांचा दुरुस्त होना चाहिए? अच्छा है कि नई सरकार आने के बाद कथित घुसपैठिए बांग्लादेश बॉर्डर तक भाग रहे हैं, लेकिन यह इतना आसान काम नहीं है, जितना दिखाया जा रहा है। सवाल यह है कि सांसद की सुरक्षा का दायित्व अब किसका है? राज्य सरकार ने अभिषेक की जेड सुरक्षा छीन ली। यह सरकार का अपना मूल्यांकन होगा, लेकिन सांसद के साथ जब मारी-पीटी की जा रही थी, तब एक भी पुलिसिया चेहरा दिखाई नहीं दिया। यदि सांसद के साथ कोई अनहोनी हो जाती, तो शर्मसार कौन होता?

मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक-नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां

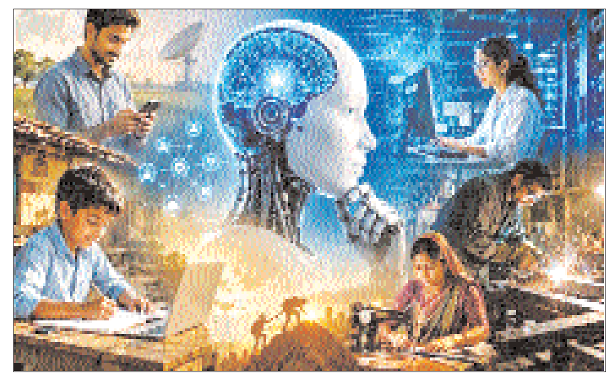

समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

भारत-अमेरिकी व्यापार

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत-अमेरिका के बीच नये व्यापार समझौते पर नई दिल्ली में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ सोमवार से अन्तिम बातचीत शुरू हो गई है अतः इस मोर्चे पर भारत को अपने राष्ट्रीय आर्थिक हित इस प्रकार सुरक्षित और संरक्षित रखने होंगे जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए द्विपक्षीय स्तर पर आर्थिक सम्बन्धों की वह दिशा प्रशस्त हो सके जिसमें भारत की अर्थव्यवस्था और इसके संप्रभु अधिकारों पर किसी प्रकार से भी अंगुली न उठ सके। इस सन्दर्भ में पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच जो अन्तरिम समझौता हुआ था उसे लेकर भारत के विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस पार्टी में भारी रोष था और उसने इस समझौते की तीखी आलोचना यह कहते हुए की थी कि इससे भारत के कृषि क्षेत्र व मध्यम श्रेणी के निर्यात समर्पित उद्योगों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। विगत वर्ष अगस्त में हुए अन्तरिम समझौते में अमेरिका ने भारतीय आयात दुतरफा शुल्क प्रणाली के तहत 50 प्रतिशत शुल्क दरें लगाने की घोषणा कर दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह व्यवस्था अपने देश के उद्योग व वाणिज्यिक हितों को सुरक्षित रखने की गरज से की थी जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था के मानकों पर प्रतिकूल असर पड़ा था परन्तु ट्रम्प प्रशासन की इस शुल्क नीति को जब अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई तो उसने इसे अवैध करार दे दिया और निर्णय दिया की अमेरिकी सरकार विदेशों से आयातित सामान पर 10 प्रतिशत शुल्क ही लगा सकती है। ट्रम्प ने जो दुतरफा शुल्क प्रणाली लागू की थी वह अपने देश के अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक इमरजेंसी कानून के तहत लागू की थी। इस व्यापार समझौते में भारत पर यह प्रतिबन्ध भी लगाया गया था कि वह रूस से कच्चा पैट्रोलियम तेल नहीं खरीदेगा। वाणिज्य समझौते के इस प्रवधान को भारतीय संप्रभुता के विरुद्ध बताया गया परन्तु विगत फरवरी महीने में जब अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प प्रशासन द्वारा विदेशों से किये गये व्यापार समझौतों को रद्द कर दिया तो अमेरिका की तरफ से कहा गया कि वह भारतीय आयातित माल पर 18 प्रतिशत की दर से शुल्क लगायेगा मगर शर्त यह होगी कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना धीरे-धीरे बन्द कर दे। इसके साथ ही अमेरिका से भारत को आगामी पांच वर्षों के दौरान 500 अरब डॉलर के मूल्य की वस्तुओं का आयात करना पड़ेगा जिनमें ऊर्जा सम्बन्धी उत्पाद भी शामिल होंगे। जाहिर है कि ऐसे उपबन्धों से भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ना लजिम था। मगर इसी बीच एक घटनाक्रम यह हुआ कि अमेरिका ने पश्चिम एशिया में ईरान के विरुद्ध युद्ध शुरू कर दिया जिससे विश्व के बहुत से देशों में ऊर्जा संकट की स्थिति बनती चली गई और भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। मगर विगत वर्ष की अमेरिकी व्यापारिक घोषणाओं की वजह से भारत में विदेशी पूंजी निवेश के पलायन में वृद्धि दर्ज होने लगी और इसकी मुद्रा रुपये के मूल्य में डॉलर के मुकाबले गिरावट दर्द होने लगी परिणामतः रुपये की कीमत में विगत वर्ष के दौरान 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई और अब इसकी विनिमय दर 95 रुपए प्रति डालर के आसपास है परन्तु देश की मोदी सरकार ने इस स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अमेरिका के साथ नये व्यापार समझौते की तरफ बढ़ना इस प्रकार शुरू किया कि भारतीय आर्थिक हितों का संरक्षण हर हालत में हो सके। यही वजह है कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना बदस्तूर जारी रखा, हालांकि इसके लिए कहा जा रहा है कि ईरान युद्ध की वजह से अमेरिका ने भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की फौरी छूट दे दी थी परन्तु अब भारत की वाणिज्य नीति यह है कि वह अपने आर्थिक हितों को देखते हुए रूस से कच्चे तेल का आयात मन मुताबिक करेगा। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायलय ने आगामी 24 जुलाई तक के लिए नई 10 प्रतिशत शुल्क प्रणाली लागू करने के आदेश दिये थे जिसकी मियाद जल्दी ही खत्म होने जा रही है अतः अमेरिका व भारत चाहते हैं कि नया समझौता जल्दी ही हो जाना चाहिए जिसकी वजह से अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल भारत यात्रा पर है। इससे पूर्व भारत का प्रतिनिधिमंडल अमेरिका की यात्रा पर होकर आ चुका है लेकिन दूसरी ओर ट्रम्प सरकार अपने देश के व्यापार कानून की धारा 301 के तहत विदेशों से व्यापार समझौते करना चाहती है जिसे अमेरिकी कांग्रेस की पूरी सहमति प्राप्त है। विशेषज्ञों के अनुसार यह धारा और भी ज्यादा सख्त हो सकती है क्योंकि इसके तहत अमेरिकी सरकार अपने राष्ट्रीय आर्थिक व वाणिज्यिक हितों के संरक्षण के लिए दुतरफा शुल्क प्रणाली से भी ज्यादा कठोर कदम उठा सकती है। इसके अन्तर्गत ट्रम्प प्रशासन को यह अधिकार है कि वह अमेरिका को अपना माल निर्यात करने वाले उन देशों की जांच करे जो अमेरिकी बाजार में अपना माल बहुतायत में फैंक देते हैं। उसने 301 के तहत ऐसे 16 देशों के विरुद्ध जांच चला रखी है, जिनमें चीन, यूरोपीय संघ, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया, कम्बोडिया, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, वीयतनाम, ताईवान और बांग्लादेश के साथ भारत भी शामिल है। इसके साथ ही वह 60 देशों के खिलाफ यह भी जांच करा रहा कि कहीं इनमें दबाव डाल कर या जबर्दस्ती लोगों से काम तो नहीं कराया जाता है।

अतः ऐसी परिस्थितियों में भारत की सोच यह है कि भारतीय आयात पर अन्य एशियाई देशों के आयात के मुकाबले कम शुल्क दरें होनी चाहिए जिससे अमेरिका को निर्यात करना भारतीय उद्यमियों के लिए प्रतियोगी बना रहे क्योंकि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार सन्तुलन लाभ में चलता है और यह भारतीय निर्यात का दुनिया में सबसे बड़ा बाजार है। अतः भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौता इस तरह करना होगा कि इसकी संप्रभुता पूरी तरह अक्षुण्य रहे और साथ ही अमेरिका इसके कृषि क्षेत्र में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न कर सके क्योंकि ट्रम्प अमेरिका को पुनः महान बनाने के चक्कर में व्यापार को एक अस्त्र के रूप में प्रयोग करने की नीति के पक्षधर हैं।

बदलती तस्वीरः सफल हो रहे हैं डिजिटल साक्षरता अभियान, अब रचनात्मक उपयोग का आह्वान

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की ताजा रिपोर्ट देश में आ रहे सामाजिक परिवर्तन की एक अहम तस्वीर पेश करती है। रिपोर्ट कहती है कि 2019-21 के दौरान जहां केवल 33.3 फीसदी महिलाओं ने जीवन में कम से कम एक बार इंटरनेट का उपयोग किया था, वहीं 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग दोगुना, यानी 64.3 फीसदी हो गया। इसी अवधि में 10 या उससे अधिक वर्ष की स्कूली शिक्षा प्राप्त करने वाली महिलाओं का अनुपात भी 41 से बढ़कर 46.4 फीसदी हो गया है।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि देश में महिलाओं की शैक्षिक और डिजिटल, दोनों पहुंच में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। दरअसल, पिछले एक दशक में देश तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा है। सस्ते स्मार्टफोन, कम कीमत वाले डाटा पैक, डिजिटल भुगतान प्रणाली, ऑनलाइन शिक्षा, ई-गवर्नेंस सेवाओं और सोशल मीडिया के विस्तार ने इंटरनेट को आम लोगों की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। इसका सर्वाधिक सकारात्मक पहलू यह है कि तकनीक और सूचना तक पहुंच में पुरुषों व महिलाओं के बीच लंबे समय तक जो खाई बनी हुई थी, वह अब धीरे-धीरे कम होती दिख रही है।

हालांकि, रिपोर्ट का एक दूसरा पहलू भी है, जो इन उपलब्धियों के बावजूद व्यापक असमानताओं को भी सामने लाता है। शहरों में छह वर्ष या उससे अधिक उम्र की बालिकाओं की स्कूल में उपस्थिति दर 84.3 फीसदी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 69.2 फीसदी ही है। इसी तरह, डिजिटल पहुंच के संदर्भ में शहरों में जहां 77.3 फीसदी महिलाओं ने इंटरनेट का उपयोग करने की बात कही, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा घटकर 58.6 फीसदी रह गया। इससे जुड़ा एक पक्ष यह भी है कि इंटरनेट का कम से कम एक बार उपयोग करना और उसका प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करना दो अलग बातें हैं।

देश में अब भी बड़ी संख्या में महिलाएं इंटरनेट का सीमित उपयोग सिर्फ मनोरंजन तक ही कर पाती हैं और उन्हें डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा तथा ऑनलाइन अवसरों के बारे में अधिक जानकारियां नहीं हैं। हालांकि, इसमें संदेह नहीं कि सर्वे के निष्कर्ष सरकार द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की कामयाबी की ही पुष्टि करते हैं, लेकिन अब जरूरत इन प्रयासों को अधिक व्यापक और लक्ष्य-उन्मुख बनाने की है।

केवल इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि महिलाओं को उसका सुरक्षित, रचनात्मक और उत्पादक उपयोग करने में सक्षम बनाना भी उतना ही जरूरी है। खासकर, ग्रामीण क्षेत्रों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और वंचित समुदायों की महिलाओं तक डिजिटल सुविधाओं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। जब महिलाएं सूचना, शिक्षा और आर्थिक अवसरों से और गहनता से जुड़ेंगी, तो इसका फायदा केवल उन्हें नहीं, बल्कि पूरे परिवार व समाज को भी मिलेगा।

पश्चिम एशिया संकट : गल्फ में खेल का असली उस्ताद कौन, क्या फंस गया है 'महाबली'

रहीस सिंह

जो लोग इतिहास से नहीं सीखते, वे उसे दोहराने के लिए अभिशप्त होते हैं। लेकिन उन लोगों के बारे में क्या कहा जाए, जिन्होंने इतिहास से सबक तो सीखे हैं, फिर भी जाकर वही गलतियां दोहराई हैं।' जॉर्ज सांतायाना का यह आकलन लोकप्रिय चेतना का हिस्सा हो सकता है, पर यदि न हुआ तो? तो, दुनिया की हर बड़ी घटना एक प्रहसन से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

यही बात इस समय अमेरिका और ईरान को लेकर कही जा सकती है, जहां अमेरिका अपने युद्ध और उससे जुड़ी नीतियों के इतिहास को जानता, समझता और लिखता आया है। लेकिन यदि ट्रंप के नेतृत्व में वही अमेरिका इतिहास की गलतियों को दोहरा रहा हो, तो बात अजीब अवश्य लगेगी। अजीब इसलिए, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच जो खेल चल रहा है, वह कभी-कभी दो कार्टून पात्रों टॉम एंड जेरी के झगड़े की तरह लगने लगता है। मजे की बात है कि दुनिया इस खेल को टकटकी लगाकर देख और झेल रही है। इससे भी बड़ा मजाक यह कि पाकिस्तान जैसे असफल और हाशिये पर पड़े देश में टॉम मध्यस्थता करने का हुनर देख लेता है। फिर, परिणाम कैसे होंगे? एक तरफ यह बताया जा रहा है कि अमेरिका और ईरान समझौते की पटरी पर आ चुके हैं। ऐसा प्रस्ताव तैयार हो चुका है, जिसमें 60 दिन का युद्धविराम, ईरान को 300 अरब डॉलर की आर्थिक मदद, ईरान में अमेरिकी कंपनियों को निवेश की अनुमति और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक आदि-आदि शामिल हैं। पर, ईरान के विदेश मंत्रालय की तरफ से तो कहा जा रहा है कि परमाणु कार्यक्रम पर कोई बातचीत ही नहीं हो रही।

ट्रंप होर्मुज स्ट्रेट में किसी तरह का टोल न लगने की घोषणा करते हैं, तो दूसरी तरफ ईरान की संसद इस पर अपना दावा मजबूत करने के लिए नया कानून लाने की तैयारी में है, ताकि टोल संबंधी फैसला सिर्फ ईरान और ओमान ले सकें। इसी बीच, यह खबर आ जाती है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि उनके अनुसार ईरान की सत्ता पर अब पूरी तरह इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडरों का कब्जा हो चुका है और दूसरी तरफ यह खबर कि अमेरिका ने ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स गोरुक और केश्म द्वीप पर हमला कर दिया है। हालांकि, आईआरजीसी ने भी जवाबी हमले में एयरबेस को निशाना बनाने का दावा किया है। अब आईआरजीसी अमेरिका को भरोसे लायक नहीं मानता और अमेरिका की नजर में 'ईरानी रेजीम' सबसे खराब। फिर डील किससे और कैसे?

फर्ज कीजिए कि युद्ध पूर्व की स्थिति बहाल हो जाए, समुद्री मार्ग

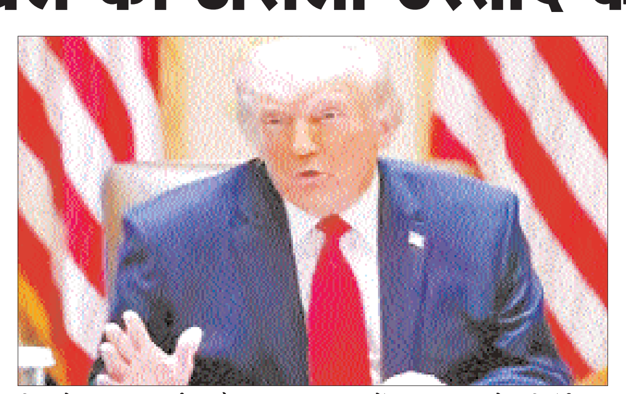

फिर से खुल जाए, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत सार्थक हो जाए, ऐसा शासन, जिसे सामरिक रूप से मजबूती मिली है, लेकिन सामरिक स्तर पर नुकसान भी हुआ है, फिर से वार्ता की मेज पर लौट आए, तो ? तो, दुनिया गहरी सांस लेगी और लोगों को आने वाले विकराल संकट से शायद जल्दी मुक्ति मिल जाएगी। पर, ये उम्मीदें तब बहुत दूर दिखने लगती हैं, जब आप 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' जैसी यूटोपियाई ग्रंथि के चलते इतिहास से मुंह मोड़ लेते हैं। इस भूल में आप न अपने प्रतिद्वंद्वी का आकलन कर पाते हैं और न उसके चरित्र व ताकत को पहचान पाते हैं। ट्रंप के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है।

वैसे केवल ट्रंप को दोष देना शायद उचित न हो। यह रणनीतिक विफलता तो अमेरिका के हिस्से में आती रही है। दुश्मन की रक्षात्मक क्षमताओं और उसके प्रतिरोध के संकल्प को बहुत कम करके आंकना, जबकि अपनी आक्रामक शक्ति और युद्ध जारी रखने की क्षमता को ज्यादा मानना उसकी आदत में रहा है। तो, अब उसके पास विकल्प क्या हैं? सिर्फ नाकेबंदी और घेरेबंदी तक सीमित रहे अथवा फिर से युद्ध। संभव है कि दूसरे से अधिक निर्णायक परिणाम मिलें, लेकिन किस कीमत पर? यदि लक्ष्य समुद्री मार्गों को खोलना, ईरान को उसकी परमाणु क्षमताओं से वंचित करना और उसकी अवसंरचना को इतना नुकसान पहुंचाना होता कि वह भविष्य में खतरा न बने, तो लड़ाई का स्तर तथा तैयारी कुछ और होती। तब इसका स्वरूप सर्जिकल ऑपरेशन का नहीं होता, बल्कि 'ऑल आउट वार' का होता, वह भी ऐसे देश के खिलाफ, जिसकी आबादी इराक और अफगानिस्तान की संयुक्त आबादी से अधिक है और जिसका सैन्य तथा राजनीतिक नेतृत्व अंतिम व्यक्ति तक लड़ने के लिए तैयार है। लेकिन, अमेरिका ऐसा कर नहीं पाया। तो क्या अब कर पाएगा? शायद हां, पर ऐसी कीमत चुकाने के लिए अधिकांश अमेरिकी तैयार नहीं होंगे।

दरअसल, पिछले तीन दशक से अमेरिका अति-आत्मविश्वास और अत्यधिक सतर्कता के पेंडुलम-सी गति करता रहा है, जबकि अमेरिकी नेतृत्व दंभ और भय के बीच झूलता रहा है। इसकी शुरुआत 1991 से हुई, जब उसने कुवैत से इराकी सेना को बाहर निकालने में सफलता पाई। इसके बाद चाहे बिल क्लिंटन हों या जॉर्ज बुश जूनियर, बराक ओबामा हों या बाइडन, सभी के दंभ अफ्रीका से लेकर इराक तथा सीरिया से लेकर अफगानिस्तान तक उधड़ती हुई देखी गई। 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी वापसी तो एक अव्यवस्थित त्रासदी थी। फिर भी, डोनाल्ड ट्रंप अनावश्यक युद्ध से नहीं बच पाए, जबकि वह अपनी पुस्तक में 'द आर्ट ऑफ द डील' का सिद्धांत 1987 में ही पेश कर चुके हैं। इसलिए, जब उन्होंने चीख कर कहा-'यू क्रेजी बास्टर्ड्स, ऑर यू विल बी लिविंग इन हेल', तो लगा ट्रंप को अपनी ही किताब में लिखा हुआ समझ में नहीं आया। सच कहें तो, यह धमकी ट्रंप की हताशा से अधिक कुछ भी नहीं थी। बहरहाल, ट्रंप समझौता और युद्ध के बीच बुरी तरह से फंस चुके हैं। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में जो उछाल आ रहा है, उससे कहीं ज्यादा ट्रंप की लोकप्रियता के आंकड़े फिसलते हुए नजर आ रहे हैं। ये ट्रंप की खीज और हताशा को बढ़ा रहे हैं। वह जिस समझौते का प्रयास कर रहे हैं, उसे उन्हीं का एक सीनेटर 'विनाशकारी गलती' कह रहा है, तो दूसरा चेतावनी दे रहा है कि यह 'उस कागज के लायक भी नहीं है, जिस पर इसे लिखा जाएगा।' इस फेहरिस्त में और भी नाम हैं। सुना है कि ट्रंप को युद्ध में धकेलने वाले इस्राइली प्रधानमंत्री समझौते वाली बात से नाखुश हैं। वह तो इस युद्ध को ईरानी 'रेजीम' को बदलने का अवसर मान रहे थे। जो भी हो, बात यहीं पर अटकी है कि फिर 'आर्ट ऑफ द डील' का असली उस्ताद कौन है? सौदेबाजी की असली ताकत किसके पास है?

लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार हैं

अमेरिका-ईरान ने नये हमले शुरू किये युद्धविराम में आ सकता है गतिरोध

तेहरान/वॉशिंगटन, (वार्ता)

हॉर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य टकराव शुरू हो गया है। ईरानी की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि केश्म द्वीप पर हुए अमेरिकी हमले के जवाब में उसने कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय, सैन्य एयरबेस और हेलीकॉप्टरों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किये गये। उधर अमेरिका ने कहा है कि उसने कुवैत और बहरीन पर हुए ईरानी मिसाइल एवं ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया है।

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम)ने बताया कि कुवैत पर दागी गई दो ईरानी मिसाइलें रास्ते में ही गिर गईं या टूट गईं, जबकि बहरीन को निशाना बनाने वाली तीन मिसाइलों को अमेरिका और बहरीन के रक्षा बलों ने इंटरसेप्ट (रोक) कर लिया। इसके अतिरिक्त, कुवैत में अमेरिकी बलों को निशाना बनाने वाले छोड़े गये असंख्य ड्रोन को बिना किसी नुकसान के निष्क्रिय कर दिया गया।इससे पहले अमेरिकी बलों ने ईरान के केश्म द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों

और एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन पर भी हवाई हमले किये। सेंटकॉम ने यह भी जानकारी दी कि उसने क्षेत्रीय जलक्षेत्र से वैध रूप से गुजर रहे नागरिक नाविकों की ओर ईरान द्वारा लॉन्च किए गए तीन वन-वे अटैक ड्रोन को हवा में ही मार गिराया।

दोनों तरफ से हुई इस भारी गोलाबारी ने ईरान-अमेरिका के बीच लागू युद्धविराम समझौते पर संकट गहरा गया है।

सेंटकॉम के अनुसार, यह ताजा विवाद तब शुरू हुआ जब मंगलवार को अमेरिकी बलों ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने का प्रयास कर रहे एक खाली टैंकर को रोकने की कार्रवाई की। बोत्सवाना के ध्वज वाले इस एम/टी लेक्सी नामक टैंकर को चालक दल ने 24 घंटे की अवधि में बार-बार दी चेतावनियों को नजरअंदाज करने के बाद निशाना बनाया। जब यह टैंकर कुवैत के पास जलडमरूमध्य के उत्तर में स्थित ईरान के खार्ग द्वीप की ओर बढ़ रहा था, तब अमेरिकी विमान ने इसके इंजन को निष्क्रिय करने के लिए एक हेलफायर मिसाइल दागी।

अमेरिका के कोलोराडो में आया भीषण तूफान, गोल्फ की गेंद जितने बड़े बरसे ओले

नई दिल्ली

अमेरिका के कोलोराडो में भीषण तूफान आया और जबरदस्त ओलावृष्टि हुई। सोमवार को तेज हवाओं, भारी बारिश और गोल्फ की गेंद जितने बड़े ओलों ने डेनवर, कोलोराडो में जमकर कहर बरपाया।

यह तूफान दोपहर के समय शहर और उसके आस-पास के इलाकों से टकराया, जिससे सड़कों पर आवाजाही बाधित हुई और डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों में देरी हुई। इलाके में दो इंच मोटे ओले गिरे और पूरे इलाके में कारों और घरों पर जोरदार तरीके से बरसते हुए दिखाई दिए।

तूफान के बाद अपनी अपनी कार बाहर देखने आई एक चश्मदीद ने कहा, यह पूरे 10-15 मिनट तक चला। बस ओले गिर रहे थे और आस-पास की सभी कारों से टकरा रहे थे।

उन्होंने बताया, मैंने इसे पहले कभी इतना बड़ा नहीं देखा। गोल्फ की गेंद के आकार के ओले थे और वे जमीन पर इतनी जोर से टकरा रहे थे कि उछलकर दूसरी मंजिल तक पहुंच रहे थे। निवासियों का कहना है कि तूफान से एक स्थानीय किराने की दुकान को भी नुकसान पहुंचा, जहां ओलों ने छत पर लगी खिड़कियों को तोड़ दिया। हालांकि, जितनी तेजी से तूफान आया था लगभग उतनी ही तेजी से सूरज फिर से निकल आया और ओलों को पिघला दिया।निवासियों का कहना है कि तूफान से एक स्थानीय किराने की दुकान को भी नुकसान पहुंचा, जहां ओलों ने छत पर लगी खिड़कियों को तोड़ दिया। हालांकि, जितनी तेजी से तूफान आया था लगभग उतनी ही तेजी से सूरज फिर से निकल आया और ओलों को पिघला दिया।

हालांकि सोमवार का तूफान कम समय के लिए ही रहा फिर भी कुछ निवासी सतर्क हैं क्योंकि बुधवार को और तूफान आने का पूर्वानुमान है। राज्य के अधिकारियों का कहना है कि कोलोराडो में बीमा से होने वाले नुकसान का मुख्य कारण अभी भी ओलावृष्टि ही है। ओलावृष्टि से होने वाले नुकसान से जुड़े बीमा दावों के मामले में यह राज्य देश भर में लगातार शीर्ष स्थानों में से एक पर बना हुआ है।

राबड़ी देवी का आवास खाली कराने का फैसला निंदनीय : भाकपा

पटना,(वार्ता)

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने बिहार विधान परिषद में प्रतिपक्ष की नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को सरकारी आवास खाली कराने के राज्य सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे भेदभावपूर्ण और दुर्भावनापूर्ण बताया है। भाकपा के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि सर्कुलर रोड स्थित 10 नंबर आवास राबड़ी देवी को बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से आवंटित किया गया था और वर्तमान में भी वह उसी पद पर हैं। ऐसे में बार-बार आवास खाली करने का नोटिस जारी किया जाना दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होता है। श्री पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या बिहार सरकार के मंत्रियों और विपक्ष के नेताओं के लिए आवास आवंटन के अलग-अलग नियम हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सत्ता पक्ष के कई सांसद किस आधार पर पटना में सरकारी आवासों में रह रहे हैं।

भाकपा नेता ने मुख्यमंत्री के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार को आवास के मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की जनता कई ज्वलंत समस्याओं का सामना कर रही है, लेकिन सरकार वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए नेता प्रतिपक्ष के आवास का मामला उछाल रही है।

श्री पाण्डेय ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को आवास खाली कराने का फैसला भेदभावपूर्ण है। उन्होंने राज्य सरकार से इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की है।

पाकिस्तान की इंटरनेशनल फजीहत

जापान में जिस मस्जिद का पाक राजदूत ने किया उद्घाटन, वह निकली अवैध

नई दिल्ली

जापान के कावागोए शहर में बनी एक मस्जिद ने पाकिस्तानी समुदाय के लोगों को शर्मिंदगी में डाल दिया है। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तानी राजदूत अब्दुल हमीद ने इस मस्जिद का उद्घाटन किया था। लेकिन अब इसपर गिराए जाने का पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मस्जिद को गैर-कानूनी तरीके से बनाया गया था। कावागोए सिटी हॉल ने साफ किया कि मस्जिद को प्रशासन की बिना अनुमति के बनाया गया है। मस्जिद निर्माण के लिए नगर नियोजन अधिनियम के तहत विशेष परमिट जरूरी होता है, जो नहीं लिया गया। जिसके बाद शहर प्रशासन को मस्जिद को हटाने के अनुरोध मिले हैं, जिसपर चर्चा चल रही है।

इस घटना ने पाकिस्तानी दूतावास को भी मुश्किल स्थिति में डाल दिया। विवाद बढ़ने पर दूतावास ने तुरंत खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। 1 जून को जारी बयान में दूतावास ने कहा कि जापानी कानूनों का उल्लंघन करने वाली किसी भी परियोजना से उसका कोई संबंध नहीं है। दूतावास ने पाकिस्तानी समुदाय से जापानी नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। साथ ही पाक दूतावास ने राजदूत के उद्घाटन में शामिल होने पर भी सफाई दी है। बयान के अनुसार, राजदूत अब्दुल हमीद 3 अप्रैल को कार्यक्रम में तब गए जब उन्हें आश्वासन दिया गया था कि सभी कानूनी मंजूरियां ली जा चुकी हैं। दूतावास ने जोर देकर कहा कि वह ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करता जो स्थानीय कानूनों का पालन न करे। जापान में कंस्ट्रक्शन को लेकर सख्त नियम हैं. यहां किसी भी धार्मिक इमारत के लिए स्थानीय सरकार की अनुमति अनिवार्य है। पाकिस्तान इस मामले में कूटनीतिक रूप से बैकफुट पर आ गया है। राजदूत के उद्घाटन में शामिल होने से इंटरनेशनल लेवल पर पाक की किरकिरी हो रही है।

दिल्ली में लगातार हादसे हो रहे लेकिन किसी की जवाबदेही नहीं : आप

नयी दिल्ली, (वार्ता)

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर दिल्ली सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं।श्री भारद्वाज ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मालवीय नगर में लगी भीषण आग में 20 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी में लगातार बड़े हादसे हो रहे हैं लेकिन किसी भी मामले में जवाबदेही तय नहीं की जा रही। आप नेता ने कहा कि हाल की कुछ प्रमुख घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पालम अग्निकांड में नौ लोगों की मौत हुई थी लेकिन तीन महीने बाद भी जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) की जांच रिपोर्ट का इंतजार है। उन्होंने यह भी कहा कि विवेक विहार अग्निकांड में नौ लोगों की मौत हुई लेकिन अब तक किसी की जवाबदेही तय नहीं हुई।

श्री भारद्वाज ने साकेत भवन ढहने की घटना का भी जिक्र किया, जिसमें छह लोगों की जान गई थी। उनका आरोप है कि इस मामले में भी अब तक किसी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि मालवीय नगर में एक रेस्तरां में आग लग गई जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई और कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

बीमारूपन को दूर कर किसानों ने उत्तर प्रदेश को किया समृद्ध: योगी

गोरखपुर (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्ष में खेती व किसानी के क्षेत्र में आए परिवर्तन के कारण अन्नदाता किसानों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को गोरखपुरा के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित गोरखपुर, आजमगढ़ व बस्ती की संयुक्त मंडलीय खरीफ उत्पादकता संगोष्ठी-2026 का शुभारंभ करने के बाद कहा कि किसान भी अब समाज व राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ते हुए आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहे हैं। देश की सबसे अच्छी उर्वरा भूमि, सर्वाधिक सिंचित भूमि (86 फीसदी), रबी-खरीफ व जायद की फसलें यूपी में हो रही हैं। किसान जहां मेहनत कर रहा है, वहां उसे अच्छा दाम भी मिल रहा है। किसानों की मेहनत का परिणाम है कि यूपी का बीमारूपन दूर हुआ और राज्य समृद्ध बना। किसानों ने कृषि विकास दर को 8 फीसदी से बढ़ाकर 18 प्रतिशत तक पहुंचाने में सफलता हासिल की।

योगी ने कहा कि 12 वर्ष पहले किसान सर्वाधिक आत्महत्या कर रहे थे। 2005 से 2014 के बीच देश के अलग-अलग स्थानों पर लाखों किसानों ने आत्महत्या की थी। इसके पीछे भी त्रासदी थी, उनके लिए अच्छी क्वालिटी का बीज, एमएसपी का उचित दाम, आपदा से बचाव का उपयुक्त प्रबंध नहीं था। लागत अधिक-उत्पादन कम था। यदि किसान ने मेहनत से अन्न उत्पादन भी किया तो उसके क्रय की उचित व्यवस्था नहीं थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार कोई सरकार कह रही है कि जैसे हम अपने उत्तम स्वास्थ्य के लिए हेल्थ चेकअप करवाते हैं, ऐसे ही धरती माता के स्वास्थ्य का भी परीक्षण होना चाहिए। पीएम मोदी ने 2014 से अनिवार्य रूप से फ्री में स्वायल हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना लागू हुई। दलहन-तिलहन आयात में सरकार को लाखों-करोड़ रुपये खर्च कर अन्य देशों को देना पड़ता था, लेकिन किसानों को अच्छे बीज देकर दलहन-तिलहन के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष अभियान प्रारंभ किया।

मेरठ में 40 बीघा जमीन की खातिर ले ली सगे बेटे की जान

मेरठ, (वार्ता)। मेरठ की एक सुनसान सड़क पर खड़ी स्कॉर्पियो में खून से लथपथ पड़ा एक युवा शव केवल हत्या की कहानी नहीं कह रहा था, बल्कि उस दर्दनाक सच को भी उजागर कर रहा था जिसमें जमीन के एक टुकड़े ने रिश्तों का खून कर दिया। हापुड़ के दोयमी गांव निवासी 25 वर्षीय तुषार त्यागी की हत्या किसी दुश्मन ने नहीं बल्कि उसके अपने पिता सुंदर त्यागी ने कराई। पुलिस जांच में सामने आया कि 40 बीघा पैतृक जमीन को लेकर पिता-पुत्र के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। तुषार उस जमीन को बेचकर कारोबार शुरू करना चाहता था जबकि उसका पिता इसका कड़ा विरोध कर रहा था। सोमवार रात तुषार को एक परिचित बहाने से बुलाया गया। बताया गया कि किसी को भूख लगी है और वह खाना लेकर पहुंच जाए। अपनेपन के इस संदेश पर भरोसा कर तुषार घर से निकल पड़ा लेकिन उसे क्या पता था कि यह सफर उसकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा। रात करीब नौ बजे तुषार ने अपनी पत्नी शिखा को व्हाट्सएप कॉल कर बताया कि कुछ लोग उसे जंगल की ओर ले जा रहे हैं और उसकी जान को खतरा है। इसके बाद उसके दोनों मोबाइल फोन बंद हो गए। परिवार पूरी रात उसकी तलाश करता रहा। कुछ घंटों बाद मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर पांची गांव के पास पुल के नीचे खड़ी उसकी स्कॉर्पियो मिली। कार के भीतर तुषार खून से लथपथ पड़ा था। सिर और गर्दन में लगी गोलियों ने उसकी जिंदगी छीन ली थी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

पेड्डी के लिए राम चरण ने झेली असली चोटें, दर्द के बीच पूरी की शूटिंग

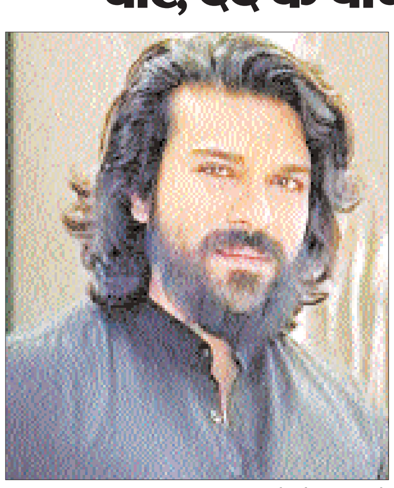

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण को अपनी आगामी फिल्म पेड्डी में वास्तविकता और प्रामाणिकता को पर्दे पर उतारने की प्रतिबद्धता भारी पड़ गई। निर्देशक बुच्ची बाबू सना की आगामी फिल्म की दमदार कुश्ती वाले दृश्यों की शूटिंग के दौरान अभिनेता को कई चोटें आईं, जिनमें कलाई के कार्टिलेज में गंभीर चोट और बाईं आंख के ऊपर लगी चोट शामिल है। अपनी भूमिकाओं को पूरी ईमानदारी से निभाने के लिए मशहूर राम चरण ने फिल्म के कई दृश्यों में वास्तविक पहलवानों के साथ काम करने पर जोर दिया। हालांकि, इनमें से कई पहलवान शूटिंग के दौरान अपने वारों को नियंत्रित नहीं कर पाए, क्योंकि खेल के दौरान विकसित हुई उनकी स्वाभाविक प्रवृत्तियां अक्सर दृश्यों में हावी हो जाती थीं। आक्रामक पकड़-धकड़ और बेहद यथार्थवादी कुश्ती के मूव्स के कारण कई बार जोरदार टक्करें हुईं, जिससे राम चरण को चोटें लगीं। हर टेक के बाद पहलवान अक्सर अभिनेता से माफी मांगते थे क्योंकि अनजाने में उन्हें चोट पहुंच जाती थी। बताया जाता है कि इस बेहद चुनौतीपूर्ण शूटिंग का असर फिल्मांकन समाप्त होने के बाद भी राम चरण पर बना रहा। अभिनेता ने खुलासा किया कि लगातार कुश्ती और पकड़-धकड़ वाले दृश्यों की वजह से उनकी घायल कलाई में कंपन और गंभीर तनाव पैदा हो गया था, जिसके कारण शूटिंग के बाद सामान्य गतिविधियां करना भी उनके लिए दर्दनाक हो गया था। 1980 और 90 के दशक के ग्रामीण आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित पेड्डी एक भावनात्मक पीरियड-एक्शन ड्रामा है। फिल्म में राम चरण एक साधारण मजदूर की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी हाशिए पर खड़ी समुदाय की अस्मिता, सम्मान और अस्तित्व की रक्षा के लिए दमनकारी शक्तियों के खिलाफ संघर्ष करता है।

इक़बाल खान को नीले मेकअप में देखकर गंभीर रहना मुश्किल हो गया :गुलकी जोशी

सोनी सब के शो यादें के हालिया ट्रैक में एक भावुक दृश्य की शूटिंग के दौरान सेट पर हंसी-ठिठोली का माहौल देखने को मिला। शो में डॉ. देव मेहता (इक़बाल खान) एक नीली त्वचा वाली बच्ची को सहज महसूस कराने के लिए अपना चेहरा नीला रंग लेते हैं, जिससे बच्ची को अपनापन महसूस हो सके। यह दृश्य जहां ऑन-स्क्रीन भावुक था, वहीं ऑफ-स्क्रीन शूटिंग के दौरान पूरा माहौल हल्का और मजेदार हो गया। नीले मेकअप में इक़बाल खान का लुक देखकर सेट पर मौजूद कलाकार खुद को गंभीर नहीं रख पाए। अभिनेत्री गुलकी जोशी ने इस अनुभव को साझा करते हुए कहा, जैसे ही मैंने इक़बाल को पूरा नीला रंगा हुआ देखा, मेरे लिए गंभीर रहना बहुत मुश्किल हो गया। हर टेक के दौरान मैं हंस पड़ती थी, जबकि इक़बाल पूरी गंभीरता से अपना सीन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान ऐसे हल्के-फुल्के पल टीम के बीच आपसी तालमेल को और मजबूत बनाते हैं। शो यादें में डॉ. देव मेहता की आठ साल की याददाश्त खोने के बाद जीवन को फिर से समझने और रिश्तों को जोड़ने की कहानी दिखाई जा रही है, जिसमें भावनात्मक उतार-चढ़ाव और मेडिकल रहस्य लगातार दर्शकों को जोड़े हुए हैं। यह शो हर सोमवार से शनिवार रात 8 बजे सोनी सब पर प्रसारित होता है।

अली फज़ल ने बताया उनके और ऋचा चड्ढा के बीच की हैरान कर देने वाली समानता

अपने दमदार और अलग-अलग तरह के किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता अली फज़ल ने हाल ही में अपनी पत्नी और अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के साथ अपने रचनात्मक रिश्ते के बारे में बात की। अली और ऋचा दोनों ने अपने-अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं, जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। ऋचा का फुकरे फ्रेंचाइज़ी में निभाया गया भोली पंजाबन का किरदार हो या मिर्ज़ापुर में अली का गुड्डू पंडित, दोनों ही कलाकार हमेशा ऐसे किरदारों की ओर आकर्षित हुए हैं जो अलग पहचान बनाते हैं।

इस बारे में बात करते हुए अली फज़ल ने कहा,ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे कलाकार रहे हैं जो सबसे पहले अच्छे किरदारों की तलाश करते हैं। हमारे लिए कभी किसी खास इमेज में फिट होना या पारंपरिक रास्तों पर चलना महत्वपूर्ण नहीं रहा। हम हमेशा ऐसे किरदारों की तलाश में रहे हैं जो हमें चुनौती दें और दर्शकों के दिलों में बस जाएं। मुझे लगता है कि इस मामले में हम दोनों खुद को काफी खुशकिस्मत मानते हैं। अली ने कहा,जब आप फुकरे की भोली पंजाबन या मिर्ज़ापुर के गुड्डू पंडित जैसे किरदारों को देखते हैं, तो महसूस होता है कि ये सिर्फ पर्दे तक सीमित नहीं रहे, बल्कि पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। एक अभिनेता के लिए इससे बड़ी खुशी क्या हो सकती है कि दर्शकों ने आपके किरदार को इतनी गहराई से अपनाया हो। उन्होंने कहा,वहहम दोनों अपने काम और चुनावों को लेकर एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। हम इस पेशे की प्रक्रिया और इसकी अनिश्चितताओं का सम्मान करते हैं। कभी जोखिम लेना पड़ता है, कभी धैर्य रखना पड़ता है, लेकिन आखिर में सबसे ज़रूरी ईमानदार कहानी कहना होता है। अली ने कहा,मुझे लगता है कि हम दोनों खुशकिस्मत रहे हैं कि हमें ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने का मौका मिला जिन्हें लोग आज भी याद करते हैं, उनके संवाद दोहराते हैं और बार-बार देखते हैं। हर कलाकार सिर्फ सफलता ही नहीं चाहता, बल्कि ऐसी पहचान चाहता है जो समय के साथ भी बनी रहे। यदि आगे भी हम ऐसी कहानियों का हिस्सा बन सकें जो लोगों पर गहरा असर छोड़ें, तो वही हमारा लक्ष्य है।

अजय सिंह राहुल ने कार्यकर्ताओं में भरा चुनावी जोश

कांग्रेस को मजबूत बनाने और बूथ स्तर तक किया जाये संगठन का विस्तार

मूंग खरीदी को लेकर सरकार पर साधा निशाना

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अजय सिंह च्राहुल भैयाज्‌ के गाडरवारा विधानसभा आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती

सुनीता पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर भोपाल से पधारे वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह चौहान भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय सिंह च्राहुल भैयाज्‌ ने आगामी विधानसभा चुनाव को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों, विचारधारा और जनहितकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत, एकजुटता तथा समर्पण के बल पर आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अभी से चुनावी तैयारियों में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि मजबूत संगठन ही चुनावी जीत की सबसे बड़ी ताकत होता है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं, जो हर परिस्थिति में जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को उठाते हैं। उन्होंने जिले के किसानों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए सरकार से सवाल किया कि नरसिंहपुर जिले में मूंग खरीदी आखिर कब शुरू होगी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी उपज को लेकर चिंतित हैं और उन्हें खरीदी की स्पष्ट तिथि का इंतजार है। सरकार को तत्काल मूंग खरीदी प्रारंभ करनी चाहिए ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके और आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके।

श्रीमती पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता, जनसंपर्क और संगठन विस्तार के प्रयासों से जिले में कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी तथा आगामी चुनावों में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगा कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अजय सिंह च्राहुल भैयाज्‌ से संगठन की वर्तमान स्थिति, जनहित के मुद्दों तथा आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय समस्याओं, किसानों के मुद्दों और संगठन विस्तार को लेकर अपने सुझाव भी रखे। इस अवसर पर जिला प्रभारी आलोक मिश्रा, जिला संगठन प्रभारी दीवान शैलेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक संजय शर्मा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र पटेल, वरिष्ठ नेता गौतम पटेल, प्रदेश सचिव मनीष राय, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन अध्यक्ष मोना कौरव, युवा कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक परमार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक काबरा, डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदीप रघुवंशी, प्रदीप कौरव, महेंद्र पटेल, राजेंद्र पटेल, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष जिनेश जैन, छोटराजा कौरव, दिग्विजय सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष गिरजा शंकर कौरव, सतीश सैनी, लखन पटेल, अनुसूचित जाति कांग्रेस अध्यक्ष हरिसिंह अहिरवार, जनपद अध्यक्ष राधा अहिरवार, पार्षद शिल्पी साहू, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संगीता जायसवाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष राजीव सिंह, विनीता बाई सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह चुनावी उत्साह से सराबोर रहा और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया।

मूंग और उड़द के उपार्जन के लिए पंजीयन प्रारंभ

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ ने बताया कि भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए जिले के किसानों का पंजीयन 15 जून 2026 तक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शासन के निर्णय अनुसार उड़द विक्रय करने वाले किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 600 रुपये प्रति क्विंटल के मान से बोनस प्रदान किया जाएगा। जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के तहसीलवार कुल 47 पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ ने बताया कि बी-पैक्स करकबेल, बी-पैक्स सूरवारी, बी-पैक्स वेदू, बी-पैक्स सिमरी, बी-पैक्स गाडरवारा, बी-पैक्स नांदनेर, बी-पैक्स खुरसीपार, बी-पैक्स आड़ेगांव, बी-पैक्स चारगांव, बी-पैक्स छैनाकछार, बी-पैक्स सीरेगांव, बी-पैक्स इमलिया साली., विप. करेली, बी-पैक्स करेली, बी-पैक्स करपगांव, बी-पैक्स लिंगा, बी-पैक्स कौड़िया, बी-पैक्स सूरना, बी-पैक्स सिहोरा, बी-पैक्स मड़गुला, बी-पैक्स तूमड़ा, बी-पैक्स तेंदूखेड़ा, बी-पैक्स बिल्थारी, बी-पैक्स ढिलवार, बी-पैक्स रम्पुरा तेंदू., बी-पैक्स मुर्गाखेड़ा, बी-पैक्स केरपानी, बी-पैक्स सुआतला, बी-पैक्स बिल्हैरा, बी-पैक्स उमरिया गोटे., बी-पैक्स श्रीनगर, बी-पैक्स इमलिया कामती, बी-पैक्स सालीवाड़ा, बी-पैक्स सर्रा गोटेगांव, बी-पैक्स बचई करहया, बी-पैक्स उसरी, बी-पैक्स रामपिपरिया, बी-पैक्स करताज में पंजीयन केन्द्र बनाया गया है।

भागवत कथा का चतुर्थ दिन

तुलसी मानस भवन में आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) में समस्त मातृशक्ति संगठन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन आज पंडाल में श्रद्धा, भक्ति और आनंद का ऐसा ज्वार उमड़ा कि समूचा परिसर गोकुल धाम बन गया। कथा के सबसे प्रमुख और प्रतीक्षित प्रसंग श्रीकृष्ण जन्मोत्सव (नंदोत्सव) को लेकर नगरवासियों और मातृशक्तियों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। भीषण गर्मी के बाद भी हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु हरियाले वस्त्र धारण कर कथा स्थल पहुँचे, जिससे पंडाल छोटा पड़ गया। चतुर्थ दिवस की कथा की शुरुआत करते हुए सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने सर्वप्रथम भक्त प्रह्लाद के चरित्र, भगवान के नृसिंह अवतार और

अहंकार को चूर करने वाले गजेन्द्र मोक्ष के दिव्य प्रसंग का वाचन किया। महाराज जी ने बताया कि जब-जब भक्तों पर विपत्ति आती है, तब-तब भगवान सारे नियम बदलकर अपने भक्त की रक्षा के लिए दौड़े चले आते हैं। ईश्वर केवल सच्चे प्रेम और अटूट विश्वास के भूखे हैं। कथा के उत्तरार्ध में जब महाराज जी ने कंस के अत्याचारों, वासुदेव-देवकी के कारागार प्रसंग और भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की घनघोर रात में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का सजीव वर्णन किया, तो पूरा पंडाल च्जय कन्हैया लाल कीज्‌ और च्नंद घर आनंद भयोज्‌ के गूंजते जयकारों से सराबोर हो उठा। ठीक इसी समय मंच पर बाल कृष्ण रूपी कन्हाई के प्राकट्य की अत्यंत मनमोहक सजीव झांकी प्रस्तुत की गई। टोकरी में विराजमान ठाकुर जी के स्वरूप पर समूचे पंडाल से पुष्पों और गुलाल की भारी वर्षा की गई। श्रीकृष्ण जन्म के उपरांत जैसे ही संगीत टोली द्वारा पारंपरिक सोहर, मंगल गीत और बधाई गीत यशोदा जी के जायो लाला, री नगरिया में आनंद भयो की प्रस्तुति दी गई, पंडाल में उपस्थित समस्त मातृशक्तियां और श्रद्धालु अपनी सुध-बुध खोकर झूमने और थिरकने लगे। हर तरफ टॉफियां, खिलौने और माखन-मिश्री का प्रसाद लुटाया गया। मातृशक्तियों ने ठाकुर जी के पालने की डोरी थामकर आरती उतारी और सुख-समृद्धि की मन्नतें मांगीं। भीषण गर्मी और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद च्समस्त मातृशक्ति संगठनज्‌ की स्वयंसेविकाओं ने समूची व्यवस्था को बेहद सुव्यवस्थित तरीके से संभाला। पंडाल में ठंडी हवा के लिए लगाए गए विशेष कूलिंग सिस्टम और मटके के शीतल जल की व्यवस्था के कारण श्रद्धालु अंत तक भक्ति रस में डूबे रहे। आयोजन समिति ने बताया कि कल कथा के पाँचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, माखन चोरी प्रसंग और भव्य गोवर्धन पूजा (छप्पन भोग) का आयोजन किया जाएगा।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने कृषि आदान विक्रेता प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया

नरसिंहपुर। आगामी खरीफ मौसम 2026 को दृष्टिगत रखते हुए किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने और कृषि आदानों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिले के विभिन्न कृषि आदान विक्रेता प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ के मार्गदर्शन में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरसिंहपुर श्री एन.के. आरसे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गोटेगांव श्री आर.एन. त्रिपाठी, उर्वरक निरीक्षक उर्वरक/ बीज/ विकासखंड चीचली/ सांईखेड़ा श्री पी.एस. कौशल, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी चीचली श्री के.पी. सिंह एवं प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरसिंहपुर श्री संतोष पटेल के द्वारा कृषि आदान विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध बीज के स्टॉक, बोर्ड, स्टॉक रजिस्टर, कैश मेमो तथा लाइसेंस संबंधी अभिलेखों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कृषि आदानों की गुणवत्ता की जांच के लिए विकासखंड नरसिंहपुर से 12 नमूने मक्का, धान के 3 नमूने, उड़द के 3 नमूने व मूंग का एक नमूना इस तरह कुल 19 नमूने बीजों के लिए गए। विकासखंड गोटेगांव में मक्का के 5 नमूने, धान के 4 नमूने व सोयाबीन के दो नमूने सहित कुल 11 नमूने बीज के लिए गए। विकासखंड सांईखेड़ा में धान के 23 नमूने बीज के लिए गए।

50 श्रमिकों का प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन पंजीयन

दिव्यांगजनों को मिले कृत्रिम अंग

करेली (स्वतंत्र मत)

नगर पालिका परिषद करेली द्वारा जनहित में लगातार विभिन्न कल्याणकारी शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को पंडित महादेव प्रसाद तिवारी भवन, राम वार्ड में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना कैंप आयोजित किया गया, जबकि बुधवार को दिव्यांगजन सहायता शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। मंगलवार को आयोजित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना कैंप में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का पंजीयन किया गया। शिविर में कुल 50 पात्र श्रमिकों को योजना से जोड़ा गया। अधिकारियों ने हितग्राहियों को योजना की जानकारी देते हुए बताया कि 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर पात्र हितग्राहियों को प्रतिमाह 3000 रुपए पेंशन का लाभ मिलेगा। शिविर में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने

पहुंचकर योजना का लाभ लिया। वहीं बुधवार को आयोजित दिव्यांगजन सहायता शिविर में एस.आर. ट्रस्ट एवं एलिमको के सहयोग से दिव्यांगजनों का परीक्षण एवं चिन्हांकन किया गया। शिविर के दौरान 29 दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ एवं कैलिपर्स निःशुल्क प्रदान किए गए। सहायक उपकरण प्राप्त कर हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा आयोजन के लिए नगर पालिका एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार जताया। दोनों शिविरों में उपस्थित अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने हितग्राहियों का मार्गदर्शन करते हुए शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। आयोजन का उद्देश्य समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर, नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, एल्डरमैन तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में नगर पालिका प्रशासन एवं सहयोगी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरुकता बढ़ाने हेतु एनटीपीसी विंध्याचल की पहल

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

एनटीपीसी विंध्याचल ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 03 जून 2026 को गहिलगढ़ पश्चिम आंगनवाड़ी केंद्र में ग्रामीण महिलाओं एवं किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में डॉ. मयूराक्षी भराली, प्रबंधक (चिकित्सा) ने प्रतिभागियों को मासिक धर्म के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, स्वच्छता के महत्व तथा संक्रमण एवं अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं से बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर लगभग 200 महिलाओं एवं किशोरियों को निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए गए तथा उनके सही उपयोग एवं सुरक्षित निस्तारण के बारे में भी मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में श्री डेविड देशमुख, कार्यकारी (सीएसआर), डॉ. मयूराक्षी भराली, प्रबंधक (चिकित्सा), श्रीमती सविता पटेल, कनिष्ठ अधिकारी (चिकित्सा) एवं श्रीमती देवमती बाबू नंदन बंसल, वार्ड पार्षद सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएँ तथा बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएँ उपस्थित रहीं। यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति एनटीपीसी विंध्याचल की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सिक्कल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड कंपनी निगाही की सराहनीय पहल, स्कूली छात्रों को बांटे सायकल ,बैग व अन्य सामग्री

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

दो जून व तीन जून को शासकीय मिडिल स्कूल मुहेर व जीवन ज्योति स्कूल निगाही में सिक्कल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड कंपनी निगाही द्वारा ष्टस्क्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे

सिक्कल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड कंपनी द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) कार्यक्रम के अंतर्गत आज शासकीय मिडिल स्कूल, मुहेर पोखरा टोला में एक सामाजिक कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ावा देना है। इसी प्रकार दो जून

को जीवन ज्योति स्कूल निगाही मे सिक्कल कंपनी द्वारा छात्राओं को सायकल, सभी छात्रों को पानी का वाटल, स्कूल बैग साथ ही स्कूल के लिए छत का पंखा, पानी की टंकी निशुल्क प्रदान की गई।

दो जून के कार्यक्रम जीवन ज्योति स्कूल निगाही मे मुख्य अतिथि के रूप मे राजेन्द्र वर्मा (महाप्रबंधक एनसीएल निगाही),सिताँशु वर्मा परियोजना अधिकारी निगाही, अभिषेक यादव तहसीलदार, राघवेंद्र सिंह एएसओ निगाही, आशीष त्रिपाठी, आदित्य नाथ सिंह बघेल (अध्यक्ष सिक्कल लॉजिस्टिक लिमिटेड),विनोद कुमार, निशित निश्चल महाप्रबंधक सिक्कल लॉजिस्टिक लिमिटेड, रणजीत सिंह एचार हेड,संजय सिंह ईएचएस हेड की उपस्थिति रही।

तथा तीन जून को मुहेर स्कूल के

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राघवेन्द्र सिंह (एएसओ, निगाही एनसीएल) एवं डी.एन. श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

सिक्कल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड की ओर से बिनोद कुमार (प्रोजेक्ट हेड), रणजीत सिंह (एचआर हेड), सिद्धार्थ सिंह (प्रोजेक्ट मैनेजर) एवं संजय सिंह (ईएचएस मैनेजर) कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय को आवश्यक सामग्री एवं सुविधाएँ प्रदान की गईं। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए मेहनत, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए।

विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने सिक्कल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के इस सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। एनसीएल मे ओबी का कार्य कर रही सिक्कल कंपनी के द्वारा इस प्रकार का सहयोग एवं सराहनीय कदम के लिए विस्थापित क्षेत्रो मे प्रशंसा हो रही है।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 138 अ-20(1) सन्-2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 24/06/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
16	कंदेली	18/9	3084 वर्गफुट	ओमप्रकाश टूटेजा आ. केशरमल टूटेजा सा. पटेल वार्ड कंदेली नरसिंहपुर	ओमप्रकाश टूटेजा आ. केशरमल टूटेजा सा. पटेल वार्ड कंदेली नरसिंहपुर

इश्तहार आज दिनांक 01/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 136 अ-20(1) सन्-2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 24/06/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
15	कंदेली	4/146	1600 वर्गफुट	कैलाश प्रसाद नेमा आ. लक्ष्मीप्रसाद नेमा सा. कंदेली	कैलाश प्रसाद नेमा आ. लक्ष्मीप्रसाद नेमा सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 01/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 135 अ-20(1) सन्-2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 24/06/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
15	कंदेली	4/160	800 वर्गफुट	ओमप्रकाश आ. सुदामा प्रसाद नेमा सा. नरसिंहपुर	ओमप्रकाश आ. सुदामा प्रसाद नेमा सा. नरसिंहपुर

इश्तहार आज दिनांक 01/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 137 अ-20(1) सन्-2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 24/06/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
8	कंदेली	8/18	837 वर्गफुट	श्रीमति श्रद्धा गुप्ता पत्नि संतोष कुमार गुप्ता सा. शंकराचार्य वार्ड कंदेली	श्रीमति श्रद्धा गुप्ता पनि संतोष कुमार गुप्ता सा. शंकराचार्य वार्ड कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 01/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

भौतिक सत्यापन में खुली आईएचपी कंपनी की पोल

जल जीवन मिशन की हकीकत परखने तिमुआ पहुंची जांच टीम, 200 कनेक्शनों में नहीं हुई जलापूर्ति

कटनी (स्वतंत्र मत)।

हर घर नल से जल पहुंचाने के जल जीवन मिशन की हवा उस वक्त निकल गई, जब परियोजना की जमीनी हकीकत परखने के साथ भौतिक सत्यापन के लिए 2 जून को तिमुआ गांव जांच दल पहुंचा। मंगलवार 2 जून को कटनी जिले के जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायत तिमुआ में जिला प्रशासन के निर्देश पर सत्यापन के लिए बनी टीम पहुंची तो आलम यह था कि इस पंचायत के 400 में 200 नल कनेक्शनों में आज तक जल ही नही पहुंचा, तो वहीं ज्यादातर नल टोटी विहीन पाए गए। रोड रेस्टोरेशन का कार्य भी अपूर्ण मिला। अधिकारियों ने सत्यापन के दौरान बिंदुवार ब्योरा तैयार किया है। गौरतलब है कि ठेका कंपनी आईएचपी इस अपूर्ण परियोजना को पंचायतों के सुपुर्द करने के लिए

पिछले 3 साल से जुटी हुई है, जिससे इस परियोजना में जमकर किए गए भ्रष्टाचार से उसे छुटकारा मिल जाए।

एसडीएम के आदेश पर सत्यापन

जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ की 24 ग्राम पंचायतों के 40 गांव में नल-जल योजना का भौतिक सत्यापन के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विजयराघवगढ़ विवेक गुप्ता द्वारा गठित किए गए दल के माध्यम से आगामी 17 जून तक यह कवायद चलेगी। इस अभियान के पहले ही दिन 2 जून को ग्राम पंचायत तिमुआ के ग्राम कोनिया, मनघटा, कुदरी और कोनिया गांव में जल जीवन निगम और ठेका कंपनी आईएचपी के कारनामों, फैली अव्यवस्था की पोल खुल गई।

100 में कनेक्शन में 60 बाधित

ग्राम पंचायत तिमुआ के ग्राम मनघटा में सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि गांव में 100 नल कनेक्शन दिए गए है, जिनमे 60 नल कनेक्शन में आज तक पानी ही नही पहुंचा। नल कनेक्शन अपूर्ण है। टोटियां विहीन नल पाए गए तो वही रोड रेस्टोरेशन का कार्य भी अपूर्ण स्थिति में है।

120 कनेक्शन में नहीं पहुंची पानी की एक बूंद

सत्यापन के दौरान ग्राम तिमुआ वार्ड क्रमांक 02 में 120 नल कनेक्शन दिए गए है, जो टोटी विहीन, अव्यवस्थित पाए गए, इतना ही नहीं इन 120 कनेक्शन में आज तक पानी की एक भी बूंद नही पहुंची।

तिमुआ गांव में कुल 200 नल कनेक्शन है, जिनमे महज 80 में भगवान भरोसे कभी-कभार नल से जल पहुंच जाता है।

सत्यापन टीम, संयुक्त दल में ये रहे शामिल

एसडीएम विजयराघवगढ़ द्वारा गठित संयुक्त दल में जल निगम के डीजीएम समीर कौशल, जनपद के पीसीओ देव सिंह सैयाम, निर्माण कंपनी आईएचपी के रवि गुप्ता, फील्ड इंजीनियर आशीष शुक्ला, गौरव सोनी, धनेंद्र द्विवेदी, पंचायत के सरपंच तीरथ पटेल, सचिव रज्जन चौधरी, जीआरएस मुन्नालाल पटेल शामिल रहे।

थाना माधवनगर पुलिस की नशे के विरूद्ध कार्यवाही, गांजा के पौधे सहित आरोपी पकड़ाया

कटनी (स्वतंत्र मत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार मदाक पदार्थो की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डहेरिया व नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी माधवनगर निरीक्षक संजय दुबे के नेतृत्व में थाना माधवनगर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी सोनेलाल पटेल निवासी गैतरा को नशे के कारोबार के लिए बाडी में लगाये हुए 06 किलो हरे गांजा के पौधे सहित गिरफ्तार किया गया है। थाना माधवनगर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध कार्यवाही दौरान 31 मई को अचानक भ्रमण करते पुलिस आरोपी सोनेलाल पटेल पिता नर्मदा प्रसाद पटेल उम्र- 68 वर्ष निवासी गैतरा थाना माधवनगर की बाड़ी पहुँची जहाँ अचानक पहुँची पुलिस को देखकर आरोपी घबरा गया तथा भागने का प्रयास करने लगा जिसे पकड़कर आरोपी से गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर गांजा का पेड़ लगाना स्वीकार किया जिसे माधवनगर पुलिस व्दारा विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए आरोपी के कब्जे से उसके खेत बाड़ी में लगे गांजा के पौधे करीबन कुल वजनी 06 किलो 600 ग्राम जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया तथा आरोपी को अपराध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जिला जेल कटनी भेज दिया गया है। आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

कटनी कृषि विभाग में योजनाओं का खेल या भ्रष्टाचार का जाल?

बीज वितरण से लेकर आरटीआई तक पर सवाल, किसानों ने मांगी उच्च स्तरीय जांच

कटनी (स्वतंत्र मत)। जिले के कृषि विभाग पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगते ही हड़कंप मच गया है। किसानों का कहना है कि सरकारी योजनाएं कागजों में तो चल रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका लाभ वास्तविक पात्र किसानों तक नहीं पहुंच रहा। पिछले तीन वर्षों से किसानों को अनुदानित और निशुल्क बीज वितरण की योजनाएं संचालित होने के बावजूद, ग्रामीणों का आरोप है कि न तो समय पर बीज मिले और न ही निर्धारित मात्रा के अनुसार। कई मामलों में कम मात्रा में बीज देने और अतिरिक्त राशि वसूलने की शिकायतें भी सामने आई हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है कि फर्जी लाभार्थी सूचियां तैयार कर सरकारी बीजों को बाजार में खपाने का खेल चल रहा है, जिससे वास्तविक किसान योजना से वंचित रह जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरा तंत्र योजनाओं की आड़ में गड़बड़ी का संकेत देता है। मामला तब और भी गंभीर हो गया जब ग्राम गैतरा निवासी किसान प्रमोद कुमार पटेल द्वारा सूचना के अधिकार के तहत वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड कटनी से बीज वितरण सहित अन्य जानकारी मांगी गई। लेकिन विभाग ने सूचना देने के बजाय आवेदन को (अत्यंत वृहद) और (अस्पष्ट) बताकर खारिज कर दिया। आरटीआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह रवैया पारदर्शिता पर सीधा सवाल खड़ा करता है। जहां एक ओर शासन डिजिटल और जवाबदेह प्रशासन की बात करता है, वहीं दूसरी ओर विभाग जानकारी छिपाने के आरोपों में घिरता दिख रहा है। इसके अलावा किसानों ने यह भी गंभीर आरोप लगाया है कि कुछ अधिकारी अपने निर्धारित मुख्यालयों पर निवास नहीं कर रहे, बल्कि शहरों में रहकर भी मकान किराया भत्ता का लाभ ले रहे हैं, जिससे शासन को आर्थिक नुकसान पहुंच रहा है। अब किसानों और ग्रामीणों की मांग है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए- जिसमें बीज वितरण, लाभार्थी चयन, आरटीआई प्रकरण और अधिकारियों की पदस्थापना की वास्तविक स्थिति शामिल हो। साथ ही, लंबित सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जाए ताकि किसानों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर इन आरोपों की जांच ईमानदारी से हुई, तो कृषि विभाग की कार्यप्रणाली की कई परतें खुल सकती हैं।

स्लीमनाबाद पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग बालिका को किया दस्तयाब

कटनी (स्वतंत्र मत)।

पुलिस अधीक्षक जिला कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा मुस्कान विशेष अभियान के तहत अपहत बालक/बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके पालन में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी स्लीमनाबाद सुदेश कुमार के नेतृत्व में थाना स्लीमनाबाद पुलिस द्वारा थाना स्लीमनाबाद के अप. क्र. 339/2026 धारा 137(2) बी.एन.एस. के मामले की गुमशुदा नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब किया गया दस्तयाबी उपरांत नाबालिग बालिका को उसके परिजनो के सुपुर्द किया गया।

जनगणना ड्यूटी में लगे शिक्षकों के तबादलों पर फरवरी 2027 तक रोक

कटनी (स्वतंत्र मत)।

स्कूल शिक्षा विभाग की स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू होने से पहले लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार जनगणना कार्य में लगे शासकीय स्कूलों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्थानांतरण फरवरी 2027 तक नहीं किया जाएगा। कटनी जिले में जनगणना संबंधी कार्यों में बड़ी संख्या में शिक्षक लगे हुए हैं। डीपीआई ने निर्देश दिए हैं कि जनगणना कार्य में संलग्न सभी शिक्षकों और कर्मचारियों की जानकारी शिक्षा पोर्टल 3.0 पर अनिवार्य रूप से अपडेट की जाए। जिलों को जनगणना ड्यूटी में लगे कर्मचारियों की सूची पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि स्थानांतरण प्रक्रिया के दौरान उनकी स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज रहे। डीपीआई के इस निर्णय पर विभिन्न शिक्षक संगठनों ने असहमति व्यक्त की है। उनका कहना है कि जनगणना ड्यूटी के आधार पर शिक्षकों को स्वैच्छिक स्थानांतरण प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर रखना उचित नहीं है। कई शिक्षक लंबे समय से पारिवारिक, स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक कारणों से तबादले की प्रतीक्षा कर रहे हैं। शिक्षक संगठनों का तर्क है कि उचित योजना बनाकर जनगणना कार्य और स्थानांतरण प्रक्रिया दोनों को समानांतर रूप से संचालित किया जा सकता है। उनका सुझाव है कि पात्र शिक्षकों को विशेष अनुमति देकर स्थानांतरण प्रक्रिया में शामिल किया जाए, जिससे उनकी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान हो सके और जनगणना कार्य भी प्रभावित न हो। फिलहाल डीपीआई के निर्देश प्रभावी हैं और जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों के स्थानांतरण पर फरवरी 2027 तक रोक लागू रहेगी। हालांकि शिक्षक संगठनों की मांगों को देखते हुए भविष्य में इस विषय पर पुनर्विचार की संभावना बनी हुई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर यूथ हॉस्टल करेगा पौधारोपण

कटनी (स्वतंत्रमत)।

यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया पर्यावरण जन जागरण अभियान के लिए 5 जून शुक्रवार सुबह 9 बजे विश्व पर्यावरण दिवस पर बसंत बिहार कॉलोनी में वृक्षारोपण करेगी। इकाई अध्यक्ष पंचम जैन एवं चेयरमैन गोपाल शर्मा ने बताया कि जेठ माह में पढ़ने वाले इस दिवस एवं हमारे जीवन पर पर्यावरण का बहुत महत्व है। ज्ञातव्य है इकाई प्रति वर्ष अपने इस दायित्व की पूर्ति करती है। उन्होंने यूथ हॉस्टल्स के सभी सदस्यों से इस अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

ट्रांसपोर्ट नगर होगा आबाद जाम से राहत की जगी उम्मीद

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर पुरैनी में उपलब्ध रिक्त भूखंडों की नीलामी प्रक्रिया को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि अब नजदीक है और इच्छुक ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों के पास आवेदन के लिए केवल कुछ दिन शेष हैं। निगम प्रशासन ने सभी पात्र आवेदकों से समय रहते निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। नगर निगम के अनुसार शहर में ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को सुव्यवस्थित, आधुनिक और सुविधायुक्त बनाने के उद्देश्य से ट्रांसपोर्ट नगर विकसित किया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न आकार के भूखंड ऑनलाइन निविदा के

माध्यम से आवंटित किए जा रहे हैं। इच्छुक आवेदक निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी एवं शर्तें एमपी टेंडर पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। जारी निविदा के अनुसार 4 बाई 6 वर्गमीटर के भूखंडों की प्रीमियम राशि 2 लाख 56 हजार 344 रुपए, अमानत राशि 6 हजार 409 रुपये निर्धारित की गई है। वहीं 12 बाई 15 वर्गमीटर के भूखंडों की प्रीमियम राशि 19 लाख 22 हजार 580 रुपये एवं अमानत राशि 48 हजार 65 रुपये तय की गई है। दोनों श्रेणियों के लिए निविदा प्रपत्र का मूल्य 1 हजार रुपये रखा गया है। इन भूखंडों की ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 5 जून 2026 निर्धारित की गई है।

शहर को मिलेगा यातायात दबाव से राहत - नगर निगम का मानना है कि ट्रांसपोर्ट नगर के विकसित होने से शहर के भीतर संचालित ट्रांसपोर्ट गतिविधियों को एक ही स्थान पर व्यवस्थित किया जा सकेगा। इससे शहर की सड़कों पर भारी वाहनों का दबाव कम होगा, यातायात व्यवस्था बेहतर बनेगी और आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी। निगम प्रशासन ने ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों से इस अवसर का लाभ उठाने और कटनी को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित शहर बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया है। ट्रांसपोर्ट नगर में व्यवसायियों को एक ही परिसर में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी योजना है।

नशा मुक्ति अभियान की रैली संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। पूरे विश्व के साथ-साथ कटनी जिले में भी विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर भव्य कार्यक्रम संपन्न हुए मुख्य कार्यक्रम हिरवारा ग्राम में नशा मुक्ति अभियान रैली के रूप में संपन्न हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में ग्राम वासियों ने रैली निकालकर पूरे जिले को संदेश दिया कि बिना नशे के ही सुखी, संपन्न एवं स्वस्थ समाज बनाया जा सकता। नशे को छोड़ना एकमात्र विकल्प है। हाथों में पोस्टर लेकर माइक में गीत संगीत के माध्यम से, नारों के माध्यम से, घर-घर नशा मुक्ति के पर्चे व संकल्प पत्र बांट कर एवं आवाहन करके घर-घर में लोगों को जागृत किया गया कि वह नशा छोड़ने का आज संकल्प ले। रैली को सफल बनाने में ग्राम वासियों की बड़ी संख्या के अलावा गायत्री परिवार के छबिलाल साहू, कुंती साहू, ज्योति श्रीवास्तव, आशा बर्मन, सुधा बर्मन, सुनीता बर्मन, दीपनारायण बर्मन, योगेश बर्मन, ममता बर्मन, माधुरी बर्मन, शालिनी बर्मन, सुभांशी बर्मन, रामा बर्मन, संतोष बर्मन, डॉक्टर विद्याभूषण खरे, महेंद्र खरे, ओजस खरे, शरद जायसवाल, धीरज नामदेव, लव सिंह चौहान, दहिया बाबूजी, हरिश्चंद्र गुप्ता, शिव श्रीवास्तव एवं कमल राज अग्रवाल ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

तीन दिवसीय उर्स पाक श्रद्धा और शानो-शौकत के साथ आयोजित

बड़ी संख्या में उमड़े अकीदतमंद, अमन-चैन की मांगी दुआ

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम के सामने स्थित गली बैंड हॉल में हज़रत ख़ुवाजा मौलाना व मुर्शिदना ताजुलफुकरा सिराजुलआरफीन शाहे विलायत मख़्दूम हाजी मौलवी शाह मोहम्मद अतहर हज़रत भाईजान सरकार चूड़ी वाले बाबा जी क़ादरी चिश्ती नक्शबंदी सोहरवर्दी साबरी निज़ामी सहित विभिन्न सिलसिलों से जुड़े हज़रत किला भाईजान सरकार (र.अ.) का तीन दिवसीय उर्स पाक शानो-शौकत और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। उर्स के पहले दिन रविवार को मिलाद शरीफ एवं परचम कुशाई का आयोजन किया गया। दूसरे दिन सोमवार को कुल शरीफ और फातेहा के बाद शाही दस्तरवान पेश किया गया तथा मेहफिल-ए-समा

में देशभर के प्रसिद्ध सूफी कव्वालों ने अपने कलाम प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस दौरान तीनों दिन लंगर (भंडारे) का भी आयोजन किया गया।

तीसरे दिन मंगलवार को नज़र एवं फातेहा के बाद रंग की महफिल आयोजित हुई, जिसमें देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआएं मांगी गईं। उर्स में कटनी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और सभी धर्मों के लोगों की सहभागिता भी देखने को मिली। सजादा नशीन हज़रत मौलवी शाह गुलाम मुस्तफा क़ादरी चिश्ती निज़ामी नियाज़ी मुहमदी शकूरी उबैदी अतहरी साहब की निगरानी में यह तीन दिवसीय उर्स पाक शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

एसपी अभिनव विश्वकर्मा ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया पुरस्कृत

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार माह अप्रैल 2026 में 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक गुम बालक/बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत जिला कटनी के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज कुल 67 प्रकरणों में 207 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा गंभीरता, संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करते हुए उल्लेखनीय सफलता अर्जित की गई। पुलिस अधीक्षक ने अपराधों की रोकथाम, तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यों में दक्षता प्रदर्शित करने वाले पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया। इसमें साइबर सेल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी भी शामिल रहे। जिले में अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं विशेष अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, अपराधों के त्वरित निकाल तथा गुम बालक/बालिकाओं की सफल दस्तयाबी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को कुल 1,00,500/- की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकरणों में जारी कुल 11 पृथक आदेशों के माध्यम से 45 अधिकारी एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य, अनुशासित कार्यप्रणाली, अपराध नियंत्रण में प्रभावी भूमिका तथा पुलिस विभाग के प्रति समर्पित सेवा भावना के लिए उत्साहवर्धन स्वरूप कुल 22,000/- की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा समस्त कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित अनुशासन, समन्वय, कड़ी मेहनत एवं लगन की सराहना की गई।

7 पेटी देशी प्लेन शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी एनकेजे उपनिरीक्षक रुपेन्द्र राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। 01 जून को थाना एनकेजे पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो युवक एक स्कूटी में अवैध शराब का परिवहन करते हुए झलवारा से हिरवारा की ओर आ रहे हैं। सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस टीम तत्काल मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंची। वहां बताए गए हुलिए की स्कूटी पर सवार दो युवकों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर स्कूटी के

सामने पैरदान पर 04 तथा पिछली सीट पर 03 खाकी रंग के कार्टून रखे मिले। कार्टून खोलकर जांच करने पर उनमें देशी प्लेन मशाला शराब पाई गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम सतीष चौधरी पिता सोहन लाल चौधरी उम्र 27 वर्ष एवं विकाश चौधरी पिता मोहन लाल चौधरी उम्र 27 वर्ष निवासी झर्रा टिकुरिया, कटनी होना बताया। आरोपी शराब परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, जिस पर पुलिस द्वारा कुल 07 कार्टून में भरी 63 लीटर अवैध देशी प्लेन मशाला शराब, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 30,000 रुपये है, विधिवत जब्त की गई। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त टीवीएस जुपिटर स्कूटी भी जब्त की गई। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर पूछताछ उपरांत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जिला जेल कटनी भेज दिया गया।

चीनी ताइपे को 13-1 से हराकर भारत एशिया कप के सेफा में

काकामिगाहारा, (जापान) (वार्ता)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को चीनी ताइपे को पूल ए के आखिरी लीग मैच में 13-1 से हराकर अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने कजाकिस्तान, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ जीत के साथ अपने पूल के मुकाबले खत्म किए, जबकि मेजबान जापान से उसे हार का सामना करना पड़ा। इन चार मैचों से टीम को कुल नौ अंक मिले। चीनी ताइपे के खिलाफ टीम की आक्रामक क्षमता पूरी तरह से देखने को मिली, जिसमें आशीष तानी पूर्ति अपनी हैट्रिक (27, 35, 42) के साथ सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बनकर उभरे। वहीं, गाज़ी खान (40, 44), सिद्धार्थ बेन (30, 52) और राहुल यादव (20, 54) ने दो-दो गोल किए। इसके अलावा, करण गौतम (7), प्रेमचंद सोय (11), कप्तान केतन कुशवाहा (13) और वरिंदर सिंह (50) ने भी गोल करने में अपना योगदान दिया।

भारत ने शुरू से ही अपने इरादे साफ कर दिए थे और अपने तेज़-तर्रार खेल से मैच की गति को अपने नियंत्रण में रखा, जिससे चीनी ताइपे की रक्षापंक्ति लगातार मुश्किल में रही। सातवें मिनट में करण ने भारत के पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच का पहला गोल किया और गतिरोध तोड़ा। इसके बाद प्रेमचंद (11) ने एक फील्ड गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया, जबकि कप्तान कुशवाहा (13) ने जल्द ही तीसरा गोल करके पहले क्वार्टर के अंत तक अपनी टीम को पूरी तरह से मैच पर हावी कर दिया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी अपना दबदबा बनाए रखा। यादव (20) ने चौथा गोल किया, जिसके बाद पूर्ति (27) ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 5-0 कर दिया। सिद्धार्थ (30) ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक और फील्ड गोल करके भारत के लिए दूसरे क्वार्टर को बेहद शानदार तरीके से समाप्त किया। हालाँकि, योंग-ज्यून झांग (30) ने चीनी ताइपे के लिए एक गोल करके वापसी की; उन्होंने हॉर्न बजने से ठीक पहले एक पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके हाफ-टाइम तक स्कोर 6-1 कर दिया। हाफ-टाइम के बाद भारत ने उसी जोश के साथ खेल फिर से शुरू किया। पूर्ति ने 35वें मिनट में एक और सेट-पीस से अपना दूसरा गोल किया, जिससे स्कोर 7-1 हो गया। फिर खान (40) ने भी अपना कमाल दिखाया और एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त को और बढ़ा दिया। पूर्ति (42) ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की, जबकि खान (44) ने अपना दूसरा गोल किया; इस तरह भारत 10-1 की बड़ी बढ़त के साथ आखिरी क्वार्टर में पहुँचा। चौथे क्वार्टर में भी भारत ने अपना ज़ोरदार दबाव बनाए रखा और सेट-पीस से गोल करने में कोई चूक नहीं की। वरिंदर (50) ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिसके बाद सिद्धार्थ (52) ने मैच का अपना दूसरा गोल किया। यादव (54) ने मैच का अपना दूसरा गोल करके टीम के शानदार प्रदर्शन को पूरा किया और भारत के लिए 13-1 की ज़ोरदार जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ भारत का टूर्नामेंट के सेमी-फ़ाइनल में पहुँचना पक्का हो गया है। सेमीफाइनल शुक्रवार, 5 जून को खेला जाएगा। भारत का मुक़ाबला किससे होगा, यह आज बाद में जापान और कज़ाकिस्तान के बीच होने वाले पूल ए के आखिरी मैच के बाद तय होगा।

प्रज्ञानंद ने कार्लसन पर दूसरी क्लासिकल जीत के साथ इतिहास रचा

ओस्लो (नॉर्वे)(वार्ता)

भारतीय ग्रैंड मास्टर आर. प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज 2026 के आठवें राउंड दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को एक ही टूर्नामेंट में दूसरी बार हराकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया। वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कार्लसन को दो बार क्लासिकल फॉर्मेट में हराने वाले पहले भारतीय बने हैं। इसी के साथ टूर्नामेंट में पहले स्थान की दौड़ में नया रोमांच भर दिया है। अलीरेजा फिरोजजा ने विश्व चैंपियन गुकेश डोम्माराजू पर एक महत्वपूर्ण क्लासिकल जीत दर्ज की। सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए, फिरोजजा ने आपसी समय के दबाव के बीच एक तनावपूर्ण एंडगेम को कुशलता से संभाला और एक बहुमूल्य जीत हासिल की, जिससे वह टूर्नामेंट के लीडर वेस्ली सो से केवल एक अंक पीछे रह गए।

सिंगापुर को 25-0 से रौंद कर भारतीय टीम अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में

काकामिगाहारा (वार्ता)

भारतीय हॉकी टीम ने महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के अपने अंतिम पूल ए मैच में सिंगापुर के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन करते हुए 25-0 से जीत दर्ज की। इस जबरदस्त जीत के साथ भारत ने पूल चरण को सभी मैचों में जीत के रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया और सेमीफाइनल की ओर बढ़ते हुए पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक प्रदर्शन किया और आखिरी तक इसे जारी रखा। इस दौरान 10 अलग-अलग खिलाड़ियों ने स्कोरशीट पर अपना नाम दर्ज कराया। इनमें सबसे आगे नौशीन नाज रहीं, जिन्होंने सात गोल (8, 13, 17, 18, 40, 52, 58) किए। गीतश्री नामी, जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, ने पांच गोल (13, 28, 47, 48, 60) किए, जबकि कप्तान स्वीटी कुजूर ने चार गोल (2, 24, 38, 45) का योगदान दिया।

स्पेन वर्ल्ड कप के पहले अभ्यास मैच में इराक का सामना करेगा

मैड्रिड, (वार्ता)

स्पेन गुरुवार रात फीफा वर्ल्ड कप के लिए अपने दो वार्म-अप मैचों में से पहला मैच खेलेगा, जब उसका सामना डेपोर्टिवो ला कोरुना के रियाज़ोर स्टेडियम में इराक से होगा। यह फ्रेंडली मैच, जो स्पेन का अपने घरेलू मैदान पर आखिरी मैच होगा (इसके बाद टीम 9 जून को पेरू से खेलने के लिए मेक्सिको रवाना हो जाएगी), कोच लुइस डे ला फुएंते को अपने ज़्यादातर खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने का अवसर मिलेगा। हालाँकि, निको विलियम्स, लामिन यामल और विक्टर मुनोज़ अभी भी मांसपेशियों की समस्याओं से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, और फैबियन रुइज़, मिकेल मेरिनो, डेविड राया और मार्टिन ज़ुबिमेंडी चैंपियंस लीग फाइनल के बाद मंगलवार और बुधवार को ही टीम से जुड़े हैं; ऐसे में स्पेन की लाइनअप से इस बात का कोई खास अंदाज़ा नहीं लगेगा कि 15 जून को केप वर्डे के खिलाफ वर्ल्ड कप के पहले मैच में कौन से खिलाड़ी शुरुआत करेंगे। रियाज़ोर पिच की हालत चिंता का विषय बनी हुई है, क्योंकि रविवार को डेपोर्टिवो के ला लीगा में प्रमोशन का जश्न मनाने के लिए प्रशंसक मैदान में घुस आए थे; लेकिन डे ला फुएंते को उम्मीद है कि इससे कोई दिक्कत नहीं होगी।

उन्होंने स्पेनिश रेडियो स्टेशन कैडेना सेर को दिए एक इंटरव्यू में कहा, हमें जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक उन्होंने पिच पर काफी मेहनत की है और पिच अच्छी हालत में होगी, जो कि बहुत ज़रूरी है। सबसे अहम बात यह है कि सुरक्षा कारणों से और एक बेहतरीन खेल दिखाने के लिए पिच अच्छी स्थिति में होनी चाहिए। डे ला फुएंते ने एक बार फिर भरोसा जताया कि विलियम्स और यामल स्पेन के वर्ल्ड कप के पहले मैच के लिए पूरी तरह फिट हो जाएँगे। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि मेरिनो को शायद खेलने का कुछ ज़रूरी समय मिलेगा, क्योंकि फरवरी की शुरुआत में टखने में गंभीर चोट लगने के बाद से वह शायद ही कोई मैच खेल पाए हैं। गोलकीपर के चुनाव को लेकर वह ज़्यादा खुलकर नहीं बोले; उनके पास उनाई सिमोन, डेविड राया और जोन गार्सिया के रूप में तीन विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि मेरा गोलकीपर कौन होगा। इसके अलावा, मैं आज ही आपको केप वर्डे के खिलाफ हमारी शुरुआती 11 के बारे में बता सकता हूँ, लेकिन हमें थोड़ा इंतज़ार करना होगा। कभी-कभी फुटबॉल में हालात बदल जाते हैं, लेकिन मैं अपनी शुरुआती 11 को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हूँ।

आयुष शेट्टी, रोहन-रूथविका प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में पहुंचे

जकार्ता (वार्ता)

पूर्व विश्व जूनियर कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी और रोहन कपूर और रूथविका शिवानी के मिश्रित युगल संयोजन ने बुधवार को यहां इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत से जीत दर्ज की। शेट्टी ने चीन के वेंग होंग यांग को 8-21, 22-20, 21-15 से हराया, जबकि रोहन और रूथविका ने दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के यांग पो-ह्सुआन और हू लिंग फांग को 21-14, 21-14 से हराया। थॉमस कप 2026 के कांस्य पदक विजेता आयुष ने एक गेम से पिछड़ने के बाद लगातार दूसरी बार दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी वेंग को हराया। हालांकि उन्होंने पहला गेम सरेंडर कर दिया, लेकिन दूसरे गेम में आयुष ने 8-4 पर 4 अंकों की बढ़त के साथ शुरुआती बढ़त बना ली। वेंग ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अपने दूसरे गेम प्वाइंट तक पहुंच कर अंतर को कम कर दिया। 19-20 से, भारतीय ने महत्वपूर्ण तीन अंक बनाए और मैच को निर्णायक गेम पहुंचा दिया। जबकि दूसरा एक गहन मुकाबला था, शेट्टी ने 6 अंकों की आरामदायक बढ़त हासिल की और एक घंटे और छह मिनट में मैच को बंद करने का लाभ बरकरार रखा। भारतीय ने इससे पहले अप्रैल में थॉमस कप में वेंग को हराया था। उनका अगला मुकाबला हांगकांग के ली चेउक यियू से होगा जिन्होंने चौथी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव को हराया। मिश्रित युगल में रोहन और रूथविका ने उच्च रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी यांग पो-ह्वान और हू लिंग फैंग को केवल 34 मिनट में सीधे गेम में हरा दिया। उन्हें अब कड़ी लड़ाई का इंतजार है क्योंकि अगले चरण में उनका सामना मौजूदा चैंपियन फ्रांस के थॉम गिक्केल और डेल्फ़िन डेलरू से होगा। महिला एकल में कल पीवी सिंधु को आगे बढ़ने के लिए एन से यंग के खतरे से बचना होगा, जबकि हरिहरन-अर्जुन को मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई से भिड़ना होगा, जो प्रतिद्वंद्वी सात्विक-चिराग की चोट के कारण शुरुआती गेम के दौरान बाहर होने के बाद आगे बढ़े।

हरित ऊर्जा क्षेत्र में 44 लाख पूर्णकालिक रोजगार सृजन की क्षमता : रिपोर्ट

नयी दिल्ली (वार्ता)

देश का 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य और नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत निर्धारित उद्देश्य आने वाले समय में 44 लाख से अधिक रोजगार सृजित कर सकते हैं। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर और नेचुरल रिसोर्सेज डिफेंस काउंसिल इंडिया के एक नये अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। बुधवार को जारी अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि रूफटॉप सोलर सबसे बड़ा रोजगारदाता होगा, जिसकी कुल अनुमानित नयी नौकरियों में लगभग 43 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। ड्राइविंग एनर्जी ट्रांजिशन- वर्कफोर्स, स्किल्स, एंड जेंडर इन इंडियाज रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर नाम से जारी यह रिपोर्ट नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तकनीकी मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। यह वर्ष 2024-25 में सौर, पवन, जैव ऊर्जा और जलविद्युत क्षेत्रों की कंपनियों के बीच किये गये एक प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित है। इस अध्ययन ने विभिन्न स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों और व्यवसायीकरण वाले चरणों में कर्मचारियों की जरूरत का आकलन करने के लिए नया पूर्णकालिक रोजगार गुणांक तैयार किया है। इसके जरिये उपकरणों के विनिर्माण, परियोजनाओं की स्थापना और संचालन में आने वाले प्रत्यक्ष रोजगार का आकलन किया गया है। भारत अब कुल स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा, कुल बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल करने का लक्ष्य समय से पांच साल पहले 2025 में पूरा कर चुका है। इस क्षेत्र में रोजगार सृजन की संभावनाओं पर बात करते हुए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में सचिव संतोष कुमार सारंगी ने कहा, एक सफल हरित परिवर्तन के लिए लोगों की भागीदारी एकदम बुनियादी तत्व है। लोगों को इस हरित परिवर्तन के केंद्र में रखने से होने वाले सकारात्मक और अप्रत्यक्ष लाभ इसमें शामिल होते हैं।

चावल में तेजी, दाल नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। गेहूं और चीनी की कीमत कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही टिकी रही। दालों में नरमी देखी गयी जबकि खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 23 रुपये बढ़कर 3,856 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,781 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अपरिवर्तित रहा। आटा दो रुपये सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 31 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मूंग दाल 26 रुपये और तुअर दाल 15 रुपये सस्ती हुई। मसूर दाल की कीमत 11 रुपये और चना दाल आठ रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 140 रिंगिट चढ़कर 4,675 रिंगिट प्रति टन बोला गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.26 प्रतिशत की बढ़त में 79.41 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।

आईटी सेक्टर के दबाव में लुढ़के शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)

आईटी सेक्टर में भारी बिकवाली होने से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही और टीसीएस का शेयर सबसे अधिक 8.43 प्रतिशत टूट गया। बीएसई का सेंसेक्स 303.67 अंक (0.41 प्रतिशत) टूटकर 74,346.17 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 77.95 अंक यानी 0.33 प्रतिशत नीचे 23,405.60 अंक पर रहा। बाजार पर आज सुबह के समय यादा दबाव था। दोपहर तक सेंसेक्स 1,157 अंक लुढ़कर 73,492.60 अंक तक उतर गया था। इसके बाद बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में हुई लिवाली ने इसे 74,515.65 अंक तक चढ़ने में मदद की, हालांकि यह कभी हरे निशान में नहीं पहुंच सका। आईटी सेक्टर में मुनाफावसूली से टीसीएस ने बीएसई में सबसे अधिक 8.43 प्रतिशत का नुकसान उठाया। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर 6.23 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 5.25 प्रतिशत और इंफोसिस का 3.82 प्रतिशत गिर गया। आईटीसी में 2.21 फीसदी, इटरनल में 1.48 फीसदी और एलएंडटी में 1.19 फीसदी की गिरावट रही। अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, बीईएल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नीचे बंद हुए। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर सेंसेक्स में सबसे अधिक 1.43 प्रतिशत चढ़ा। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.30 प्रतिशत, ट्रेंट का 1.13, इंडिगो का 1.04 और पावरग्रिड का 1.01 प्रतिशत मजबूत हुआ। एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयर भी ऊपर रहे। वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.56 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.11 प्रतिशत लुढ़क गया। आईटी निफ्टी सूचकांक 5.57 प्रतिशत लुढ़क गया। एफएमसीजी, रियलटी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांकों में भी अधिक गिरावट रही। बैंकिंग और वित्तीय सेक्टर में सबसे यादा लिवाली देखी गयी, विशेषकर सार्वजनिक बैंकों में।

मई में घर की थाली की लागत पांच-सात प्रतिशत बढ़ी: क्रिसिल

नयी दिल्ली (वार्ता)

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मासिक रोटी चावल रेट रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल मई में, घर पर बनी शाकाहारी और मांसाहारी भोजन की थाली की लागत में पिछले साल इसी माह के मुकाबले क्रमश: पांच प्रतिशत और सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। गुरुवार को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार इसकी मुख्य वजह टमाटर, वनस्पति तेल और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (रसोई गैस) की कीमतों में हुई बढ़ोतरी है। क्रिसिल रोटी चावल रेट के अनुसार मई 2025 की तुलना में इस बार मई में टमाटर की कीमत 57 प्रतिशत बढ़कर 23 रुपये प्रति किलोग्राम की जगह 36 रुपये हो गयी। टमाटर के उत्पादन में 3-4 प्रतिशत की गिरावट के कारण भाव चढ़ गये थे। इसी तरह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े दबावों के कारण वनस्पति तेल और रसोई गैस के भाव भी पिछले साल के मुकाबले क्रमश: आठ प्रतिशत और सात प्रतिशत बढ़ गये। क्रिसिल इंटेलीजेंस के निदेशक पूषण शर्मा की राय में इस वर्ष जून से अगस्त तक टमाटर की कीमतें ऊंची रहने के आसार हैं, क्योंकि टमाटर की खेती करने वाले प्रमुख उत्तरी रायों में गर्मी टमाटर की रोपायी प्रभावित हुई है और इसका असर आपूर्ति पर पड़ सकता है। आलू की कीमतें भी थोड़ी बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि रबी की कटाई का मौसम खत्म हो रहा है और कोल्ड-स्टोरेज में रखा महंगा स्टॉक बाज़ार में आ रहा है। इस साल रबी उत्पादन में अनुमानित पांच प्रतिशत की गिरावट के कारण आने वाले महीनों में प्याज भी महंगा होने की संभावना है। क्रिसिल इंटेलीजेंस के अनुसार घरेलू स्तर पर पर्याप्त उपलब्धता के कारण आने वाले महीनों में दालों की कीमतें कम रहने की उम्मीद है। दाल-दलहन विपणन वर्ष जुलाई-जून 2026-27 में दालों का उत्पादन थोड़ा अधिक रहने का अनुमान है। 'मूल्य समर्थन योजना' के तहत सरकारी स्टॉक भी बढ़कर लगभग 43 लाख टन हो गया है, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे ऊंचा स्तर है। मोज़ाम्बिक से 'तूर' के आयात में कमी से दालों की कीमतों को कुछ सहारा मिल सकता है, लेकिन घरेलू स्तर पर पर्याप्त आपूर्ति, तूर और उड़द का शुल्क-मुक्त आयात, और बफर स्टॉक की लगातार उपलब्धता से आपूर्ति से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। घर की रोजमर्रा की थाली पर क्रिसिल की इस मासिक रिपोर्ट को तैयार करने में देश के सभी हिस्सों में आवश्यक सामग्री की औसत लागत देखी जाती है। लागत बढ़ने पर आम आदमी पर भोजन-पानी के खर्च का बोझ भी बढ़ जाता है। भारत सरकार के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय लगभग 4,122 रुपये है, जबकि शहरी इलाकों में यह 6,996 रुपये है। लगभग 4-5 लोगों के औसत परिवार आकार को देखते हुए, एक औसत भारतीय परिवार का खाने- पीने का खर्च हर महीने लगभग 17,000 - 30,000 रुपये बनता है।

हिन्दी पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा से युवा प्रेरणा लें : पटेल

सप्रे संग्रहालय में राज्यपाल पटेल की जीवनी का हुआ लोकार्पण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता का प्रारंभिक काल अत्यंत चुनौती पूर्ण था। कर्मठ पत्रकारों ने ब्रिटिश हुकूमत की अनेक कठिनाईयों के बावजूद पत्रकारिता के आदर्शों और शुचिता को बनाए रखा। हिन्दी पत्रकारिता की इसी गौरवशाली परंपरा से युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल पटेल बुधवार को हिन्दी पत्रकारिता द्वि-शताब्दी महोत्सव, पुरखों को प्रणाम - पोस्टर प्रदर्शनी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान द्वारा किया गया है। राज्यपाल ने महान पूर्वजों के स्मरण की अनुकरणीय पहल के लिए संस्थान को बधाई और साधुवाद दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि ऐतिहासिक हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं और युग निर्माता संपादकों की पोस्टर प्रदर्शनी, पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक ले जाने का प्रेरक प्रयास है। प्रदर्शनी का आयोजन, राष्ट्र धर्म और जन सेवा के लिए जीवन समर्पित करने वाले युग निर्माता संपादकों के त्याग और समर्पण को सजीव कर दर्शक का मन उन सभी महान विभूतियों की साधना और समर्पण के प्रति आदर भाव से भर देता है।

पत्रकारिता कोई साधारण व्यवसाय नहीं

राज्यपाल पटेल ने कहा कि पत्रकारिता कोई साधारण व्यवसाय नहीं, यह समाज के प्रति उत्तरदायित्व, सत्य के प्रति निष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। गौरव की बात है कि हिन्दी पत्रकारिता ने अपने आरंभ से ही समाचार प्रसार की सीमाओं से आगे बढ़कर कार्य किया। समाज के दिशा दर्शन, जनमत को सशक्त बनाने तथा राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का सशक्त प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता आंदोलन के कठिन दौर में भी हिन्दी पत्रकारिता ने जन जागरण, सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करने में कारगर भूमिका निभाई है। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता का योगदान केवल स्वतंत्रता संग्राम तक सीमित नहीं रहा उसने विशाल पाठक वर्ग तैयार कर ज्ञान का प्रसार भी है।

हिन्दी पत्रकारिता को डिजिटल माध्यमों से जोड़ना जरूरी

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता आज भी हमारे लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने, नागरिक चेतना जगाने और राष्ट्र निर्माण प्रयासों में प्रभावी भूमिका निभा रही है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में हिन्दी पत्रकारिता को वीडियो, पॉडकास्ट, वेबसाइट और मोबाइल मंचों के माध्यम से युवा पीढ़ी से जोड़ना आवश्यक है। पत्रकारों का आह्वान किया कि युवाओं को पत्रकारिता की विश्वसनीयता, सत्य निष्ठा, निष्पक्षता के मूल्यों की प्रेरणा दें। उनमें नवाचार, कौशल विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भाव और भावनाएं विकसित करें। अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों और वंचितों के प्रति संवेदनशीलता को मजबूत बनाए।

राज्यपाल ने जीवनी के लोकार्पण के लिए माना आभार

कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक पीर पराई जाने रे का लोकार्पण किया गया। पुस्तक का लेखन लोकभवन की कंट्रोलर शिल्पी दिवाकर और मुद्रण-प्रकाशन माधवराव सप्रे संग्रहालय द्वारा किया गया है। राज्यपाल श्री पटेल ने जीवनी लेखन, प्रकाशन से संबंधित सभी लोगों का आभार माना।

पत्रकारिता का इतिहास अत्यंत प्राचीन

महापौर मालती राय ने कहा कि भारत में पत्रकारिता का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। हमारी ज्ञान परंपरा में भी देखा जा सकता है। उन्होंने राज्यपाल पटेल के जन कल्याण प्रयासों में सक्रियता, सहयोग और संवेदनशीलता की सराहना की। वरिष्ठ पत्रकार और संपादक महेश श्रीवास्तव ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, व्यावसायिकता आदि की चुनौतियों के संदर्भ में विचार व्यक्त किए। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने कहा कि देश में पत्रकारिता की समृद्ध संस्कृति है। इसकी झलक पौराणिक ग्रंथों के संदर्भ से लेकर आधुनिक विकास यात्रा मिलती है। महाभारत के पात्र संजय को आधुनिक लाइव प्रसारण का अग्रदूत माना जा सकता है, क्योंकि वे धृतराष्ट्र को युद्ध का प्रत्यक्ष वर्णन सुनाते थे। नारद ऋषि ने लोक-कल्याण के लिए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया, उसी परंपरा को आज पत्रकार आगे बढ़ा रहे हैं। राज्यपाल पटेल का माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संस्थापक श्री विजयदत्त श्रीधर ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल को हिन्दी भवन द्वारा पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रकाशित विशेषांक भेंट किया गया। स्वागत उद्बोधन विजयदत्त श्रीधर ने दिया। आभार प्रदर्शन डॉ. मंगला ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में लोकभवन के अधिकारी, जनसंपर्क विभाग के सेवा निवृत्त अपर संचालक सुरेश गुप्ता, हिन्दी पत्रकारिता से जुड़े विद्वान, पत्रकार और साहित्य प्रेमी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नई पहल

मुख्यमंत्री ने निवास से स्टेट हैंगर तक ईवी से की यात्रा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास से स्टेट हैंगर भोपाल तक पेट्रोल से चलने चार पहिया वाहन के स्थान पर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) से यात्रा की। यह ईवी मुख्यमंत्री सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों पर खरा उतरने, फीचर्स की विधिवत् जांच एवं अन्य जरूरी प्रक्रियाओं का बारिकी से पालन करने के बाद मुख्यमंत्री के लघु कारकेड में बुधवार से शामिल कर ली गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अब राजधानी (भोपाल) में नियमित रूप से ईवी कार से ही यात्रा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को ईंधन की अधिकतम बचत करने और मितव्यतापूर्ण यात्रा के साधन अपनाने का संदेश दिया है। इससे देश एवं प्रदेश में ईंधन की बचत को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी का यह दायित्व है कि ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सार्थक प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है।

ये ईवी न केवल ईंधन की बचत करते हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अत्यंत लाभकारी साबित होते हैं। इन वाहनों से वायु प्रदूषण भी नहीं होता, शोर नगण्य होता है और इन वाहनों की संधारण लागत भी पारम्परिक ईंधन वाले वाहनों की तुलना में काफी कम होती है। उन्होंने कहा कि ईंधन बचाने और पर्यावरण की रक्षा के लिए ईवी का उपयोग हम सभी के लिए हितकारी है। यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ईवी वाहनों के उपयोग से पारम्परिक ईंधन पर हमारी निर्भरता कम होगी, प्रदूषण घटेगा और देश-प्रदेश में हरित विकास को भी नई गति मिलेगी।

मलेरिया निरोधक माह का शुभारंभ

जनजागरूकता हेतु प्रचार रथ एवं रैली रवाना

दमोह (स्वतंत्र मत)।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जून 2026 को मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वर्षा ऋतु के दौरान मच्छरों की बढ़ती संख्या से होने वाले मलेरिया एवं डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना तथा इन रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण सुनिश्चित करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अठया के निर्देशन में 3 जून को मलेरिया कार्यालय से मलेरिया/डेंगू जनजागरूकता प्रचार रथ को जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों एवं आशा कार्यकर्ताओं जागरूकता रैली भी निकाली गई। प्रचार रथ द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में माइकिंग कर मलेरिया एवं डेंगू से बचाव संबंधी संदेश प्रसारित किए गए तथा नागरिकों को पंपलेट वितरित कर आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता बनाए रखने तथा मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के उपायों के बारे में अवगत कराया गया। जिला मलेरिया कार्यालय के अनुसार आगामी दिनों में प्रचार रथ जिले के सभी ब्लॉकों एवं मलेरिया प्रभावित ग्रामों का भ्रमण करेगा। इस दौरान माइकिंग, पोस्टर, पंपलेट एवं अन्य जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमति सिलारपुरिया ने नागरिकों से अपील की है कि वर्षा ऋतु के दौरान अपने घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें। जिन स्थानों पर पानी निकालना संभव न हो, वहां जला हुआ तेल डालकर मच्छरों के लार्वा को नष्ट करें। विभाग ने सभी नागरिकों से मलेरिया एवं डेंगू मुक्त जिले के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया है।

बांदकपुर कॉरिडोर को लेकर प्रदर्शन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

श्रीदेव जागेश्वरनाथ बांदकपुर में कॉरिडोर निर्माण को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर फैलाने दमादी मोहल्ला के खसरा क्रमांक 114 व 115 का पट्टा प्रदाय करने तथा नाले की सफाई को लेकर बुधवार को बांदकपुर के व्यापारी और निवासियों ने कलेक्ट्रेट व एसपी कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी की। बांदकपुर में शंकर गौतम और राम गौतम पर आरोप भी लगाए गए। करीब 50 से अधिक लोगों ने डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति और एडिशनल एसपी सुजीत सिंह भदोरिया को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद व्यापारी व निवासियों ने कलेक्टर प्रताप नारायण यादव व एसपी आनंद कलादगि से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन देने वालों में व्यापारी राम शुक्ला, योगेश बाजपेई, सुनील डब्लुया, सीतू पंडा, बृजेश ठाकुर, गुलशन पाठक, सौरभ चौबे, लालचंद राय, अशोक, कमलेश, बल्लू नेमा, अनुराग नेमा, महेश सेन, शिवकुमार, हरिशंकर तिवारी, सीताराम लखेरा, मोहन, हरिदास, गणेश, लल्लू समेत अन्य लोग शामिल रहे। कलेक्टर और एसपी ने व्यापारियों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत किया अमरूद के पौधे का रोपण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव ने दमोह प्रवास के दौरान जिले के वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं महिला सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रीमती यादव ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को त्वरित सहायता और संरक्षण प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है इसलिए यहां आने वाली प्रत्येक पीड़ित महिला को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हों और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत श्रीमती रेखा यादव ने परिसर में अमरूद के पौधे का रोपण किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे गोपाल पटेल संजय यादव भरत यादव राजेंद्र चौरसिया अरूण सोनी सोनू यादव विशाल शिवहरे संतोष रोहित रिंकू गोस्वामी अखिलेश सिंह घोषी जुगल अग्रवाल महिला बाल विकास जिला परियोजना अधिकारी अनिल जैन उपस्थित रहे।

प्रदेश का कोई भी युवा उच्च शिक्षा से न रहे वंचित : डॉ. यादव

किसी भी विद्यार्थी की आर्थिक स्थिति उसकी शिक्षा में बाधा न बने

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित न रहे, बल्कि कौशल विकास और रोजगार से भी जुड़े। राज्य सरकार के लिए यह प्राथमिकता का विषय है और प्रदेश में नई शिक्षा नीति के जरिए शिक्षा को रोजगार, उद्यमिता, तकनीक और नवाचार से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश के महाविद्यालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, फिनटेक, डेटा साइंस, बॉयो टेक्नोलॉजी और अन्य आधुनिक विषयों का अध्ययन कराया जा रहा है। शासकीय महाविद्यालयों में एक विषय के रूप में कृषि को जोड़ा गया है और विद्यालयों में पायलट ट्रेनिंग के लिए कोर्स शुरू किए जा रहे है। युवाओं को संत शिरोमणी रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में वर्ल्ड क्लास एडवांस्ड तकनीक की ट्रेनिंग मिल रही है। प्रदेश में सीखो-कमाओ योजना भी चल रही है, जिसके माध्यम से युवा डायरेक्ट इंडस्ट्री से लर्न भी कर रहे हैं और अर्न भी। प्रदेश के कई युवा स्टार्ट-अप चला रहे हैं।

स्टूडेंट फ्रेंडली शिक्षा पर जोर - राज्य सरकार यह प्रयास कर रही है कि प्रदेश का कोई भी युवा उच्च शिक्षा से वंचित न रहे और प्रत्येक छात्र-छात्रा अपनी प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़े। संपूर्ण प्रदेश में कालेज चलो अभियान 31 मई से आरंभ किया गया है। अभियान का प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कक्षा 12वीं के बाद कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी, अवसरों के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। किसी भी विद्यार्थी की आर्थिक स्थिति उसकी शिक्षा में बाधा न बने। इसलिये छात्रवृत्ति, शुल्क सहायता, छात्रावास, परिवहन और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों और वंचित वर्गों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन और समान अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन और आर्थिक सहायता प्रदान करने की दृष्टि से संचालित गांव की बेटी और प्रतिभा किरण योजनाओं के अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इन दोनों योजनाओं के अंतर्गत छात्राओं को 500 रुपये प्रतिमाह की दर से 10 माह तक कुल 5 हजार रुपये प्रति शैक्षणिक सत्र की सहायता राशि दी जाती है। राज्य सरकार शिक्षा को पूरी तरह से स्टूडेंट फ्रेंडली बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

क्षमता के अनुसार विषय चुनने की आजादी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि कॉलेज चलो अभियान केवल एक कार्यक्रम नही, बल्कि युवाओं के उज्जवल भविष्य, आत्मनिर्भर भारत और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प है। प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, डिजिटल सुविधाओं और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार केवल प्रवेश बढ़ाने नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा, आधुनिक संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में लागू नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता मिली है।

उद्योगों से जुड़ी पढ़ाई को प्राथमिकता - मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश को शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए कार्य जारी है। प्रदेश में विश्वस्तरीय संस्थानों, आधुनिक सुविधाओं और कौशल विकास कार्यक्रमों का विस्तार जारी है। एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, कौशल आधारित शिक्षा, इंटर्नशिप, उद्योगों से जुड़ी पढ़ाई, शोध और नवाचार को प्राथमिकता दी जा रही है। मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम से शिक्षा को अधिक सुगम बनाया गया है। प्रदेश सरकार ज्ञान, कौशल और नवाचार की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार का प्रयास कि प्रदेश के युवा रोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार हों, साथ ही उनमें नेतृत्व, निर्णय क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी विकास हो।

आईटीआई प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने आईटीआई प्रवेश सत्र 2026-27 के संबंध में अपने संदेश में जिले के छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से शासकीय आईटीआई में प्रवेश लेकर रोजगारपरक तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आईटीआई युवाओं को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप व्यावहारिक एवं तकनीकी कौशल प्रदान करती है, जिससे रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं।

कलेक्टर यादव ने बताया कि आईटीआई में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर, कोपा सहित विभिन्न इंजीनियरिंग एवं गैर इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जो युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने पात्र विद्यार्थियों से निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित शिक्षा की मांग लगातार बढ़ रही है और आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त युवा विभिन्न औद्योगिक, सेवा एवं स्वरोजगार क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अपना भविष्य बना रहे हैं। जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। आईटीआई प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ हैं तथा अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थी समय रहते पंजीयन कर प्रवेश पा सकते है।

उच्च स्तरीय समिति की बैठक आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र में समान नागरिक संहिता के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एवं कानूनविद् अनूप नायर की अध्यक्षता में जन परामर्श बैठक 4 जून को अपराह्न 3:30 बजे सभागार पीएम श्री कॉलेज दमोह में आयोजित की गई है। बैठक में समान नागरिक संहिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श कर सुझाव एवं जनमत प्राप्त किए जाएंगे।

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिव नगर दमोहनाका जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक भूखण्ड क्रमांक-122 श्री प्रदीप कुमार जैन पिता श्री संतोष कुमार जैन के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 31.03.2025 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री प्रदीप कुमार जैन पिता श्री संतोष कुमार जैन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 08.05.2025 के माध्यम से श्रीमति रानी जैन पति श्री आशीष कुमार जैन, श्रीमति अनुप्रिया जैन पति श्री आनन्द कुमार जैन, श्रीमति सुषमा जैन पति श्री केवलचंद जैन, श्रीमति वंदना जैन पति श्री अलोक कुमार जैन को विक्रय किया है। अतः श्रीमति रानी जैन, श्रीमति अनुप्रिया जैन, श्रीमति सुषमा जैन, श्रीमति वंदना जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल

इंजीनियरिंग विभाग
खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई.निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक :** डी.आर.एम डब्ल्यू-जे.बी.पी-81-2026 दिनांक 27.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** सहायक मंडल अभियंता पिपरिया सब डिविजन के तहत वरिष्ठ खंड अभियंता (वर्क्स) पिपरिया के सेक्शन हेतु साल 2026-27 के लिए रेलवे बिल्डिंग/स्टेशन और रेलवे क्वार्टर वगैरह के मेंटेनेंस के काम और बिल्डिंग मटेरियल की सप्लाई के लिए जोनल कॉन्ट्रैक्ट ।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये :** 99,99,072/-, **बयाना राशि रुपये :** 2,00,000/-, **समापन अवधि :** 12 माह, **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे :** 19.06.2026, **निविदा खुलने की अंतिम तिथि एव समय 15.15 बजे :** 19.06.2026, उपरोक्त ई-निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

(हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य),
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. No./PWD/e-tendering/PRO/253 Dated 03/06/2026

// निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_512501_1 Date 03/06/2026	सं.क्र. 11 अंतर्गत पूर्व विधानसभा क्षेत्र में पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रं. 54 में दीपक डेरी से फिसलना मंदिर तक क्षतिग्रस्त रोड एवं नाली निर्माण का कार्य। (निगम मद)	03 माह रू. 23.55 लाख	5,000/- रु. 17665/-	06/06/2026
2.	2026_UAD_512501_2 Date 03/06/2026	सं.क्र. 11 अंतर्गत सुभाषचंद्र बैनर्जी वार्ड में नाली निर्माण कार्य (निगम मद)	02 माह रू. 3.45 लाख	2,000/- 3455/-	18/06/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम, जबलपुर

➤ हरित क्रांति के विशेष अभियान से स्टेशन और कॉलोनियां हो रही पर्यावरण अनुकूल

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पमरे द्वारा चलाया जा रहा अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पमरे के जबलपुर मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर जन-जागरूकता अभियान का शंखनाद किया गया है। 15 मई से शुरू हुआ यह विशेष विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 5 जून तक निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान के अंतर्गत जबलपुर, कटनी, नई कटनी जंक्शन, सतना, रीवा, दमोह एवं पिपरिया जैसे प्रमुख स्टेशनों पर इको-फ्रेंडली जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए कई जनहितकारी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 2 जून को जबलपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बीच सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ मोर्चा खोला गया।

➤ सांसद आशीष दुबे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

जबलपुर को 'डिफेंस क्लस्टर' बनाने की मांग

जबलपुर। सांसद आशीष दुबे ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से एक महत्वपूर्ण भेंट की। इस दौरान उन्होंने जबलपुर को रक्षा क्षेत्र के एक बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए वहां डिफेंस क्लस्टर स्थापित करने का आग्रह किया। सांसद दुबे ने रक्षा मंत्री को जबलपुर आने का निमंत्रण भी दिया और क्षेत्र के रक्षा कारखानों व कैंट निवासियों से जुड़े कई संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान सांसद आशीष दुबे ने तर्क दिया कि जबलपुर को भारत की डिफेंस सिटी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ देश की सुरक्षा को मजबूती देने वाले कई बड़े कारखाने और संस्थान सक्रिय हैं।

फर्जी किसानों को सदस्य बताकर शासन को लगाई लाखों की चपत

कृषि विभाग की जांच में खुलासा

पाटन थाने में 6 डायरेक्टरों समेत 9 पर एफआईआर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सरकारी योजनाओं और पात्रता का नाजायज फायदा उठाने के लिए एक अनाज खरीदी कंपनी द्वारा सरकार के साथ 39.67 लाख की धोखाधड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कृषि विभाग की जांच में खुलासा हुआ है कि रायसेन जिले की बेगमगंज सीड प्रोड्यूसर लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टरों और कर्मचारियों ने फर्जी दस्तावेज, जाली बैंक खाते और नकली किसान सदस्य दिखाकर करीब 39.67 लाख रुपए की सरकारी राशि हड़प ली। उक्त पूरा गबन 2022-23 के बीच हुआ है। दरअसल सरकार अनाज खरीदी (उपार्जन) का काम कुछ समितियों और कंपनियों को देती है, इसके लिए कुछ नियम होते हैं। जैसे कंपनी के पास कम से कम 50 लाख रुपए की नगद राशि या क्रेडिट लिमिट होना जरूरी है और

वास्तविक किसान सदस्य होना जरूरी है। आरोप है कि बेगमगंज सीड प्रोड्यूसर लिमिटेड के संचालकों ने इन नियमों को पूरा दिखाने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किये, मामले में कंपनी के 6 डायरेक्टर और 3 कर्मचारियों पर एफआईआर की गई है। जांच में सामने आया कि बेगमगंज सीड प्रोड्यूसर लिमिटेड ने अपनी आर्थिक क्षमता दिखाने के लिए आईसीआईसीआई बैंक का एक खाता दस्तावेजों में प्रस्तुत किया था, लेकिन जब जांच दल ने बैंक से सत्यापन कराया तो पता चला कि जिस खाते को कंपनी का बताया गया था, वह वास्तव में कंपनी के नाम पर था ही नहीं, आरोप है कि कंपनी ने सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और पात्रता साबित करने के लिए गलत बैंक जानकारी का उपयोग किया।

फर्जी किसान सदस्य बनाए

जांच के दौरान कंपनी द्वारा जमा की गई किसान सदस्यों की सूची की भी पड़ताल की गई। सूची में दर्ज कई किसानों के मोबाइल नंबरों पर अधिकारियों ने सीधे संपर्क किया, फोन पर ग्रामीणों ने बताया कि वे न तो कंपनी को जानते हैं और न ही उसके सदस्य हैं। इसके अलावा किसान सूची में कई सदस्यों के पतेए शेयर राशि और अन्य जरूरी विवरण भी दर्ज नहीं मिले। जांच एजेंसियों का मानना है कि कंपनी ने कागजों में फर्जी या बिना जानकारी वाले किसानों को सदस्य दिखाकर संस्था को बड़ा और पात्र साबित किया और उसी आधार पर सरकारी लाभ और सब्सिडी हासिल की।

कर्मियों की नियुक्तियों में भी गड़बड़झाला

जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी में प्रबंधक मनीष चौरसिया, लेखापाल कमलेश साहू और कंप्यूटर ऑपरेटर नीलेश विश्वकर्मा की नियुक्ति नियमों के अनुसार नहीं की गई। कंपनी के रिकॉर्ड में ऐसी कोई बैठक, एजेंडा या प्रस्ताव नहीं मिला, जिसमें इन नियुक्तियों को मंजूरी दी गई हो, नियुक्ति पत्रों पर तारीख तक दर्ज नहीं थी। इतना ही नहीं, अलग-अलग दस्तावेजों पर किए गए हस्ताक्षरों में भी अंतर पाया गया। जांच दल ने इन नियुक्ति दस्तावेजों को संदिग्ध, फर्जी और नियम विरुद्ध माना है। आरोप है कि इन कर्मचारियों की मदद से पूरे वित्तीय लेनदेन और दस्तावेजी प्रक्रिया को संचालित किया गया।

39.67 लाख रुपए की राशि का गबन

मध्य प्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित, जबलपुर की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि कंपनी ने प्रासंगिक व्यय, हैंडलिंग और कमीशन के नाम पर 39 लाख 67 हजार 781 रुपए की सरकारी सब्सिडी और सहायता राशि प्राप्त की थी। जांच में यह राशि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त करना पाया गया। दरअसल उक्त मामले को लेकर किसान मजदूर महासंघ के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ठाकुर ने पूरे मामले की शिकायत प्रशासन से की थी।

कलेक्टर के निर्देश पर हुई जांच, दर्ज हुई एफआईआर

इसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर उच्च स्तरीय जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि कंपनी के संचालकों और कर्मचारियों ने मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ लिया और शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचाया। मामले में किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग के सहायक संचालक रवि कुमार आम्रवंशी ने पुलिस को शिकायत की। मामले में पाटन थाना पुलिस ने 6 डायरेक्टर और 3 कर्मचारियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। जिनमें कंपनी के डायरेक्टर सचिन दुबे, रंजना पाण्डे, संदीप दुबे, अंशुल बर्मन, नेहा पाण्डे और उमा सिंह को आरोपी बनाया गया है। इनके अलावा कंपनी के प्रबंधक मनीष चौरसिया, लेखापाल कमलेश साहू और कंप्यूटर ऑपरेटर नीलेश विश्वकर्मा को भी नामजद किया गया है।

छात्राओं ने लिया पर्यावरण और जल संरक्षण का संकल्प

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन के इको क्लब द्वारा कॉलेज परिसर में एक भव्य पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्राओं के भीतर पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना और उनके रचनात्मक कौशल को बढ़ावा देना था। छात्राओं ने पर्यावरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर बेहद आकर्षक और संदेशपरक पोस्टर्स बनाए। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं कु. रिया कुशवाहा व कु. स्नेहा मरावी, द्वितीय पुरस्कार कु. तनु ठाकुर व कु. जया शर्मा, तृतीय पुरस्कार कु. आकांक्षा पटेरिया तथा सांत्वना पुरस्कार कु. रजनी चौधरी को प्राप्त हुआ । इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है, हमें प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखना अति आवश्यक है । उन्होंने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया । कार्यक्रम का सफल संचालन इको क्लब की सदस्य एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कु. माया धानक द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, श्रीमती जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, ऋषभ भट्ट एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, श्रीमती प्रेमलता चौबे, सुमन चौधरी एवं विजय दहायत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

युवक ने लगाई फांसी, मौत

जबलपुर। संजीवनी नगर थानातंर्गत शाहीनाका निवासी 35 वर्षीय नरेश उर्फ राजेन्द्र पटेल ने अपने कमरे में बल्ली से चुनरी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मृतक के भाई मुकेश कुमार की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है।

कायस्थ महासभा 10 जून को करेगी मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कायस्थ समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित व सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 10 जून 2026 को एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित कर इन प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मंच प्रदान किया जाएगा। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करना समाज की प्रगतिशील सोच को दर्शाता है। इससे न केवल विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि अन्य बच्चों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

6 जून तक जमा कराएं अंकसूची

सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए पात्र विद्यार्थी अपनी बोर्ड परीक्षा की अंकसूची (मार्कशीट) की फोटोकॉपी 06 जून 2026 तक अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यालय (ए.पी.एन. महाविद्यालय, सदर, जबलपुर) में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे के बीच जमा कर सकते हैं। महासभा ने समाज के सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों से समय सीमा के भीतर दस्तावेज जमा कर इस गरिमामयी आयोजन का हिस्सा बनने की अपील की है। बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव, डॉ. शरद श्रीवास्तव, सुधीर खरे, बच्चन श्रीवास्तव, डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, सत्येंद्र श्रीवास्तव, डॉ. सोनल खरे, एडवोकेट हिमांशु खरे, नवनीत श्रीवास्तव, विजय खरे और बीना श्रीवास्तव सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मोबाइल टावर पर चढ़ी महिला, घंटों मचा रहा हड़कंप

जमीन कब्जाने से क्षुब्ध महिला ने उठाया कदम, पुलिस के आश्वासन के बाद उतरी नीचे

जबलपुर/सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा तहसील मुख्यालय में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला अपनी मांगों को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई। महिला का आरोप है कि उसके परिजनों ने एक स्थानीय व्यवसायी के साथ मिलकर उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया है और लगातार शिकायतों के बाद भी पुलिस व प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। जानकारी अनुसार सिहोरा नगर के वार्ड क्रमांक-3 निवासी सोनम केवट अचानक मोबाइल टावर की ऊंचाई पर चढ़ गई। जिसे देख स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना सिहोरा थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम और थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को ने महिला को समझाने का प्रयास शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत और निष्पक्ष कार्रवाई का ठोस

आश्वासन मिलने के बाद महिला सुरक्षित नीचे उतरने को तैयार हुई।

पुलिस ने दिया कार्यवाही का आश्वासन

टावर से उतरने के बाद महिला ने अपनी आपबीती पुलिस को बताई। सोनम का आरोप है कि उसके बड़े पिता के बेटों संतोष मल्लाह और गोपाल मल्लाह ने स्थानीय व्यवसायी किशन जनवानी के साथ सांठगांठ कर उसकी पैतृक जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने उक्त धोखाधड़ी के खिलाफ तहसील कार्यालय, सिहोरा थाना और जबलपुर वन विभाग के अधिकारियों तक को लिखित दस्तावेज सौंपे, लेकिन महीनों चक्कर काटने के बाद भी कहीं सुनवाई नहीं हुई। थक-हारकर मुझे यह आत्मघाती कदम उठाना पड़ा। मामले में पुलिस ने महिला को जांच के बाद उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

आउटसोर्स बिजली कर्मियों की सुरक्षा भगवान भरोसे

20 लाख के जीवन बीमा की शर्त पर ही मिले नया ठेका, तकनीकी कर्मचारी संघ ने रखी मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश की बिजली कंपनियों में जान जोखिम में डालकर काम करने वाले हजारों आउटसोर्स कर्मचारियों के भविष्य और सुरक्षा को लेकर मध्य प्रदेश विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ ने मोर्चा खोल दिया है। संघ के प्रांतीय महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव ने सूबे के ऊर्जा मंत्री को एक पत्र भेजकर मांग की है कि प्रदेश में केवल उन्हीं ठेका कंपनियों को नया टेंडर (ठेका) दिया जाए, जो अपने आउटसोर्स कर्मियों को कम से कम 20 लाख रुपये का जीवन बीमा और कैशलेस स्वास्थ्य सुरक्षा कवर प्रदान करें। ऊर्जा मंत्री को लिखे पत्र में संघ ने बिजली कंपनियों के प्रबंधन पर उदासीनता का आरोप लगाया है। महासचिव ने कहा कि प्रदेश की बिजली कंपनियों में इस वक्त 45,000 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं। बेहद अफसोस की बात है कि कंपनियों के प्रबंध संचालकों ने आज तक इन कर्मियों के लिए कोई मानव संसाधन नीति नहीं बनाई है, जिससे इन कर्मचारियों और उनके परिवारों का भविष्य पूरी तरह

असुरक्षित बना हुआ है।

रोजाना मौत से खेल रहे कर्मचारी

संघ ने ध्यानाकर्षण कराते हुए कहा कि प्रदेश के सभी 56 जिलों में ये आउटसोर्स कर्मी हर दिन हाई-वोल्टेज और करंट के बेहद जोखिम भरे माहौल में काम करते हैं। इस दौरान आए दिन वे गंभीर हादसों का शिकार होते हैं। कई मामलों में तो युवा कर्मचारियों को अपनी जान तक गंवानी पड़ती है, जिसके बाद उनके पीछे उनका परिवार दाने-दाने को मोहताज हो जाता है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

जबलपुर। माढ़ोताल पुलिस ने बताया कि ग्राम सूखा निवासी 40 वर्षीय नंदलाल अहिरवार बीती रात वायपास स्थित नीलकमल ढाबा के समीप सड़क हादसे में घायल हो गया था। जिसे कटंगी रोड स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती कराया गया था। जहां देररात उपचार दौरान नंदलाल अहिरवार की मौत हो गई।

पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी 5 जून को

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था के तत्वावधान में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण विशेषज्ञों की संगोष्ठी और उससे संबंधित जानकारी तथा रचना पाठ, आलेख का वाचन, पर्यावरण को बचाने के लिए समस्या और निदान विषय पर यह आयोजन किया जा रहा है संस्था के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन ने बताया कि आज इस तरह के आयोजन की सखूत आवश्यकता है जिससे हम भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सके।

बिजली चोरी की जांच करने पहुंची विद्युत विभाग की टीम पर हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाना क्षेत्र में बिजली चोरी की जांच करने पहुंची विद्युत विभाग की टीम पर हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधारताल शहर संभाग के सहायक यंत्री विवेक नेमा ने रांझी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई कि जब विभागीय टीम रांझी थाना अंतर्गत रिछाई के सुमन नगर में मीटरों की जांच के लिए पहुंची थी। विभागीय टीम सुमन नगर मेन रोड रिछाई में स्थित डीके तिवारी व कौशल्या तिवारी के कनेक्शन की जांच करने परिसर में पहुंची। वहां बिजली चोरी और मीटर की जांच की जा रही थी, तभी आरोपी राघव तिवारी वहां आया और उसने हंगामा शुरू कर दिया। उसने मौके पर मौजूद सहायक यंत्री विवेक नेमा, कनिष्ठ यंत्री रुपाली ज्योतिषी और लाइन स्टाफ मुस्ताक अली, अंकित पटेल, रोहित अहिरवार, आजाद कोल और मयंक मानवेरे को शासकीय कार्य करने से रोका। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

कचरे के ढेर में मानव खोपड़ी मिलने से हड़कंप

रांझी फक्कड़ बाबा मंदिर के समीप की घटना, जांच में जुटी फारेंसिक टीम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रांझी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रक्षा नगर में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब फक्कड़ बाबा मंदिर के पास लगे कचरे के ढेर में एक मानव खोपड़ी देखी गई। राहगीरों और स्थानीय निवासियों की नजर जैसे ही उस पर पड़ी, इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। क्षेत्रवासियों ने बिना वक्त गंवाए तत्काल इसकी सूचना रांझी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और मानव खोपड़ी को अपने कब्जे में लेकर मामले की बारीकी से तफ्तीश शुरू कर दी है। सीएसपी रांझी सतीश साहू ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बुधवार को रक्षा नगर फक्कड़ बाबा मंदिर क्षेत्र से कचरे के ढेर में मानव खोपड़ी पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर खोपड़ी को सुरक्षित बरामद कर लिया है। चूंकि घटना स्थल और

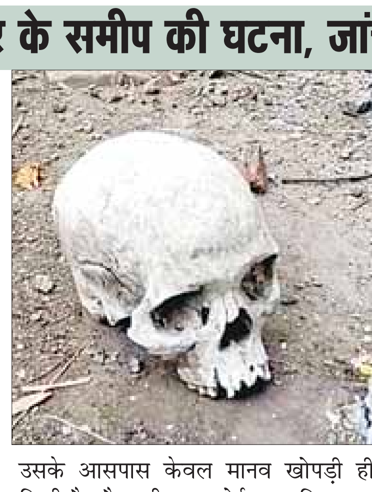

उसके आसपास केवल मानव खोपड़ी ही मिली है और शरीर का कोई अन्य हिस्सा या कंकाल वहां मौजूद नहीं था, इसलिए इस पूरे मामले की अत्यंत सूक्ष्मता और गंभीरता से जांच की जा रही है। वास्तविक कारणों और तथ्यों का पता लगाने के लिए खोपड़ी को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है।

रिपोर्ट आने पर होगा खुलासा

प्रारंभिक पूछताछ और जांच में स्थानीय निवासियों ने पुलिस को बताया कि इस पूरे जंगली व सुनसान इलाके में अक्सर कबरबिज्जू एक प्रकार का जंगली जीव देखे जाते हैं। इस आधार पर पुलिस और स्थानीय लोगों द्वारा यह प्रबल आशंका जताई जा रही है कि कबरबिज्जू ने पास के किसी कब्रिस्तान या श्मशान घाट की कब्र को खोदकर इस खोपड़ी को निकाला होगा और उसे घसीटते हुए यहां कचरे के ढेर तक ले आए होंगे। बहरहाल, रांझी थाना पुलिस केवल इस आशंका पर निर्भर नहीं है, पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही इस रहस्य से पूरी तरह पर्दा उठ सकेगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**